रांची, मंगलवार
06.10.2026
वर्ष : 11, अंक : 304, पृष्ठ : 12
मूल्य : दो रूपए

बिहान भारत

रांची से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
खबरें हमारी, विश्वास आपका

website : www.bihanbharat.org | bihanbharat@gmail.com | @bihan_bharat | Bihan Bharat | @bihanbharat | RNI NO - JHAHIN/2015/73988

भारत-स्विट्ज़रलैंड के बीच परिवहन, गतिशीलता और अनुसंधान से जुड़े करार

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत और स्विट्जरलैंड के बीच सोमवार को परिवहन, गतिशीलता एवं अवसंरचना, प्रवासन एवं गतिशीलता तथा युवा पेशेवरों से संबंधित नए समझौते हुए। इनमें स्वास्थ्य, स्वच्छ ऊर्जा और अंतरिक्ष क्षेत्र में नए संयुक्त अनुसंधान शामिल हैं। दोनों पक्षों ने शांति, कूटनीति और वैश्विक संस्थानों के सुधार के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की भी पुष्टि की।

दोनों देशों के बीच आज कुल पांच करार हुए। साथ ही दोनों देशों ने विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सहयोग से आयोजित भारत-स्विट्जरलैंड अनुसंधान फ्लैगशिप कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र की घोषणा की।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज हैदराबाद हाउस में स्विट्जरलैंड के राष्ट्रपति गाई पार्मेलिन के साथ व्यापक चर्चा की। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने आज एक्स पर बताया कि भारत के निर्यात के लिए स्विट्जरलैंड में बाजार पहुंच बढ़ाने और दोनों देशों के बीच निवेश को और सरल बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिये गए हैं। इससे भारत के कृषि, फार्मा, कपड़ा और इंजीनियरिंग उत्पादों का स्विट्जरलैंड को निर्यात बढ़ेगा और हम भारत के जैव प्रौद्योगिकी, जीवन विज्ञान, बैंकिंग, बीमा, खाद्य प्रसंस्करण और स्थिरता जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में नए स्विस निवेश को आकर्षित करेंगे। इन पहलों के साथ, हम मिलकर पूरी दुनिया के लिए भरोसेमंद आपूर्ति श्रृंखलाएं और विश्वसनीय समाधान विकसित करेंगे।

दोनों नेताओं ने संबंधों के सभी पहलुओं की समीक्षा की और व्यापार एवं निवेश, नवाचार एवं कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सैन्य आदान-प्रदान एवं रक्षा उत्पादन, परमाणु ऊर्जा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा जन-जन संबंधों में द्विपक्षीय सहयोग को और गहरा करने के तरीकों पर विचार-विमर्श किया। उन्होंने भारत-ईएफटीए टीईपीए समझौते द्वारा आर्थिक सहयोग में उत्पन्न सकारात्मक गति को सराहा और नवाचार-आधारित साझेदारी को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

साझा वक्तव्य में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि फरवरी में भारत ने विश्व का सबसे बड़ा एआई शिखर सम्मेलन आयोजित किया। अगले वर्ष स्विट्जरलैंड जिनेवा एआई शिखर सम्मेलन के माध्यम से इस यात्रा को आगे बढ़ाएगा। उन्हें विश्वास है कि हम सब मिलकर एआई को जिम्मेदार, समावेशी और मानवकेंद्रित बनाने की दिशा में आगे बढ़ते रहेंगे।

प्रधानमंत्री ने बताया कि दोनों देशों ने वैश्विक शांति और स्थिरता के लिए मिलकर काम करना जारी रखने का फैसला किया है। हम इस बात से भी सहमत हैं कि बढ़ती वैश्विक चुनौतियों के समाधान के लिए वैश्विक संस्थानों में सुधार की आवश्यकता है।

स्विट्जरलैंड के राष्ट्रपति पार्मेलिन ने कहा कि विज्ञान और प्रौद्योगिकी सहयोग भी हमारे सहयोग का एक मजबूत स्तंभ है। उन्हें खुशी है कि हम जल्द ही स्वास्थ्य, स्वच्छ ऊर्जा और अंतरिक्ष जैसे प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में संयुक्त अनुसंधान परियोजनाएं शुरू करने जा रहे हैं। भारतीय विज्ञान स्टार्टअप्स की क्षमता निर्माण के लिए, हम ज्यूरिख विश्वविद्यालय के साथ हुए समझौते का स्वागत करते हैं। योग और आयुर्वेद की बढ़ती लोकप्रियता को देखते हुए, हमने इन क्षेत्रों में सहयोग को मजबूत करने के लिए सकारात्मक चर्चा की। हमने सैन्य आदान-प्रदान और रक्षा उत्पादन सहयोग के नए अवसरों की पहचान की। हमने परमाणु ऊर्जा सहयोग को और गहरा करने पर भी सहमति व्यक्त की। वाराणसी का रोपवे, नोएडा का जेवर हवाई अड्डा और पर्वतीय क्षेत्रों में रेलवे और सुरंग निर्माण परियोजनाएं हमारे अवसंरचना सहयोग के उत्कृष्ट उदाहरण हैं।

संक्षिप्त खबरें

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु आत से आठ अक्टूबर तक हिमाचल दौरे पर

शिमला: राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु 6 से 8 अक्टूबर तक हिमाचल प्रदेश के दौरे पर रहेंगी। इस दौरान राष्ट्रपति प्रदेश में विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु 6 अक्टूबर को बिलासपुर स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के प्रथम दीक्षांत समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शामिल होंगी। इस अवसर पर वह एम्स बिलासपुर के विद्यार्थियों को संबोधित करेंगी तथा डिग्री और उपाधियां प्रदान करेंगी। राष्ट्रपति के हिमाचल प्रवास के दौरान 7 अक्टूबर को वह लाहौल-स्पीति जिले में रोहतांग स्थित अटल सुरंग का दौरा करेंगी। अटल सुरंग देश की सामरिक एवं परिवहन दृष्टि से महत्वपूर्ण परियोजनाओं में शामिल है और इससे मनाली तथा लाहौल-स्पीति के बीच वर्षभर संपर्क सुविधा उपलब्ध हुई है। राष्ट्रपति का यह हिमाचल दौरा तीन दिवसीय होगा। उनके प्रवास को लेकर संबंधित जिला प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। राष्ट्रपति के कार्यक्रम को देखते हुए सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था को लेकर भी आवश्यक प्रबंध किए जा रहे हैं।

उच्चतम न्यायालय में तीन नए न्यायाधीशों की नियुक्ति

नई दिल्ली: उच्चतम न्यायालय में तीन नए न्यायाधीशों की नियुक्ति की गई है। विधि एवं न्याय मंत्रालय ने सोमवार को बताया कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने दिल्ली, गुजरात और तेलंगाना उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीशों की उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों के रूप में नियुक्ति की है। उच्चतम न्यायालय में नवनियुक्त तीनों न्यायाधीश न्यायमूर्ति सुनीता अग्रवाल, न्यायमूर्ति देवेंद्र कुमार उपाध्याय और न्यायमूर्ति अपारेश कुमार सिंह हैं। श्रीमती अग्रवाल इस समय गुजरात उच्च न्यायालय की मुख्य न्यायाधीश हैं। श्री उपाध्याय दिल्ली उच्च न्यायालय और श्री सिंह तेलंगाना उच्च न्यायालय में मुख्य न्यायाधीश के पद पर हैं। उच्चतम न्यायालय कॉलेजियम ने गत 28 सितंबर को अपनी बैठक में इन तीनों की उच्चतम न्यायालय में नियुक्ति की सिफारिश की थी। इस नियुक्ति से पहले उच्चतम न्यायालय में मुख्य न्यायाधीश समेत न्यायाधीशों के स्वीकृत 38 पदों में से चार खाली थे। इसके अलावा, न्यायिक अधिकारी गुरविंदर पाल सिंह को दिल्ली उच्च न्यायालय के अतिरिक्त न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया गया है।

उदासीन परंपरा सनातन धर्म की जीवंत धारा है : राजनाथ सिंह

एजेंसी

अयोध्या। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सोमवार को राम नगरी अयोध्या में उदासीन ऋषि आश्रम रानोपाली श्री गुरु पर्व महामहोत्सव एवं संत सम्मेलन में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर आयोजित संत सम्मेलन एवं समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि उदासीन परंपरा सनातन धर्म की वह जीवंत धारा है, जिसने सदियों से भारत की आध्यात्मिक चेतना को पोषित किया है। अयोध्या पहुंचने पर राजनाथ सिंह ने हनुमानगढ़ी और श्रीराम मंदिर में दर्शन-पूजन किया। उदासीन आश्रम में संतों ने राजनाथ सिंह का माल्यार्पण और अंगवस्त्र भेंट कर स्वागत किया।

उन्होंने कहा कि भारत की सभ्यता की एक बड़ी विशेषता यह रही है, कि यहाँ ज्ञान को केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं रखा गया। ज्ञान को परम्परा बनाया गया। उस परम्परा को संस्कार बनाया गया और फिर संस्कार को, शिक्षा के माध्यम से, समाज के व्यवहार में उतारा गया। शिक्षा किसी भी सभ्यता की रीढ़ होती है और जब शिक्षा का माध्यम संस्कृत जैसी देवभाषा हो, तो उसका महत्व और भी बढ़ जाता है। आज जिस श्री नारायण संस्कृत महाविद्यालय को मैंने देखा, उसकी स्थापना, 1912 में बाबा श्री केशवराम जी महाराज ने की थी। यह हर्ष का विषय है कि उस परम्परा को, आज तक यहाँ के संत, यहाँ के आचार्य निभा रहे हैं। मैं इस अवसर पर, श्री महंत डॉ. स्वामी भरत दास जी महाराज को हृदय से बधाई देता हूँ। उनके नेतृत्व में यह आश्रम निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। ये जो पूरी परम्परा है, इसका एक महत्वपूर्ण आधार संस्कृत है। संस्कृत को केवल एक भाषा नहीं समझा जाना चाहिए। संस्कृत के पास भारत की ज्ञान-परम्परा का एक विशाल भंडार है। वेदों से लेकर उपनिषद तक, दर्शन से लेकर व्याकरण तक, आयुर्वेद से लेकर गणित तक, ज्योतिष से लेकर साहित्य तक, न्याय से लेकर मीमांसा तक, भारतीय ज्ञान-परम्परा का एक बड़ा हिस्सा, संस्कृत के माध्यम से पीढ़ी-दर-पीढ़ी आगे बढ़ा और विश्व की बौद्धिक परंपराओं को इसने समृद्ध किया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि योगी आदित्यनाथ सरकार से प्रदेश के सभी विद्यालयों में वैदिक गणित पढ़ाने का आग्रह करेंगे। उन्होंने कहा कि योगी सरकार के संरक्षण में शासन व्यवस्था और सनातन व्यवस्था दोनों उत्कर्ष को प्राप्त कर रही हैं। अयोध्या पहुंचने पर राजनाथ सिंह ने हनुमानगढ़ी और श्रीराम मंदिर में दर्शन-पूजन किया। उदासीन आश्रम में संतों ने राजनाथ सिंह का माल्यार्पण और अंगवस्त्र भेंट कर स्वागत किया।

राजनाथ सिंह ने अयोध्या को केवल भौगोलिक स्थान नहीं, बल्कि चेतना, संस्कृति और सभ्यता का केंद्र बताया। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम ने अयोध्या की धरती को पवित्र किया और यहां से धर्म, न्याय और मयार्दा का संदेश पूरी दुनिया में पहुंचा।

मंत्री दीपिका की पुत्री के ब्रह्मभोज में शामिल होकर मुख्यमंत्री ने दी श्रद्धांजलि

बिभा संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन और उनकी धर्मपत्नी विधायक कल्पना सोरेन सोमवार को रांची के स्मार्ट सिटी स्थित आवास पर पहुंचकर मंत्री दीपिका पांडेय सिंह की दिवंगत पुत्री तृषा सिंह के द्वादशा कार्यक्रम एवं ब्रह्मभोज में शामिल हुए।

मुख्यमंत्री ने दिवंगत तृषा सिंह के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी। मौके पर विधायक कल्पना सोरेन ने भी दिवंगत तृषा सिंह के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

उन्होंने शोक संतप्त परिवार से मुलाकात कर अपनी संवेदना व्यक्त की और परिजनों को ढांढस बंधाया।

मुख्यमंत्री ने ईश्वर से दिवंगत तृषा सिंह की आत्मा की शांति और शोकाकुल परिवार को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना की।

इस मौके पर राज्य सरकार के अन्य मंत्री, विधायक एवं गणमान्य लोगों ने भी दिवंगत तृषा सिंह के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी एवं शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की।

झारखंड में आज से नौ अक्टूबर तक आंधी-बारिश की संभावना, येलो अलर्ट जारी

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड की राजधानी रांची सहित राज्य के उत्तर-पूर्वी, मध्यवर्ती और उत्तर-पश्चिमी जिलों में सोमवार दोपहर बाद मौसम में बदलाव देखने को मिला। कई इलाकों में बादल छाए रहे, जबकि रांची के कुछ हिस्सों में हल्की बूंदाबांदी हुई। इससे तापमान में गिरावट दर्ज की गई। हालांकि, बाद में मौसम साफ हो गया और धूप खिल गई।

मौसम विभाग के अनुसार, छह से आठ अक्टूबर तक राज्य के कई जिलों में गर्जन के साथ आकाशीय बिजली गिरने और 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है। नौ अक्टूबर को गढ़वा, पलामू, लातेहार और चतरा को छोड़कर राज्य के शेष हिस्सों में भी गर्जन के साथ आकाशीय बिजली गिरने तथा 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने का अनुमान है। इसे देखते हुए मौसम विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया है।

पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में सबसे अधिक तापमान पश्चिमी सिंहभूम जिले के जगन्नाथपुर में 37 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं, सबसे कम तापमान लातेहार में 18.9 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। सोमवार को रांची में अधिकतम तापमान 30.6 डिग्री और न्यूनतम 19.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जमशेदपुर में अधिकतम तापमान 35.2 डिग्री और न्यूनतम 23 डिग्री, डाल्टनगंज में अधिकतम 35.4 डिग्री और न्यूनतम 22.9 डिग्री, बोकारो में अधिकतम 33.1 डिग्री और न्यूनतम 22.5 डिग्री तथा चाईबासा में अधिकतम 35.4 डिग्री और न्यूनतम 22.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

चुनाव आयोग ने राहुल गांधी के दावों का किया खंडन

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने सोमवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी के इन दावों का खंडन किया है कि विशेष गहन पुनर्निरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के तहत मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने एकतरफा ढंग से फार्म 6 में अवैध परिवर्तन किया है। आयोग ने कहा है कि जून 2025 के बिहार एसआईआर आदेश को आयोग की सर्वसम्मति से मंजूरी मिली थी। 27 मई को सुप्रीम कोर्ट ने इसे और इसके साथ ही संलग्न फॉर्म 6 घोषणा को भी बरकरार रखा था। जैसा कि उनके 26 सितंबर 2026 के प्रेस नोट में बताया गया है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के एक्स पोस्ट को फेक्ट चैक करते हुए चुनाव आयोग ने बयान भ्रामक बताया है। आयोग ने कहा, बिहार में एसआईआर के लिए 24 जून 2025 को जारी आदेश आयोग की सर्वसम्मति से पारित किया गया था।

उपराष्ट्रपति के देवघर दौरे से पहले प्रशासन अलर्ट, उपायुक्त ने बैठक कर की सुरक्षा-व्यवस्था पर चर्चा

बिभा संवाददाता

देवघर। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन के संभावित देवघर दौरे को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। आगामी 10 अक्टूबर को प्रस्तावित दौरे को लेकर सोमवार को उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी सौरभ कुमार भुवानिया की अध्यक्षता में उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला की सुरक्षा व्यवस्था, विधि-व्यवस्था और यातायात प्रबंधन सहित कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में पुलिस अधीक्षक प्रवीण पुष्कर, डीडीसी पीयूष सिन्हा सहित जिला प्रशासन और पुलिस विभाग के कई वरीय पदाधिकारी मौजूद थे।

उपराष्ट्रपति के दौरे को लेकर प्रशासन का फोकस केवल सुरक्षा व्यवस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि वीआईपी मूवमेंट के दौरान आम लोगों को कम से कम परेशानी हो, इसे लेकर भी विशेष रणनीति तैयार की जा रही है।

10 अक्टूबर को उपराष्ट्रपति के देवघर दौरे का प्रमुख कार्यक्रम एम्स देवघर के दूसरे दीक्षांत समारोह में शामिल होना बताया जा रहा है। इसके बाद उनके दारदमार्रा स्थित पीडी हिंदुजा अस्पताल पहुंचने की भी जानकारी सामने आई है, जहां सेना की ओर से आयोजित कार्यक्रम में उनके शामिल होने की संभावना है।

बैठक के दौरान उपायुक्त ने उपराष्ट्रपति के दौरे को लेकर विधि-व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था और यातायात प्रबंधन से जुड़े तमाम बिंदुओं की गहन समीक्षा की। उन्होंने संबंधित प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए सभी तैयारियां समय पर पूरी करने को कहा।

जिला प्रशासन की कोशिश है कि उपराष्ट्रपति के दौरे के दौरान सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह चाक-चौबंद रहे और वीआईपी मूवमेंट के बावजूद आम लोगों को आवागमन में किसी तरह की अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े।

वहीं दूसरी ओर गोड्डा सांसद डॉ निशिकांत दुबे ने बताया कि नौ और 10 अक्टूबर को भारतीय सेना की ओर से दो दिवसीय सैन्य संपर्क मेले और मेडिकल कैंप का आयोजन किया जा रहा है। इसके समापन कार्यक्रम में उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन के शामिल होने की बात कही गई है।

भारत-वेस्टइंडीज टी 20 मैच को लेकर जेएससीए स्टेडियम में सुरक्षा की पुख्ता तैयारी का एडीजी मनोज कौशिक ने किया निरीक्षण

दर्शकों, खिलाड़ियों और आम नागरिकों की सुरक्षा व सुविधा सर्वोच्च प्राथमिकता:मनोज कौशिक

बिभा संवाददाता

रांची: राजधानी रांची के जेएससीए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में आगामी 9 अक्टूबर 2026 को भारत और वेस्टइंडीज के बीच खेले जाने वाले दूसरे टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले को लेकर सुरक्षा तंत्र पूरी तरह मुस्तैद हो गया है। सोमवार, 5 अक्टूबर 2026 को अपर पुलिस महानिदेशक सह पुलिस महानिरीक्षक (दक्षिणी छोटानागपुर प्रक्षेत्र) मनोज कौशिक ने जेएससीए स्टेडियम पहुंचकर सुरक्षा व्यवस्था का व्यापक स्थलीय निरीक्षण और समीक्षा की।

निरीक्षण के दौरान वरीय पुलिस अधीक्षक राकेश रंजन, नगर पुलिस अधीक्षक पारस राणा, ग्रामीण पुलिस अधीक्षक गौरव गोस्वामी, यातायात पुलिस अधीक्षक राकेश सिंह तथा जेएससीए के अध्यक्ष, सचिव एवं अन्य शीर्ष पदाधिकारी उपस्थित रहे।

एडीजी ने अधिकारियों के साथ स्टेडियम के प्रवेश व निकास द्वारों, दर्शक दीर्घा, वीआईपी लाउंज, खिलाड़ियों के ड्रेसिंग रूम, पार्किंग जोन और आसपास के संवेदनशील इलाकों की सुरक्षा व्यवस्था का बारीकी से मुआयना किया। इस दौरान मैच के दिन शहर में सुगम यातायात प्रबंधन, खिलाड़ियों व विदेशी टीम के सुरक्षा प्रोटोकॉल तथा किसी भी आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए तैयार किए गए सुरक्षा चक्र की समीक्षा की गई।

मनोज कौशिक ने पुलिस पदाधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि स्टेडियम के भीतर और बाहर पर्याप्त संख्या में पुलिस बल तथा दंडाधिकारियों की तैनाती सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि दर्शकों, खिलाड़ियों और आम नागरिकों की सुरक्षा व सुविधा सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके मद्देनजर यातायात रूट डायवर्जन और पार्किंग व्यवस्था को इस तरह क्रियान्वित किया जाए जिससे आम जनता को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

भारत-वेस्टइंडीज टी-20 से पहले टिकटों के लिए उमड़ी भीड़, रात दो बजे से कतार में लगे प्रशंसक

रांची। रांची के झारखंड राज्य क्रिकेट संघ (जेएससीए) स्टेडियम में नौ अक्टूबर को भारत और वेस्टइंडीज के बीच होने वाले दूसरे टी-20 मुकाबले को लेकर क्रिकेट प्रशंसकों में जबरदस्त उत्साह है। मैच के टिकट खरीदने के लिए सोमवार को धुर्वा स्थित स्टेडियम के पश्चिमी छोर पर बने काउंटर के बाहर दर्शकों की भीड़ उमड़ पड़ी। टिकट लेने के लिए बड़ी संख्या में प्रशंसक रविवार देर रात दो बजे से ही कतार में खड़े होकर

अपनी बारी का इंतजार करते नजर आए। सुबह होते-होते कतार और लंबी हो गई। पुरुषों के साथ बड़ी संख्या में महिलाएं और छात्राएं भी घंटों लाइन में खड़ी रहीं। कई प्रशंसकों ने बताया कि वे सुबह पांच-छह बजे से टिकट के लिए कतार में लगे हैं। लंबे इंतजार के बावजूद प्रशंसकों के उत्साह में कोई कमी नहीं दिखी। भारत-वेस्टइंडीज मुकाबले को लेकर क्रिकेट प्रेमियों में खासा जोश है और टिकट हासिल करने के लिए वे घंटों इंतजार करने को भी तैयार हैं। संघ के नियमों के अनुसार, टिकट काउंटर से एक व्यक्ति को अधिकतम दो टिकट ही दिए जा रहे हैं। वहीं, भारी भीड़ को देखते हुए सुरक्षा और व्यवस्था बनाए रखने के लिए काउंटर के आसपास बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों और सुरक्षाकर्मियों की तैनाती की गई है। टिकट काउंटर के बाहर मजबूत बैरिकेडिंग की गई है, ताकि कतार को व्यवस्थित रखा जा सके और टिकटों की बिक्री शांतिपूर्ण तरीके से पूरी हो।

भाजपा ने उप्र से राज्यसभा के लिए 8 उम्मीदवारों के नाम किए घोषित

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की केंद्रीय चुनाव समिति ने उत्तर प्रदेश में होने वाले राज्यसभा द्विवार्षिक चुनाव के लिए आठ उम्मीदवारों के नामों को मंजूरी दे दी है।

भाजपा के राष्ट्रीय मुख्यालय प्रभारी तरुण चुग ने सोमवार को इन आठ उम्मीदवारों के नामों का ऐलान किया। जिन आठ नेताओं को उत्तर प्रदेश से राज्यसभा चुनाव के लिए उम्मीदवार बनाया गया है उनमें धर्मपाल सिंह, राधाकांत ओझा, प्रकाश पाल, विद्यासागर सोनकर, गोपी कृष्ण पाण्डेय, प्रियंका सिंह रावत, रामप्रताप सिंह चौहान और श्रुति गंगवार शामिल हैं।

धर्मपाल सिंह अभी उत्तरप्रदेश सरकार में मंत्री हैं। प्रकाश पाल को हाल ही में भाजपा ने प्रदेश ओबीसी मोर्चा का अध्यक्ष बनाया है। प्रियंका सिंह रावत बाराबांकी से सांसद रह चुकी हैं और प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष हैं। राधाकांत ओझा हाई कोर्ट के अधिवक्ता हैं। विद्यासागर सोनकर एससी समाज से है। एक बार लोकसभा सांसद रह चुके हैं।

उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश में राज्यसभा द्विवार्षिक चुनाव 2026 के लिए नामांकन प्रक्रिया 29 सितंबर से जारी है। उम्मीदवार 6 अक्टूबर तक नामांकन दाखिल कर सकेंगे। इसके बाद 7 अक्टूबर को नामांकन पत्रों की जांच होगी, जबकि 9 अक्टूबर तक उम्मीदवार अपना नाम वापस ले सकेंगे।

दुर्गा पूजा को लेकर जमशेदपुर में डीसी-एसएसपी ने इमामों व मस्जिद कमेटियों के साथ की बैठक

सोशल मीडिया पर फेक व एआई वीडियो से सतर्क रहने की अपील

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर। दुगार्पूजा के दौरान जिले में शांति, सुरक्षा और आपसी सौहार्द बनाए रखने को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। सोमवार को समाहरणालय सभागार में जिला दण्डाधिकारी सह उपायुक्त राजीव रंजन की अध्यक्षता में पेश-ए-इमाम तथा विभिन्न मस्जिदों के अध्यक्ष और सचिवों के साथ बैठक हुई। बैठक में पर्व के दौरान विधि-व्यवस्था बनाए रखने के साथ-साथ नागरिक सुविधाओं और सुरक्षा इंतजामों पर विस्तार से चर्चा की गई।

उपायुक्त राजीव रंजन ने कहा कि दुगार्पूजा शांतिपूर्ण और सौहार्द्रपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के लिए सभी संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। पूजा और विसर्जन के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा, साफ-सफाई, पेयजल, बिजली, स्ट्रीट लाइट, यातायात और सुरक्षा व्यवस्था को बेहतर रखने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। विसर्जन घाटों पर गोताखोरों की तैनाती और आवश्यक सुरक्षा इंतजाम भी सुनिश्चित किए जाएंगे। उपायुक्त ने कहा कि पर्व के दौरान अफवाह और भ्रामक सूचनाओं से बचना सभी की जिम्मेदारी है। विशेष रूप से युवाओं से अपील की गई कि सोशल मीडिया पर मिलने वाली किसी भी खबर या वीडियो को बिना सत्यापन के सही न मानें और उसे आगे प्रसारित न करें। उन्होंने एआई से तैयार फेक वीडियो, एडिटेड वीडियो और भ्रामक तस्वीरों को लेकर भी लोगों को सतर्क रहने की अपील की।

वरीय पुलिस अधीक्षक डॉ. ऐहतेशाम वकारिब ने कहा कि दुगार्पूजा को लेकर पुलिस पूरी तरह सतर्क है। संवेदनशील और भीड़भाड़ वाले इलाकों में सीसीटीवी के जरिए निगरानी रखी जाएगी तथा असामाजिक तत्वों पर विशेष नजर रहेगी। उन्होंने मस्जिदों के प्रतिनिधियों से अपने स्तर पर लोगों को जागरूक करने की अपील की, ताकि किसी भी अफवाह या फेक न्यूज के कारण माहौल खराब न हो।

बैठक में भीड़ नियंत्रण, ड्रॉप गेट, यातायात व्यवस्था, विसर्जन घाटों की सुरक्षा, प्रकाश व्यवस्था और साफ-सफाई सहित अन्य तैयारियों की समीक्षा की गई। प्रशासन और पुलिस अधिकारियों ने सभी समुदायों से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि सामूहिक जिम्मेदारी और आपसी भाईचारे से ही दुगार्पूजा का पर्व शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराया जा सकता है।

ईएसआईसी नामकुम में मेडिकल कॉलेज खोलने की मांग: विधायक राजेश कच्छप ने सीएम को लिखा पत्र

बिभा संवाददाता

रांची: खिजरी विधायक सह कांग्रेस विधायक दल के उपनेता राजेश कच्छप ने नामकुम स्थित कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) अस्पताल परिसर में मेडिकल कॉलेज संचालित एवं स्थापित कराने की मांग उठाई है। इस संबंध में उन्होंने झारखंड के मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर राज्य सरकार के स्तर से केंद्र को आवश्यक पहल और अनुशंसा भेजने का आग्रह किया है।

विधायक ने पत्र में उल्लेख किया है कि नामकुम स्थित ईएसआईसी झारखंड के औद्योगिक और संगठित क्षेत्र में कार्यरत लाखों कर्मचारियों व उनके आश्रितों को स्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने वाला प्रमुख संस्थान है। समय के साथ यहां बुनियादी चिकित्सा सुविधाओं का विस्तार हुआ है, लेकिन क्षेत्र की बढ़ती आबादी, बीमित कामगारों की तादाद और उच्च स्तरीय स्वास्थ्य सेवाओं की जरूरतों को देखते हुए अब यहां पूर्णकालिक मेडिकल कॉलेज की स्थापना अत्यंत आवश्यक और जनहितकारी कदम होगा।

उन्होंने कहा कि नामकुम ईएसआईसी में मेडिकल कॉलेज शुरू होने से झारखंड के मेधावी छात्र-छात्राओं को राज्य के भीतर ही चिकित्सा शिक्षा के बेहतर अवसर उपलब्ध होंगे। इसके अलावा राज्य में विशेषज्ञ चिकित्सकों और स्वास्थ्यकर्मियों की कमी दूर होगी, जिसका सीधा लाभ आम जनता को उन्नत उपचार के रूप में मिलेगा।

राजेश कच्छप ने मुख्यमंत्री से मांग की है कि राज्य सरकार भारत सरकार के श्रम एवं रोजगार मंत्रालय तथा कर्मचारी राज्य बीमा निगम के शीर्ष अधिकारियों से उच्च स्तरीय समन्वय स्थापित करे। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि राज्य सरकार की सकारात्मक पहल से नामकुम में मेडिकल कॉलेज की स्थापना झारखंड की स्वास्थ्य सेवाओं और चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में मील का पत्थर साबित होगी।

संक्षिप्त खबरें

सोमनाथ मंदिर की थीम पर सजेगा महादेव धाम का दुर्गा पूजा पंडाल

रांची(बिभा) : श्री स्वर्णकार दुर्गा पूजा समिति, इक्कीसो महादेव धाम, केतारी बगान, चुटिया के तत्वावधान में इस वर्ष दुर्गा पूजा महोत्सव को भव्य और आकर्षक बनाने की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। समिति के अध्यक्ष संतोष कुमार सोनी ने बताया कि इस वर्ष पूजा पंडाल को गुजरात के प्रसिद्ध सोमनाथ मंदिर की थीम पर तैयार किया जा रहा है। पंडाल का निर्माण बंगाल के कारीगरों द्वारा किया जा रहा है, जो श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र होगा। संतोष कुमार सोनी ने कहा कि पंडाल को इस तरह तैयार किया जा रहा है कि राजधानीवासियों को धार्मिक आस्था के साथ शांत और सुखद वातावरण का अनुभव मिल सके। उन्होंने बताया कि दुर्गा पूजा के अवसर पर सप्तमी से विजयादशमी तक प्रतिदिन अलग-अलग सांस्कृतिक और धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। पूजा के सभी दिनों में श्रद्धालुओं के बीच लगातार प्रसाद का वितरण भी किया जाएगा।उन्होंने बताया कि सप्तमी के दिन शाम 6 बजे से रात 11 बजे तक डांडिया कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इसमें महिलाओं और पुरुषों के लिए अलग-अलग व्यवस्था की गई है। अष्टमी के दिन मंगला आरती का आयोजन होगा, जिसमें सैकड़ों महिलाएं सामूहिक रूप से मंगला आरती के गीत प्रस्तुत करेंगी। नवमी के दिन भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा। इसके साथ ही बच्चों के लिए डांस प्रतियोगिता भी होगी। वहीं विजयादशमी के दिन गंगा आरती का आयोजन किया जाएगा। इसके बाद एकादशी को महादेव के विसर्जन का कार्यक्रम आयोजित होगा। पूजा समिति के अध्यक्ष संतोष कुमार सोनी ने बताया कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर भी विशेष इंतजाम किए गए हैं। पूरे पूजा परिसर और आसपास के इलाके को सीसीटीवी कैमरों से लैस किया गया है, ताकि पूजा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था पर लगातार नजर रखी जा सके। संतोष कुमार सोनी ने राजधानीवासियों से इक्कीसो महादेव धाम में आयोजित दुर्गा पूजा महोत्सव में पहुंचकर मां दुर्गा का दर्शन करने की अपील की। उन्होंने मां दुर्गा से सभी के सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। उन्होंने कहा कि समिति की ओर से पूजा को भव्य, व्यवस्थित और श्रद्धालुओं के लिए सुविधाजनक बनाने की तैयारियां की जा रही हैं। आयोजन को सफल बनाने में समिति के सभी सदस्यों का लगातार सहयोग मिल रहा है।

अस्मिता राज्य वुशु चैंपियनशिप 25 से

रॉंची(बिभा): भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय द्वारा समर्थित 'अस्मिता' कार्यक्रम के अंतर्गत झारखंड वुशु एसोसिएशन की ओर से राज्य स्तरीय महिला वुशु चैंपियनशिप का आयोजन 25 से 30 नवंबर 2026 तक किया जाएगा। यह छह दिवसीय प्रतियोगिता होटवार स्थित मेगा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के ठाकुर विश्वनाथ शाहदेव इंडोर स्टेडियम में संपन्न होगी। अभियान का मुख्य उद्देश्य खेलों में बालिकाओं व महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना, जमीनी स्तर पर प्रतिभाओं को तराशना और वुशु मार्शल आर्ट के जरिए उनमें आत्मरक्षा, अनुशासन और आत्मविश्वास विकसित करना है। राज्य स्तरीय चैंपियनशिप में सभी मान्यता प्राप्त जिला वुशु एसोसिएशनों से सब-जूनियर, जूनियर और सीनियर वर्ग में 6-6 खिलाड़ी, यानी कुल 18 महिला खिलाड़ियों की सहभागिता सुनिश्चित करने को कहा गया है। प्रतियोगिता में भाग लेने वाली सभी महिला खिलाड़ियों के लिए पंजीकरण, आवास और भोजन की पूरी व्यवस्था एसोसिएशन द्वारा निःशुल्क की जाएगी। इसके अलावा प्रत्येक जिले से एक अधिकृत तकनीकी पदाधिकारी और एक वालंटियर भी शामिल होंगे। राज्य प्रतियोगिता से पूर्व झारखंड वुशु एसोसिएशन ने सभी जिला इकाइयों को अपने-अपने जिलों में एक दिवसीय वुशु प्रतियोगिता और जागरूकता अभियान आयोजित करने का निर्देश दिया है, ताकि अधिक से अधिक बालिकाओं को इस खेल से जोड़ा जा सके। एसोसिएशन के सचिव शैलेन्द्र दुबे ने वुशु एसोसिएशन ऑफ इंडिया का आभार जताते हुए कहा कि सभी जिलों के परस्पर सहयोग से इस अभियान को महिला सशक्तीकरण का सशक्त माध्यम बनाया जाएगा।

रांची में 1.86 लाख पेंशन लाभुकों के खाते में पहुंची सितंबर की राशि, 18.66 करोड़ का भुगतान

रांची(बिभा)। जिला में सर्वजन पेंशन योजना के तहत सितंबर महीने की पेंशन राशि का भुगतान कर दिया गया है। जिला प्रशासन के अनुसार, प्रथम चरण में जिले के एक लाख 86 हजार 669 पेंशन लाभुकों के बैंक खातों में डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के माध्यम से एक-एक हजार रुपये की राशि भेजी गई है। इसके तहत कुल 18 करोड़ 66 लाख 69 हजार रुपये का भुगतान किया गया है। उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री के निर्देश पर लाभुकों के खातों में पेंशन की राशि हस्तांतरित की गई। जिला में सितंबर महीने के लिए मुख्यमंत्री राज्य वृद्धावस्था पेंशन योजना के तहत सबसे अधिक एक लाख 85 हजार 894 लाभुकों को पेंशन दी गई है। वहीं, मुख्यमंत्री राज्य आदिम जनजाति पेंशन योजना के 318 लाभुकों, मुख्यमंत्री राज्य एचआईवी /एडस पीड़ित व्यक्ति सहायतार्थ पेंशन योजना के 454 लाभुकों और मुख्यमंत्री राज्य सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के तहत तीन ट्रांसजेंडर लाभुकों के खातों में भी पेंशन की राशि भेजी गई है। प्रशासन के मुताबिक, पेंशन राशि सीधे लाभुकों के बैंक खाते में डीबीटी के जरिए भेजी गई है। इससे लाभुकों को पेंशन की राशि प्राप्त करने के लिए किसी कार्यालय या अन्य माध्यम पर निर्भर नहीं होना पड़ेगा। सितंबर महीने की राशि के भुगतान के बाद अब उन लाभुकों पर प्रशासन का फोकस है, जिनके खातों में पेंशन की राशि नहीं पहुंच सकी है।

जनजातीय अधिकारों की रक्षा के साथ समस्याओं का हो त्वरित समाधान : डॉ. आशा लकड़ा

बिभा संवाददाता

बेड़ो। राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग नेक्स्ट भारत सरकार की सदस्य डॉ. आशा लकड़ा ने सोमवार को बेड़ो प्रखंड कार्यालय में आयोजित प्रखंड स्तरीय जनजातीय संवाद कार्यक्रम में जनजातीय समाज की समस्याएं सुनीं। जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों एवं ग्रामीणों ने भूमि विवाद, जनजातीय भूमि हस्तांतरण, सीएनटी एक्ट, शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, आंगनबाड़ी सहित विभिन्न समस्याओं को उनके समक्ष रखा।

डॉ. आशा लकड़ा ने कहा कि जनजातीय समाज की समस्याओं का केवल सुनना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनका समयबद्ध, त्वरित एवं विधिसम्मत समाधान सुनिश्चित किया जाना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को जनजातीय भूमि से जुड़े मामलों की नियमानुसार जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। ग्रामीणों ने विद्यालयों में शिक्षकों की कमी, स्वास्थ्य सुविधाओं, सड़क एवं अन्य मूलभूत समस्याओं से भी अवगत कराया। वहीं सरना एवं मसना स्थलों के निर्माण और संरक्षण से संबंधित मामले भी उठाए गए। डॉ. लकड़ा ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनजातीय समाज की संस्कृति, परंपरा और अधिकारों से जुड़े मामलों को गंभीरता से लेते हुए समस्याओं का समाधान किया जाएगा।

संवाद कार्यक्रम के बाद डॉ. आशा लकड़ा ने जेसोवा पब्लिक लाइब्रेरी, बेड़ो का निरीक्षण किया। उन्होंने पुस्तकालय में उपलब्ध पुस्तकों एवं सुविधाओं की जानकारी ली और ग्रामीण क्षेत्र में पुस्तकालय की पहल की सराहना की। कार्यक्रम में प्रखंड प्रमुख विनीता कच्छप, अंचल अधिकारी राजकुंवर सिंह, थाना प्रभारी कफील अहमद, मुखिया शुसांति भगत, लक्ष्मी खोया, जतरू उरांव सहित अन्य जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

टाटा मोटर्स के एचवीटीएल में हुआ अध्यक्ष व महामंत्री का स्वागत

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर : टाटा मोटर्स के एचवीटीएल में टाटा मोटर्स वर्कर्स यूनियन के अध्यक्ष शशि भूषण प्रसाद एवं महामंत्री आरके सिंह का गर्मजोशी से स्वागत किया गया। कार्यक्रम में भारी संख्या में कर्मचारियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम के दौरान अध्यक्ष शशि भूषण प्रसाद, महामंत्री आरके सिंह, हिट ट्रिटमेंट के जीएम पीके सिंहा , गेयर बॉक्स एसेंबली के डीजीएम आशुतोष त्रिपाठी, पीपीसी एंड डिस्पैच ट्रांसमिशन के डीजीएम सुनील जायसवाल, ईआर के वरीय प्रबंधक अमित झा आदि को अंगवस्त्र एवं फूलों का गुलदस्ता भेंटकर स्वागत किया गया।

अध्यक्ष शशि भूषण प्रसाद एवं महामंत्री आरके सिंह संयुक्त रूप से कर्मचारियों के प्रति आभार जताते हुए अच्छे बोनस एवं नये नियोजन का रास्ता साफ होने का श्रेय मजदूरों को दिया। महामंत्री आरके सिंह ने कहा कि जब आप मजदूर साथी स्वागत में माला पहनाते हैं तो जिम्मेदारी और भी बढ़ जाता है। नतीजा मजदूर हित में अच्छे फैसले लेने के लिए बाध्य होना पड़ता है।

कार्यक्रम का संचालन बीके शर्मा एवं संतोष कुमार ने किया। जबकि धन्यवाद ज्ञापन अमित कुमार ने किया।

बारीडीह में 9 अक्टूबर को होगा करम मिलन समारोह

40 से 50 खोड़हा नृत्य दल होंगे शामिल, हजारों लोगों के जुटने की संभावना

बिभा संवाददाता

बेड़ो। बारीडीह जतराटांड़ में सोमवार को पाड़हा संचालन समिति ट्रस्ट की बैठक अध्यक्ष सह पाड़हा संरक्षक नीलमनी भगत की अध्यक्षता में हुई। बैठक में 12 पाड़हा राजा विशाल उरांव एवं 21 पाड़हा राजा महादेव कुजूर सहित समिति के पदाधिकारी मौजूद रहे।

बैठक में निर्णय लिया गया कि प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी 9 अक्टूबर 2026, शुक्रवार को सुबह 11 बजे बारीडीह पाड़हा जतरा मैदान में करम मिलन समारोह का आयोजन किया जाएगा। समारोह में आदिवासी परंपरा के अनुसार करीब 40 से 50 खोड़हा नृत्य दलों के शामिल होने की संभावना है। रांची, गुमला, लोहरदगा, खूंटी, सिमडेगा सहित अन्य राज्यों से भी नृत्य दलों के पहुंचने की संभावना है। कार्यक्रम में हजारों लोगों के शामिल होने की उम्मीद है। विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए आयोजन समिति की ओर से प्रशासन को लिखित आवेदन दिया गया है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पुलिस उपाधीक्षक दीपक कुमार होंगे। विशिष्ट अतिथियों में बीडीओ बेड़ो, सीओ बेड़ो एवं थाना प्रभारी बेड़ो शामिल होंगे।

समिति ने सभी पाड़हा एवं पाड़हा प्रेमियों से समारोह में शामिल होने की अपील की है। बैठक में प्रो. सोमरा उरांव, भौआ उरांव, गैना उरांव, जुगेश उरांव, प्रवक्ता सह मीडिया प्रभारी चरवा उरांव, धनंजय कुमार राय, सुका उरांव, पीटर तिर्की, कोटवार सोमरा उरांव, दीवान बिरूवा खेस, डहरु उरांव, कोटवार मंगरु मुंडा, सरियन बारला, सुका महतो, महादेव उरांव, शिवा मुंडा, मंगरा उरांव, हालु उरांव, खुशी उरांव एवं बिरसा उरांव सहित अन्य उपस्थित थे।

एसआईआर को लेकर पोटका प्रखंड मुख्यालय में संजीव सरदार ने सुनी जनता की समस्याएं

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर/पोटका : एसआईआर को लेकर पोटका प्रखंड मुख्यालय में पोटका विधायक संजीव सरदार पहुंचे और क्षेत्र के ग्रामीणों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। ग्रामीणों ने विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया के दौरान नाम कटने की आशंका, नोटिस मिलने तथा आवश्यक दस्तावेजों से जुड़ी विभिन्न परेशानियों से विधायक को अवगत कराया। विधायक ने लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और संबंधित अधिकारियों से बातचीत कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

ग्रामीणों ने बताया कि विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया में दस्तावेजों से संबंधित कई तरह की दिक्कतें सामने आ रही हैं। कई लोगों को नोटिस मिलने तथा मतदाता सूची में नाम को लेकर परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस पर विधायक संजीव सरदार ने कहा कि एसआईआर के नाम पर आम जनता को अनावश्यक परेशानी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए प्रक्रिया को सरल और पारदर्शी तरीके से आगे बढ़ाने की जरूरत है, ताकि किसी भी पात्र व्यक्ति को परेशानी न हो।

संजीव सरदार ने कहा कि चुनाव आयोग एक संवैधानिक संस्था है और उससे निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से लोकतांत्रिक प्रक्रिया को मजबूत करने की अपेक्षा की जाती है। उन्होंने केंद्र सरकार और चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि मतदाता सूची से नाम हटाने, दस्तावेजों तथा जातिगत जनगणना से जुड़ी प्रक्रियाओं को लेकर जनता के बीच कई तरह की असुविधाएं सामने आ रही हैं। विधायक ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि संवैधानिक संस्थाओं को किसी सरकार के पक्ष में नहीं, बल्कि संविधान और जनता के हित में निष्पक्ष होकर काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि जनता के अधिकार और मताधिकार से किसी तरह का समझौता नहीं होना चाहिए।

विधायक ने पार्टी कार्यकताओं और स्थानीय जनप्रतिनिधियों से कहा कि वे एसआईआर को लेकर गांव-गांव में लोगों के संपर्क में रहें और जिन ग्रामीणों को नोटिस या दस्तावेजों से संबंधित परेशानी हो रही है, उनकी मदद करें। उन्होंने कहा कि लोगों को सही जानकारी उपलब्ध कराने के साथ संबंधित अधिकारियों तक उनकी समस्याएं पहुंचाई जाएं, ताकि समय रहते उनका समाधान हो सके। संजीव सरदार ने आश्वस्त किया कि जनता के अधिकारों और मताधिकार की रक्षा के लिए हर स्तर पर आवाज उठाई जाएगी तथा विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) से उत्पन्न समस्याओं के समाधान के लिए आवश्यक पहल जारी रहेगी।

मोरहाबादी मैदान में 29 अक्टूबर से सजेगा 'जेसोवा दिवाली मेला-2026', पोस्टर व ब्रोशर का हुआ विमोचन

बिभा संवाददाता

रांची: झारखंड आईएएस ऑफिसर्स वाइव्स एसोसिएशन (जेसोवा) की ओर से राजधानी के मोरहाबादी मैदान में इस वर्ष भी पांच दिवसीय 'जेसोवा दिवाली मेला-2026' का आयोजन किया जाएगा। मेला 29 अक्टूबर से 2 नवंबर तक प्रतिदिन सुबह 11 बजे से रात 9 बजे तक आम जनता के लिए खुला रहेगा। सोमवार को आयोजित एक प्रेस वार्ता में मेले की आधिकारिक घोषणा के साथ इसके पोस्टर और ब्रोशर का विमोचन किया गया।

दीवाली मेले का प्रमुख उद्देश्य महिला उद्यमियों, स्वयं सहायता समूहों और ग्रामीण कारीगरों के उत्पादों को एक बड़ा बाजार उपलब्ध कराना है। मेले में झारखंड सहित गुजरात, राजस्थान, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, पंजाब, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल और बिहार के उद्यमी व हस्तशिल्पी अपने स्टॉल लगाएंगे। इस दौरान स्थानीय जनजातीय खानपान, पारंपरिक देशी वस्त्र, और कोहवर, सोहराय व मधुबनी पेंटिंग्स के विशेष स्टॉल मुख्य आकर्षण का केंद्र रहेंगे। इसके अतिरिक्त आगंतुकों की सुविधा के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर, सरकारी योजनाओं की जानकारी देने वाले डेस्क और मोबाइल एटीएम की व्यवस्था रहेगी। मेले में बच्चों के लिए ड्राइंग, डांस, फैंसी ड्रेस व बेबी शो जैसी प्रतियोगिताएं और प्रत्येक शाम रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

प्रेस वार्ता में जानकारी दी गई कि जेसोवा वर्ष 2000 से राज्य में सामाजिक कल्याण के कार्यों में निरंतर सक्रिय है। संस्था ग्रामीण क्षेत्रों में आंगनबाड़ी केंद्रों को आधुनिक नर्सरी स्कूल के रूप में विकसित करने, महिला स्वास्थ्य जागरूकता शिविर आयोजित करने और शिक्षा को बढ़ावा देने पर कार्य कर रही है। जेसोवा की अध्यक्ष प्रीति कुमारी की पहल पर बेड़ो, लापुंग और सिमडेगा के हेरिटेज भवन में अत्याधुनिक पुस्तकालय संचालित किए जा रहे हैं। इन पुस्तकालयों में प्रतियोगी परीक्षाओं सहित साहित्य व विज्ञान की 5000 से अधिक पुस्तकें, डिजिटल ई-संसाधन, सीसीटीवी और आधुनिक फर्नीचर की सुविधाएं मौजूद हैं। इसके अलावा संस्था द्वारा ओरमांझी में स्वास्थ्य शिविर लगाकर लगभग 700 जरूरतमंदों को निःशुल्क परामर्श व दवाइयां दी गईं तथा वृद्धाश्रमों में सामाजिक मिलन समारोह आयोजित किए गए।

विद्यार्थियों ने अपने माता-पिता को देवी स्वरूप समझकर उनकी पूजा अर्चना की

बिभा संवाददाता

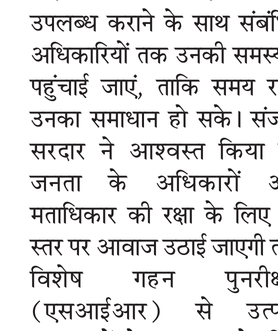

जमशेदपुर: बॉल्डविन फार्म एरिया हाई स्कूल, कदमा में कक्षा चतुर्थ एवं पंचम के विद्यार्थियों ने अपने माताओं के सम्मान भावपूर्ण मातृ पूजन समारोह का आयोजन किया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में मातृ सम्मान, कृतज्ञता और पारिवारिक मूल्यों की भावना को सुदृढ़ करना था।

समारोह के दौरान विद्यार्थियों ने अपनी माताओं को देवी स्वरूप मानकर उनका पूजन किया तथा उनके प्रति प्रेम, सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त की। यह आयोजन मां और संतान के बीच के पवित्र एवं अटूट संबंध को समर्पित था। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को यह संदेश दिया कि मां बच्चे की प्रथम शिक्षिका, मार्गदर्शक और निःस्वार्थ प्रेम एवं स्नेह का सबसे बड़ा स्त्रोत होती हैं। माताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस पहल के माध्यम से विद्यार्थियों में माता-पिता के प्रति सम्मान, कृतज्ञता, संस्कार तथा पारिवारिक मूल्यों को विकसित करने का सार्थक प्रयास किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित निदेशक (शैक्षणिक) डॉ. अशोक सिंह, प्रधानाचार्या डॉ. सुभश्री सरकार, प्रशासक सचिन कुमार तथा शैक्षणिक प्रभारी सुश्री रूबी ठाकुर उपस्थित रहे। इस मौके पर विद्यालय में विद्यार्योथियों एवं उनके माता-पिता विद्यालय के शिक्षक शिक्षिका भी शामिल थे।

विद्यार्थी तकनीक को शक्ति और विवेक को मार्गदर्शक बनाएं : राज्यपाल

रक्षा शक्ति विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में 207 विद्यार्थियों को मिली उपाधि

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड रक्षा शक्ति विश्वविद्यालय का द्वितीय दीक्षांत समारोह सोमवार को रांची विश्वविद्यालय के आर्यभट्ट सभागार में आयोजित हुआ। समारोह में राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस दौरान 207 सफल विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान की गई, जबकि विभिन्न संकायों में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने वाले पांच मेधावी विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल से सम्मानित किया गया।

समारोह में रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ विशिष्ट अतिथि तथा उत्तर प्रदेश राज्य फॉरेंसिक विज्ञान संस्थान के निदेशक एवं सेवानिवृत्त आईपीएस जीके गोस्वामी सम्मानित अतिथि के रूप में मौजूद रहे। विश्वविद्यालय के प्रभारी कुलपति राहुल पुरवार, रजिस्ट्रार डॉ. हेमेंद्र कुमार भगत सहित शिक्षक, अधिकारी, विद्यार्थी और उनके अभिभावक भी समारोह में उपस्थित रहे।

राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि दीक्षांत समारोह केवल शैक्षणिक यात्रा का पड़ाव नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र की सेवा की नई जिम्मेदारी की शुरूआत है। उन्होंने विद्यार्थियों से तकनीक को अपनी शक्ति और विवेक को अपना मार्गदर्शक बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सुरक्षा के क्षेत्र में तकनीक का इस्तेमाल कानून, मानव गरिमा, नागरिक अधिकार और निजता का सम्मान करते हुए होना चाहिए।

राज्यपाल ने कहा कि आज सुरक्षा व्यवस्था के सामने साइबर अपराध, डिजिटल धोखाधड़ी, डेटा सुरक्षा, वित्तीय अपराध, कृत्रिम बुद्धिमत्ता के दुरुपयोग, डीपफेक, वॉयस क्लोनिंग, भ्रामक सूचनाओं और साइबर हमलों जैसी नई चुनौतियां हैं। इनसे निपटने के लिए युवाओं को तकनीकी ज्ञान के साथ वैज्ञानिक दृष्टिकोण, विश्लेषण क्षमता और निरंतर सीखने की आदत विकसित करनी होगी।

राज्यपाल ने कहा कि झारखंड के किसी जिले या क्षेत्र की पहचान साइबर अपराध से नहीं जुड़नी चाहिए। उन्होंने युवाओं से इस क्षेत्र में अपनी तकनीकी दक्षता का उपयोग करते हुए साइबर अपराध की रोकथाम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का आह्वान किया।

राज्यपाल ने विश्वविद्यालय में साइबर अपराध, अपराध मनोविज्ञान, महिला एवं बाल सुरक्षा, वित्तीय अपराध, नशीले पदार्थों की रोकथाम, आपदा प्रबंधन और आधुनिक पुलिसिंग जैसे विषयों पर समाधानपरक शोध को बढ़ावा देने की जरूरत बताई। साथ ही पुलिस प्रशासन, रक्षा संस्थानों, तकनीकी संस्थानों और उद्योग जगत के साथ अकादमिक संबंध मजबूत करने तथा विद्यार्थियों को फील्ड ट्रेनिंग, इंटर्नशिप और केस स्टडी के अधिक अवसर उपलब्ध कराने पर जोर दिया।

राज्यपाल ने कहा कि झारखंड रक्षा शक्ति विश्वविद्यालय की आधारशिला पूर्व केंद्रीय रक्षा मंत्री दिवंगत मनोहर पर्रिकर ने रखी थी। उनकी सादगी, कर्मठता और राष्ट्र सेवा की भावना विश्वविद्यालय के लिए प्रेरणास्त्रोत है। विश्वविद्यालय को सुरक्षा शिक्षा, अनुसंधान और प्रशिक्षण के क्षेत्र में अपनी पहचान और मजबूत करने की दिशा में निरंतर काम करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश ह्यविकसित भारत 2047ह्ल के लक्ष्य की ओर आगे बढ़ रहा है। सुरक्षा क्षेत्र में प्रशिक्षित युवा देश के विकास के लिए आवश्यक सुरक्षा, स्थिरता और विश्वास का वातावरण तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने विद्यार्थियों से सफलता मिलने पर विनम्र रहने और चुनौतियों के समय नैतिक मूल्यों से समझौता नहीं करने की अपील की।

रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि उनके लिए खुला आकाश है और वे जितनी ऊंची उड़ान भरना चाहें, भर सकते हैं। उन्होंने कहा कि कार्यक्षेत्र में युवाओं को नवाचार की जरूरत होगी, जिसके लिए ऊर्जा, नई सोच और कुछ अलग करने की इच्छा जरूरी है।

संजय सेठ ने युवाओं से भविष्य में कितनी भी प्रतिष्ठा हासिल करने के बावजूद ह्यराष्ट्र प्रथमह्ल की भावना बनाए रखने का आह्वान किया। उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, फॉरेंसिक साइंस, साइबर सिक्योरिटी और डिजिटल क्रांति के दौर में युवाओं से अपनी क्षमताओं का उपयोग राष्ट्र निर्माण में करने की अपील की। साथ ही कार्य में पारदर्शिता बनाए रखने, भ्रष्टाचार से दूर रहने और नशा मुक्त भारत अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया।

झारखंड प्रदेश शौंडिक समाज का भव्य डांडिया उत्सव 13 अक्टूबर को

बिभा संवाददाता

रांची: झारखंड प्रदेश शौंडिक (सुड़ी) समाज के तत्वावधान में सामाजिक एकता, पारिवारिक आत्मीयता और सांस्कृतिक उल्लास को बढ़ावा देने के लिए आगामी 13 अक्टूबर को भव्य 'डांडिया उत्सव-2026' का आयोजन किया जाएगा। यह गरिमामय कार्यक्रम कमड़े स्थित अशोक वाटिका बैंक्वेट हॉल में संध्या 6:00 बजे से आयोजित होगा।

समाज के महासचिव योगेंद्र प्रसाद ने बताया कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य समाज के परिवारों को एक मंच पर लाना, नई पीढ़ी को अपनी समृद्ध सामाजिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं से जोड़ना तथा सपरिवार उत्सव का आनंद साझा करना है। उन्होंने कहा कि डांडिया उत्सव केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता, पारिवारिक सहभागिता और आपसी भाईचारे को प्रगाढ़ करने का सशक्त अवसर है।

कार्यक्रम के प्रमुख आकर्षणों में लाइव ऑर्केस्ट्रा, डांडिया व गरबा नृत्य, रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और स्वादिष्ट अल्पाहार व रात्रिभोज शामिल रहेंगे। इसमें बच्चे, युवा और बुजुर्ग सभी आयु वर्ग के लोगों के लिए विशेष और सुरुचिपूर्ण पारिवारिक माहौल तैयार किया गया है। आयोजन में सहभागिता के लिए प्रति व्यक्ति 500 रुपये प्रवेश शुल्क निर्धारित किया गया है, जिसमें अल्पाहार व रात्रिभोज की व्यवस्था शामिल है। वहीं 5 वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए प्रवेश पूर्णतः निःशुल्क रहेगा। कार्यक्रम में शामिल होने के लिए अग्रिम पंजीकरण कराकर प्रवेश कूपन प्राप्त करना अनिवार्य होगा। सुरक्षा और सुगम व्यवस्था को देखते हुए प्रवेश के समय पहचान पत्र के रूप में पहचान दस्तावेज साथ रखने का अनुरोध किया गया है।

संक्षिप्त खबरें

एक्सपो उत्सव में स्वामी सहजानंद ब्रिजफोर्ड स्कूल के बच्चों ने सामूहिक हनुमान चालीसा का किया पाठ

रांची(बिभा): युवा सामाजिक एवं व्यापारिक संगठन जूनियर चैंबर इंटरनेशनल के बहुप्रतीक्षित 29वें 'एक्सपो उत्सव 2026' का भव्य शुभारंभ हो गया है, जो 7 अक्टूबर तक चलेगा। चीफ कोऑर्डिनेटर जेसी प्रशांत पाटोदिया ने बताया कि सात दिवसीय मेले में देश भर से आए बड़े ब्रांड्स, ऑटोमोबाइल, स्टार्टअप्स और ड्राई फ्रूट्स के 400 वातानुकूलित स्टॉल लगाए गए हैं। महिला उद्यमियों के लिए खास 'पिंक हैंगर' और बच्चों के मनोरंजन के लिए एम्यूजमेंट पार्क तैयार किया गया है। परिसर में अपोलो क्लिनिक द्वारा दो दिवसीय निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। सोमवार को स्वामी सहजानंद ब्रिजफोर्ड स्कूल के 100 बच्चों ने सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ किया, जिसे उपस्थित दर्शकों ने खूब सराहा। मौके पर पहुंचे सिटी डीएसपी के.वी. रमन ने मेले का भ्रमण कर युवाओं के इस प्रयास की प्रशंसा की। इसके अलावा 140 प्रतिभागियों के साथ योगा प्रतियोगिता और 23 मॉडल्स के साथ आकर्षक बुटिक्स एक्सपो फैशन शो का आयोजन हुआ। मंगलवार को विशेष भजन जैमिंग होगी। पंचरत्न स्काईलाइन इस आयोजन के मुख्य प्रायोजक हैं। जेसीआई अध्यक्ष अभिषेक जैन, सचिव साकेत अग्रवाल और मीडिया प्रभारी वरुण जालान सहित पूरी टीम मेले के संचालन में सक्रिय है।

झारखंड के 36 नगर निकायों के 2 हजार राजस्व आउटसोर्स कर्मियों ने मुख्यमंत्री से लगाई गुहार

रांची (बिभा): रांची के मोराबादी मैदान में झारखंड के 36 नगर निकायों में पिछले 10 से 12 वर्षों से कार्यरत करीब 2 हजार राजस्व आउटसोर्स कर्मचारियों ने महाजुटान किया टैक्स कलेक्टर, टीम लिडर समेत कर्मियों ने रोजगार और सेवा सुरक्षा की मांग को लेकर सरकार के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद की कर्मचारियों का कहना है कि नगर विकास एवं आवास विभाग के आदेश के बाद होल्डिंग टैक्स ट्रेड लाइसेंस और वाटर चार्ज की वसूली का काम अब एजेंसियों की जगह सीधे नगर निकाय स्तर से कराया जाएगा कर्मचारियों का आरोप है कि एजेंसी बदलती रही लेकिन पिछले 12 वर्षों से काम करने वाले कर्मचारी वही रहे। अब काम जारी रहने के बावजूद उन्हें रोजगार से बाहर कर दिया गया है कर्मचारियों ने सरकार से मांग की है कि उनके लंबे अनुभव और निकायों के स्थानीय एवं तकनीकी ज्ञान को देखते हुए उन्हें सीधे नगर निकायों में समायोजित किया जाए साथ ही जब तक स्थायी समाधान नहीं निकलता, तब तक दैनिक या अनुबंध के आधार पर उन्हें तत्काल काम पर वापस लेने की मांग की गई है कर्मचारियों ने मुख्यमंत्री से मामले में व्यक्तिगत हस्तक्षेप करते हुए सैकड़ों स्थानीय परिवारों की आजीविका बचाने की गुहार लगाई है।

सिर्फ कदम बढ़ाने की जरूरत, 2029 में झारखंड फतह से कोई नहीं रोक सकता : गजेंद्र सिंह पटेल

बिभा संवाददाता

रांची। भाजपा के झारखंड प्रभारी गजेंद्र सिंह पटेल ने कहा कि सिर्फ कदम बढ़ाने की जरूरत है, 2029 में झारखंड फतह करने से हम सबों को कोई रोक नहीं सकता है। उन्होंने कार्यकताओं से आह्वान करते हुए कहा कि यह राज्य हमारे लिए महत्वपूर्ण है, इसलिए यहां के कार्यकताओं को जो दायित्व और जिम्मेवारी मिली है, उसका उन्हें ईमानदारी से निर्वहन करना है।

भाजपा राष्ट्रीय महामंत्री सह प्रदेश प्रभारी गजेंद्र सिंह पटेल पार्टी कार्यालय में सोमवार को आयोजित अभिनंदन समारोह सह प्रदेश पदाधिकारी बैठक एवं सेवा संकल्प अभियान की प्रदेश स्तरीय बैठक को सम्बोधित कर रहे थे।

प्रदेश प्रभारी पटेल ने कार्यकताओं में जोश भरते हुए कहा कि जब हमने दृढ़ संकल्प लेकर पश्चिम बंगाल जीत लिया, दिल्ली पर फतह हासिल कर ली तो झारखंड में तो हम पहले कई बार सरकार बना चुके हैं फिर यह प्रदेश हम क्यों नहीं जीत सकते हैं। हम सबों को मिलकर झारखंड को गढ़ना है और इसकी दशा एवं दिशा बदलनी है। 2029 में हर हाल में झारखंड फतह करना है, इसी संकल्प के साथ हमें काम करना है।

उन्होंने कहा कि हम अपनी पार्टी की खूबियां और कमियों की ईमानदारी से समीक्षा करेंगे। हम केवल राजधानी मुख्यालय में नहीं बल्कि जिला, विधानसभा से लेकर जरूरत पड़ी तो मंडल स्तर सकारात्मक दृष्टि के साथ काम करेंगे।

उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकताओं के आधार और विचारधारा पर खड़ी है। सेवा ज्योति संकल्प यात्रा आने वाले समय में प्रेरणा देने वाला कार्यक्रम है, अतः इस कार्यक्रम को पूरे मनोयोग से और अच्छे से करना है।

उन्होंने कार्यकताओं को आश्वस्त किया कि वे उनके लिए हमेशा उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा कि आप लोगों के पास कोई सुझाव हो तो आप बेहिचक हमसे या सह-प्रभारी से साझा कर सकते हैं। सब कुछ झारखंड के कार्यकताओं को ही करना है, हम सभी केवल रास्ता बनाएंगे। हम आपके साथ मिलकर सहयोगी के रूप में काम करने आये हैं। हम नीचे स्तर पर जाकर काम करेंगे और परिणाम देने का काम करेंगे। अगर भाजपा के कार्यकर्ता किसी चीज को पाने का ठान ले तो कुछ भी असंभव नहीं है। इसका उदाहरण पश्चिम बंगाल, उड़ीसा और नई दिल्ली में सरकार बना कर कार्यकताओं ने साबित किया है।

प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने समारोह को सम्बोधित करते हुए कहा कि प्रदेश प्रभारियों ने अपने कामकाज की शुरूआत झारखंड के वीर सपूत बिरसा मुंडा की जन्मस्थली में जाकर इस पवित्र मिट्टी को नमन कर की, इसकी जितनी तारीफ की जाए कम है।

मौके पर संगठन महामंत्री पवन साय ने कहा कि संगठन का काम कई प्रक्रिया के रूप में हमेशा चलती रहती है। यह संगठन विस्तार की एक प्रक्रिया है। उसी निमित अभी कई कार्यक्रम चल रहा है।

उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यकताओं को सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ समाज मे जाना चाहिये और काम करना चाहिए। साय ने पार्टी कार्यकताओं से संगठन को मजबूत और चुनाव जीतने के मंत्र के रूप में बूथ मजबूत करने पर जोर दिया। कहा कि अगर आपका बूथ मजबूत होगा तभी आप चुनाव जीत पाएंगे।

कार्यक्रम में निवर्तमान संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्ष सार्वजनिक जीवन पूरे होने के उपलक्ष्य में अनेक कार्यक्रम आयोजित किये गए हैं। इन सभी कार्यक्रमों के माध्यम से जनता से जोड़ने काम किया गया। उन्होंने आगामी कार्यक्रमों की भी विस्तृत जानकारी दी और उसे भव्य रुप से मनाने का निर्देश दिया।

इस दौरान निवर्तमान संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह को विदाई देते हुए भाजपा नेताओं ने उन्हें उनके नए दायित्व और उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए शुभकामना दी।

रिनपास में लैंगिक समानता, मानसिक स्वास्थ्य पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

बिभा संवाददाता

रांची : रांची स्थित जे.ई. धुंजीभॉय अकादमिक एवं अनुसंधान केंद्र, रिनपास में Gender, Mental Health and Inclusive Practices for CSOs विषय पर एक दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला सिनी झारखंड द्वारा रिनपास के तकनीकी सहयोग से आयोजित की गई, जिसमें सिविल सोसाइटी संगठनों (CSOs) के प्रतिनिधियों, रिनपास के संकाय सदस्यों, अधिकारियों, विद्यार्थियों और शोधार्थियों ने भाग लिया।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य सामाजिक कार्यकताओं और संगठनों को लैंगिक समानता, सामाजिक समावेशन, मानसिक स्वास्थ्य और मनोसामाजिक कल्याण के अंतसंबंधों से अवगत कराना था। कार्यशाला में भेदभाव और सामाजिक बहिष्करण के मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों, संवेदनशील संवाद, सहमति, गोपनीयता तथा उचित रेफरल व फॉलो-अप की कार्यप्रणाली पर विस्तृत जानकारी दी गई।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए रिनपास की निदेशक ने कहा कि वास्तविक समावेशन का अर्थ सिर्फ विभिन्न पृष्ठभूमि के लोगों को एक स्थान पर एकत्र करना नहीं है। सच्चा समावेशन तब संभव है जब हर व्यक्ति की आवाज सुनी जाए, उसके अनुभवों का सम्मान हो और उसे निर्णय लेने की प्रक्रिया में समान अवसर मिले।

उन्होंने लैंगिक समानता को रूढ़िवादिता और पूर्वाग्रहों से मुक्त वातावरण के निर्माण से जोड़ा। साथ ही उन्होंने रेखांकित किया कि सामाजिक दबाव, कलंक, हिंसा और बहिष्कार व्यक्ति के मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य पर गहरा असर डालते हैं। ऐसे में मानसिक स्वास्थ्य पर खुलकर संवाद करना और संवेदनशील सहायता तंत्र विकसित करना समय की मांग है।

निदेशक ने हाशिए पर खड़े समुदायों की आवाज को सामने लाने और उनके लिए सुरक्षित मंच तैयार करने में नागरिक समाज संगठनों की भूमिका को अत्यंत महत्वपूर्ण बताया।

प्रशिक्षण में लगभग 30 प्रतिभागियों ने सहभागिता की। संवादात्मक सत्रों, केस स्टडीज, समूह चर्चा और परिस्थितियों के व्यावहारिक अभ्यास के जरिए प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया गया। कार्यशाला के अंत में सभी प्रतिभागियों को अपने-अपने संगठनों में समावेशी कार्यप्रणालियों को लागू करने के लिए 30-दिवसीय व्यावहारिक कार्ययोजना तैयार करने हेतु प्रेरित किया गया।

आईसीएआर-निसा के पाँच विद्यार्थियों का प्रतिष्ठित पीएचडी में चयन, राष्ट्रीय स्तर पर चमके संस्थान के होनहार

बिभा संवाददाता

रांची: भाकृअनुप-राष्ट्रीय कृषि उच्चतर प्रसंस्करण संस्थान (आईसीएआर-निसा), नामकुम के छह स्नातकोत्तर विद्यार्थियों में से पाँच ने देश के प्रतिष्ठित डॉक्टरेट (पीएच.डी.) कार्यक्रमों में प्रवेश पाकर संस्थान का मान बढ़ाया है। सीमित संसाधनों और छोटे बैच के बावजूद संस्थान के विद्यार्थियों ने 83 प्रतिशत से अधिक सफलता दर दर्ज की है।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) की 31वीं अखिल भारतीय प्रतियोगी परीक्षा (एआईसीई-2026) में कृषि रसायन के एम.एससी. छात्र ऐशिक साधुखाँ ने ऑल इंडिया रैंक (एआईआर) 6, देबार्घ दे ने 7 तथा बी. नरेश ने 11वीं रैंक हासिल कर आईएआरआई, नई दिल्ली के पीएच.डी. कार्यक्रम में स्थान बनाया। वहीं प्रसंस्करण एवं खाद्य अभियांत्रिकी के एम.टेक. छात्र सतीश कुमार गहरवारिया ने 7वीं रैंक हासिल कर सीआईएई भोपाल तथा फहमीदा ने एनआईटी राउरकेला के पीएच.डी. कार्यक्रम में प्रवेश प्राप्त किया।

संस्थान के निदेशक डॉ. अभिजीत कर ने सफल विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत और संकाय सदस्यों के समर्पित मार्गदर्शन की सराहना करते हुए सभी के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि दशार्ती है कि व्यक्तिगत मेंटरशिप और व्यावहारिक शोध से राज्य में भी उच्च गुणवत्ता वाले वैज्ञानिक तैयार किए जा सकते हैं।

राँची मंडल के तहत विभिन्न परिसंपत्तियों के लिए ई–नीलामी सूचना

सं. सी/आरएनसी/ई–ऑक्शन /2026 **दिनांक: 01.10.2026**

भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, दक्षिण पूर्व रेलवे, राँची ने राँची मंडल के तहत ई–नीलामी आमंत्रित किया है। कैटलॉग आईआरईपीएस वेबसाइट पर पहले ही प्रकाशित किया जा चुका है। विवरण इस प्रकार हैं: **क्रम सं., कैटेगरी, कैटलॉग सं., परिसंपत्तियों का विवरण, नीलामी शुरू, नीलामी बंद होने की तिथि निम्नानुसार हैं: (1),** पे एंड यूज–(लाउंजेस/वेटिंग/रिटायरिंग/क्लॉक रूम), **आरएनसीएसीडब्ल्यूएल3,** मुरी, रामनगर कैंटोनमेंट, लोहरदगा और झालिदा स्टेशनों के प्लेटफॉर्म नं. 1 पर मल्टीपरपज स्टॉल और एक टूरिस्ट कियोस्क सहित आधुनिक सुख–सुविधाओं के साथ एसी वेटिंग रूम के उन्नयन, रखरखाव एवं निगरानी हेतु अनुबंध, नीलामी शुरू: 09.10.2026 को 10.15 बजे, नीलामी बंद: 09.10.2026 को 11.15 बजे। **(2),** डिजिलॉकर (एमआईएससी स्टैटिक्स), **आरएनसीडिजिलॉकर7,** रांची मंडल के हटिया रेलवे स्टेशन (एचटीई) में डिजिटल लगेज लॉकर की स्थापना, परिचालन एवं रखरखाव हेतु ई–नीलामी, नीलामी शुरू:12.10.2026 को 11.00 बजे, नीलामी बंद: 12.10.2026 को 11.30 बजे। **(3),** कैटरिंग, **आरएनसीसीटीजी47,** लघु अवधि के लिए रांची रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नं. 1 पर स्थित 01 स्पेशल माइनर स्पेशल माइनर यूनिट (एसएमयू/एससी) – फ्रूट एवं फ्रूट जूस स्टॉल नं. 02 (साइज: 10 फीट X 6 फुट= 60 वर्ग फुट) हेतु ई–नीलामी (स्केच संलग्न), नीलामी शुरू: 09.10.2026 को 10.00 बजे, नीलामी बंद: 09.10.2026 को 10.30 बजे। **(4),** एमपीएस, **आरएनसीएमपीएस38,** लघु अवधि के लिए रांची स्टेशन के प्लेटफॉर्म नं. 1 पर जनरल माइनर यूनिट (जीएमयू) कैटेगरी अर्थात मल्टी–परपज स्टॉल–03 के तहत मल्टी–परपज स्टॉल का प्रावधान, नीलामी शुरू: 09.10.2026 को 11.00 बजे, नीलामी बंद: 09.10.2026 को 11.30 बजे। **(5),** विज्ञापन, **आरएनसीएडीवीटी54,** रांची रेलवे स्टेशन के आउट ऑफ होम–4, ट्रेन एक्सटीरियर–3 के लिए वाणिज्यिक प्रचार के अनुबंधों के लिए ई–नीलामी, नीलामी शुरू: 09.10.2026 को 11.00 बजे, नीलामी बंद: 09.10.2026 को 12.30 बजे। **(6),** मेडिकल फैसिलिटी सेंटर (एमआईएससी स्टैटिक्स), **आरएनवीएमएफसी22,** रांची स्टेशन में मेडिकल फैसिलिटी सेंटर की स्थापना, परिचालन एवं रखरखाव, नीलामी शुरू: 09.10.2026 को 12.00 बजे, नीलामी बंद: 09.10.2026 को 12.30 बजे। **(7),** बैटरी ऑपरेटेड कार, **आरएनसीबीओसी31,** रांची और हटिया रेलवे स्टेशनों पर 05 वर्ष की अवधि के लिए 02 बैटरी ऑपरेटेड कारों का प्रावधान, परिचालन एवं रखरखाव, नीलामी शुरू: 13.10.2026 को 11.00 बजे, नीलामी बंद: 13.10.2026 को 11.40 बजे। **(8),** प्रमोशनल कियोस्क, **आरएनसीप्रमोशन10,** हटिया रेलवे स्टेशन में टू व्हीलर, थ्री व्हीलर और फोर व्हीलर वाहनों की ऐप आधारित सेवा की सहज उपलब्धता/बुकिंग को बढ़ावा देने हेतु प्रमोशनल कियोस्क की स्थापना, परिचालन एवं रखरखाव, नीलामी शुरू: 14.10.2026 को 11.00 बजे, नीलामी बंद: 14.10.2026 को 11.30 बजे। **(9),** पार्किंग, **आरएनसीपार्किंग58,** हटिया स्टेशन में साइकिल, मोटर साइकिल/स्कूटर, ऑटो रिक्शा और कार के पार्किंग लॉट का परिचालन एवं प्रबंधन, नीलामी शुरू: 14.10.2026 को 11.00 बजे, नीलामी बंद: 14.10.2026 को 11.30 बजे। **(10),** पार्किंग, **आरएनसीपार्किंग59,** रांची रेलवे स्टेशन के दक्षिणी भाग में साइकिल, मोटर साइकिल/स्कूटर, ऑटो, कार एवं मिनीबस/बस कोच के प्रबंधन के लिए अनुबंध, नीलामी शुरू: 15.10.2026 को 11.00 बजे, नीलामी बंद: 15.10.2026 को 11.30 बजे। **टिप्पणी:** प्रत्याशित बोलीदाताओं से अनुरोध है कि वे आईआरईपीएस वेबसाइट **(www.ireps.gov.in)** पर ई–नीलामी लीजिंग मॉड्यूल देखें। ऊपर उल्लिखित कैटलॉग के तहत लॉट वार विवरण वहाँ उपलब्ध है।

(PR-850) वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक/राँची

दक्षिण पूर्व रेलवे
मुस्कान के साथ सेवा

ऊषा मार्टिन फाउंडेशन और 26वीं वाहिनी एसएसबी की पहल, 21 महिलाओं को मिला प्रशिक्षण

स्वरोजगार से ग्रामीण महिलाएं बनेंगी आत्मनिर्भर: मानवेंद्र

बिभा संवाददाता

रांची। ग्रामीण महिलाओं को कौशल विकास के माध्यम से आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में 26वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), रांची, ऊषा मार्टिन फाउंडेशन और इटकी वेल्फेयर फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित आठ दिवसीय मिलेट्स (श्रीअन्न) प्रशिक्षण कार्यक्रम सोमवार को संपन्न हुआ। 26वीं वाहिनी परिसर में आयोजित समापन समारोह में विशेष अभियान क्षेत्रीय मुख्यालय, गया के उपमहानिरीक्षक श्री मानवेंद्र मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

मुख्य अतिथि उपमहानिरीक्षक श्री मानवेंद्र ने मिलेट्स के महत्व और महिलाओं के कौशल विकास के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों से प्राप्त ज्ञान को स्वरोजगार में बदलने तथा अन्य महिलाओं को भी इससे जोड़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि कौशल और स्वरोजगार ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के साथ उनके आत्मविश्वास को भी बढ़ाते हैं।

ऊषा मार्टिन फाउंडेशन के सीएसआर प्रमुख डॉ. मयंक मुरारी ने मिलेट्स के पोषण और स्वास्थ्य संबंधी महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि श्रीअन्न पौष्टिकता से भरपूर होने के साथ किसानों और ग्रामीण महिलाओं के लिए आर्थिक सशक्तिकरण का प्रभावी माध्यम बन सकता है। उन्होंने दैनिक आहार में मिलेट्स के अधिकाधिक उपयोग की अपील की।

कार्यक्रम के दौरान 26वीं वाहिनी के नवनिर्मित कॉन्फ्रेंस हॉल का भी उद्घाटन किया गया। मुख्य अतिथि के आगमन पर उनका पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया। इसके बाद उन्होंने कॉन्फ्रेंस हॉल का उद्घाटन किया तथा प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली महिला प्रशिक्षणार्थियों और संदीक्षा परिवार के सदस्यों से परिचय प्राप्त किया।

दीप प्रज्वलन और एसएसबी गीत के साथ कार्यक्रम की शुरूआत हुई। 26वीं वाहिनी के कमांडेंट श्री शाश्वत कुमार, आईपीएस ने स्वागत संबोधन में प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्देश्यों और उपलब्धियों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि कौशल विकास से जुड़े ऐसे कार्यक्रम ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और उन्हें स्वरोजगार से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

इस पहल के तहत कुल 21 महिलाओं को मिलेट्स से पौष्टिक और स्वादिष्ट व्यंजन तैयार करने का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। मिलेट्स प्रशिक्षक श्री तारकेश्वर पंडित ने ज्वार, बाजरा सहित विभिन्न श्रीअन्न से हलवा, खिचड़ी, समोसा और अन्य व्यंजन बनाने की विधियां सिखाईं। प्रशिक्षण पूरा करने वाली सभी 21 महिलाओं को प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। समारोह में 26वीं वाहिनी की ओर से मुख्य अतिथि को स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। द्वितीय-कमान अधिकारी ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

एसएसबी, ऊषा मार्टिन फाउंडेशन और इटकी वेल्फेयर फाउंडेशन की यह पहल पोषण, स्वास्थ्य, कौशल और स्वरोजगार को एक साथ जोड़ने का प्रयास है। इससे ग्रामीण महिलाओं को न केवल पौष्टिक आहार की जानकारी मिली है, बल्कि मिलेट्स आधारित खाद्य उत्पादों के माध्यम से भविष्य में आय अर्जित करने के नए अवसर भी मिल सकते हैं।

भयमुक्त वातावरण में व्यापार करें बोकारो के उद्यमी व व्यापारी : एसपी

बिभा संवाददाता

बोकारो। बोकारो चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रतिनिधिमंडल ने आरक्षी अधीक्षक नाथु सिंह मीणा से मुलाकात कर जिले की विधि-व्यवस्था, यातायात, पार्किंग, साइबर अपराध समेत व्यापारियों एवं उद्यमियों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की।
चैंबर अध्यक्ष मनोज चौधरी ने कहा कि व्यापारी और उद्यमी जिले की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ऐसे में व्यापारिक गतिविधियों के लिए सुरक्षित माहौल, बेहतर विधि-व्यवस्था और सुगम यातायात जरूरी है। उन्होंने व्यापारियों की समस्याओं के त्वरित समाधान और पुलिस-प्रशासन के साथ बेहतर समन्वय की अपेक्षा जताई।
महामंत्री राजकुमार जायसवाल ने साइबर अपराध से जुड़ी समस्याओं को प्रमुखता से रखा। उन्होंने बताया कि कई बार व्यापारी को सामान खरीदने वाले ग्राहक द्वारा किए गए डिजिटल भुगतान के बाद संबंधित लेन-देन किसी साइबर अपराध की जांच के दायरे में आ जाता है। ऐसे मामलों में व्यापारी का बैंक खाता फ्रीज कर दिया जाता है, जबकि उसका अपराध से कोई संबंध नहीं होता। इससे व्यापारियों को आर्थिक और मानसिक परेशानी का सामना करना पड़ता है।
उन्होंने निर्दोष व्यापारियों के खातों को लंबे समय तक फ्रीज रखने की प्रक्रिया पर संवेदनशीलता से विचार करने तथा जांच में संलिप्तता नहीं मिलने पर खाते को शीघ्र डी-फ्रीज कराने की प्रभावी व्यवस्था की मांग की।
एसपी नाथु सिंह मीणा ने व्यापारियों और उद्यमियों को आश्वस्त करते हुए कहा कि बोकारो के उद्यमी और व्यापारी भयमुक्त वातावरण में अपना कारोबार करें। उन्हें डरने की आवश्यकता नहीं है। पुलिस प्रशासन उनकी सुरक्षा और सहयोग के लिए सदैव तत्पर है। उन्होंने कहा कि विधि-व्यवस्था बनाए रखने के साथ व्यापारियों की समस्याओं का समाधान भी पुलिस की प्राथमिकता है।
एसपी ने व्यापारियों को साइबर अपराध के प्रति सतर्क रहने, डिजिटल लेन-देन में सावधानी बरतने और संदिग्ध गतिविधियों की सूचना तत्काल पुलिस को देने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि साइबर अपराध की जांच के दौरान निर्दोष लोगों को अनावश्यक परेशानी न हो, इसके लिए नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई और समन्वय किया जाएगा।
बैठक में बाजार क्षेत्रों में पुलिस गश्ती, व्यापारिक प्रतिष्ठानों की सुरक्षा, यातायात एवं पार्किंग व्यवस्था सहित अन्य मुद्दों पर भी चर्चा हुई। मौके पर डीएसपी नगर राजीव रंजन, डीएसपी मुख्यालय पवन कुमार, डीएसपी ट्रैफिक अजय कुमार, सेक्टर-4 थाना प्रभारी नीतीश कुमार, चास एवं सेक्टर-12 थाना प्रभारी समेत सिद्धार्थ पारिख, नरेंद्र सिंह, मुकेश अग्रवाल, अजय केडिया और रविशंकर प्रसाद मौजूद थे। चैंबर प्रतिनिधियों ने पुलिस प्रशासन के साथ निरंतर समन्वय बनाए रखने की बात कही।

त्योहारों पर चाक-चौबंद रहेगी बेरमो की सुरक्षा, सोशल मीडिया की अफवाहों पर होगी सख्त कार्रवाई

बिभा संवाददाता

बोकारो : बेरमो अनुमंडल कार्यालय में अनुमंडल पदाधिकारी रविंद्र कुमार सिंह की अध्यक्षता में क्राइम मीटिंग आयोजित की गई। बैठक में अनुमंडल क्षेत्र की कानून-व्यवस्था, लंबित कांडों की जांच, कार्रवाई की प्रगति और आगामी त्योहारों को शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित माहौल में संपन्न कराने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।
बैठक में पुलिस पदाधिकारियों को लंबित मामलों की जांच में तेजी लाने तथा गंभीर मामलों में प्राथमिकता के आधार पर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। साथ ही संवेदनशील क्षेत्रों को चिह्नित कर वहां विशेष निगरानी रखने पर जोर दिया गया।
आगामी त्योहारों को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था की भी समीक्षा की गई। भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों, प्रमुख चौक-चौराहों और संवेदनशील स्थानों पर पुलिस बल की तैनाती, नियमित गश्त और अतिरिक्त सतर्कता बरतने को लेकर रणनीति तैयार की गई। आवश्यकता के अनुसार सशस्त्र बल की तैनाती तथा पर्याप्त पुलिस बल उपलब्ध कराने पर भी चर्चा हुई।
अधिकारियों को सोशल मीडिया पर अफवाह और भ्रामक सूचनाओं पर नजर रखने तथा किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया।

संक्षिप्त खबरें

जैन मिलन के संस्थापक मदन लाल डागा का हुआ निधन, सामाजिक एवं व्यावसायिक जगत में शोक

बोकारो(बिभा)। बोकारो के जाने-माने व्यवसायी एवं जैन मिलन के संस्थापक सदस्य मदन लाल डागा का निधन कल देर रात्रि को हो गया। उनके निधन की खबर से जैन समाज सहित बोकारो के सामाजिक एवं व्यावसायिक जगत में शोक की लहर है। मदन लाल डागा एक प्रतिष्ठित व्यवसायी होने के साथ-साथ सामाजिक सरोकारों से जुड़े हुए व्यक्ति थे। जैन मिलन के सचिव आलोक जैन ने बताया की वे सामाजिक एवं धार्मिक कार्यों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते थे और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का सदैव निर्वहन करते रहे। आलोक ने बताया की जैन मिलन के गठन एवं सामाजिक गतिविधियों में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा। जैन मिलन के अध्यक्ष संजय बैद ने मदन लाल डागा के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा कि उनके निधन से समाज ने एक समर्पित सामाजिक कार्यकर्ता एवं मार्गदर्शक को खो दिया है। वे अपने पीछे धर्मपत्नी ,एक पुत्र और एक पुत्री को छोड़ कर गए। अमेरिका में रह रहे उनके पुत्र के आने के बाद उनका अंतिम संस्कार होगा। उनके निधन पर बिनोद चोपड़ा, सिद्धार्थ चौरड़िया,सोनू सेठ, मदन चौरडिया,सुभाष जैन, अंकित जैन, सुरेंद्र जैन, अशोक जैन, ललित भालोठिया, चंदन बांठिया, संजय बिहानी, निर्मल रामपुरिया, अशोक बांठिया, विमल रामपुरिया, डॉ महेंद्र जैन,संपत मल बैद, विपुल मेहता, प्रकाश कोठारी,सुशील बैद ,माणक छल्लाणी, अंकित चोपड़ा, अशोक तनेजा ,धर्मेंद्र जैन, अमित सिंह ,मदन जैन आदि ने गहरा शोक व्यक्त किया।

शिक्षक शंभूनाथ प्रसाद के निधन पर शिक्षा व पत्रकारिता जगत में शोक

बोकारो (बिभा)। चास प्रखंड स्थित मध्य विद्यालय गोडाबाली के शिक्षक शंभूनाथ प्रसाद (49 वर्ष) का रविवार देर रात आकस्मिक निधन हो गया। परिजन उसे सदर अस्पताल लेकर आएं। जहां चिकित्सक ने देखकर मृत्य घोषित कर दिया। उनके निधन की खबर से शिक्षा जगत और पत्रकारिता से जुड़े लोगों में शोक की लहर दौड़ गई। सहकर्मियों और शुभचिंतकों ने उनके निधन को अपूरणीय क्षति बताया। शिक्षक के रूप में सेवाएं देने से पहले शंभूनाथ प्रसाद पत्रकारिता से जुड़े रहे। शिक्षा के क्षेत्र में आने के बाद भी उनका सामाजिक सरोकारों से जुड़ाव बना रहा। सहकर्मियों के अनुसार शंभूनाथ प्रसाद नेक दिल, मिलनसार और हंसमुख स्वभाव के व्यक्ति थे। अपने सहज व्यवहार के कारण वे सहकर्मियों और परिचितों के बीच लोकप्रिय थे। उनके आकस्मिक निधन से विद्यालय परिवार ने एक समर्पित शिक्षक को खो दिया। उनके चहेतों ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की तथा शोक संतप्त परिवार के प्रति गहरी संवेदना जताई। शोक संवेदना व्यक्त करने वालों में संजीव ओझा, कृष्णा चौधरी, योगो पूर्ती, अशोक विश्वकर्मा, राजेश राज, सुजीत कुमार, रजत नाथ, अजीत कुमार,राजकुमार, आशीष सिन्हा, संजय त्यागी, अरूण कुमार सिंह, जयराम पांडेय, शैलेंद्र कुमार, गोपाल यादव, शशिभूषण, अनिल चंद्रा, राजेश कुमार, त्यागी वर्णवाल, नइमुद्दीन, गणेश केवट, अनूप गुप्ता, श्याम किशोर प्रसाद, धीरेन दास सहित अन्य शामिल हैं।

दुर्गा पूजा को लेकर चास मुफस्सिल थाना में शांति समिति की बैठक

चास (बोकारो) (बिभा)। आगामी दुर्गा पूजा को लेकर सोमवार को चास मुफस्सिल थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता सहायक पुलिस अधीक्षक, चास वेदांत शंकर ने की। बैठक में चास मुफस्सिल थाना प्रभारी प्रकाश मंडल, प्रखंड विकास पदाधिकारी चास सहित थाना क्षेत्र के गणमान्य एवं प्रबुद्ध नागरिक तथा शांति समिति के सदस्य मौजूद रहे। बैठक में पर्व के दौरान शांति एवं सौहार्दपूर्ण माहौल बनाए रखने को लेकर आवश्यक विचार-विमर्श किया गया। पुलिस प्रशासन ने सभी से आपसी सहयोग और भाईचारे के साथ पर्व मनाने की अपील की।

चेक बाउंस मामले में न्यायालय ने जारी की वारंट, आरोपी गया जेल

कसमार(बिभा): चेक बाउंस से जुड़े मामले में न्यायालय द्वारा जारी वारंट पर कसमार पुलिस ने ओरमो निवासी बासुदेव महतो को गिरफ्तार किया है. पुलिस ने रविवार को आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया. पुलिस के अनुसार, बासुदेव महतो के खिलाफ एनआई एक्ट के तहत चेक बाउंस का मामला न्यायालय में लंबित था. मामले की सुनवाई के दौरान लगातार अदालत में उपस्थित नहीं होने पर न्यायालय ने उनके खिलाफ वारंट जारी किया था. कसमार थाना प्रभारी कुंदन कुमार ने बताया कि न्यायालय से वारंट प्राप्त होने के बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए बासुदेव महतो को गिरफ्तार किया. गिरफ्तारी के बाद आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी कर उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया.

चिन्मय विद्यालय में तीन दिवसीय गीता ज्ञान यज्ञ शुरू

स्वयं का उद्धार अपने ही प्रयासों से करना जरूरी : स्वामी तेजोमयानंद

बिभा संवाददाता

बोकारो। चिन्मय विद्यालय बोकारो में सोमवार से तीन दिवसीय ह्यज्ञान-गीता-पंचामृतह्ण ज्ञान यज्ञ का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन बोकारो जिला न्यायालय के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अनिल मिश्रा एवं जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश गरिमा मिश्रा ने किया। इस अवसर पर चिन्मय मिशन रांची के प्रमुख परिपूणार्नंद सरस्वती, गोवा के प्रमुख सुघोषानंद सरस्वती और चिन्मय मिशन बोकारो की आवासीय आचार्या स्वामिनी संयुक्तानंदा सरस्वती मौजूद रहीं।
पूर्व वैश्विक प्रमुख एवं वेदांत विद्वान स्वामी तेजोमयानंद सरस्वती ने पहले दिन श्रीमद्भगवद्गीता के छठे अध्याय के पांचवें श्लोक उद्धरेदात्मनात्मानं... की व्याख्या की। उन्होंने कहा कि ईश्वर की कृपा के साथ आत्मोद्धार के लिए व्यक्ति का अपना पुरुषार्थ भी जरूरी है। मनुष्य स्वयं अपना मित्र और शत्रु है। मन को बुद्धि के नियंत्रण में रखकर श्रेष्ठ मूल्यों को अपनाने से जीवन का उत्थान संभव है।
स्वामी तेजोमयानंद ने कहा कि गुरु, शास्त्र और मंदिर का अध्यात्म में महत्वपूर्ण स्थान है, लेकिन अपने दोषों और अवगुणों को दूर करने का प्रयास व्यक्ति को स्वयं करना होगा। आत्मनिरीक्षण और श्रेष्ठ गुणों के अभ्यास से व्यक्ति अपने जीवन को ऊंचा उठा सकता है।
ज्ञान यज्ञ के दौरान भजन एवं संकीर्तन से वातावरण भक्तिमय बना रहा। इस अवसर पर स्वामी तेजोमयानंद ने विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं और शिक्षकेतर कर्मियों को भी संबोधित किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा से बड़ी कोई तपस्या नहीं है। शिक्षक बच्चों को शिक्षित करने के साथ संस्कारवान बनाने की जिम्मेदारी भी निभाते हैं। उन्होंने शिक्षकों से अपने कार्य को मूल्यवान समझकर आनंदपूर्वक दायित्व निभाने का आह्वान किया।
कार्यक्रम में चिन्मय मिशन बोकारो के अध्यक्ष बिस्वरूप मुखोपाध्याय, उपाध्यक्ष महेश त्रिपाठी, सचिव हरिहर राउत, विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य नरमेंद्र कुमार, उप प्राचार्य डॉ. रोशन शर्मा सहित शिक्षक एवं अन्य लोग उपस्थित थे।

ईस्ट जोन समूह गान प्रतियोगिता में जीजीपीएस चास को द्वितीय स्थान

बिभा संवाददाता

चास (बोकारो)। गुरु गोबिंद सिंह पब्लिक स्कूल, चास के विद्यार्थियों ने अपनी सुरमयी एवं शानदार प्रस्तुति से विद्यालय को गौरवान्वित किया। भारत विकास परिषद, पूर्वी क्षेत्र (ईस्ट जोन), आदित्य शाखा, हजारीबाग के तत्वावधान में 4 अक्टूबर 2026 को सरस्वती विद्या मंदिर, मालवीय नगर, हजारीबाग में आयोजित ईस्ट जोन क्षेत्रीय समूह गान प्रतियोगिता-2026 में जीजीपीएस चास की टीम ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।
प्रतियोगिता में विद्यालय के विद्यार्थियों ने पूरे आत्मविश्वास, अनुशासन और उत्कृष्ट सामंजस्य के साथ समूह गान प्रस्तुत किया। उनकी भावपूर्ण एवं मधुर प्रस्तुति ने निर्णायकों एवं उपस्थित दर्शकों को प्रभावित किया। विद्यार्थियों की इस उत्कृष्ट प्रस्तुति के लिए विद्यालय की टीम को द्वितीय पुरस्कार के रूप में ट्रॉफी एवं प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।
इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर जीजीईएस के अध्यक्ष तरसेम सिंह एवं सचिव एस. पी. सिंह ने विजेता टीम, मार्गदर्शक शिक्षकों एवं एस्कॉर्ट शिक्षिकाओं को हार्दिक बधाई दी। उन्होंने विद्यार्थियों की प्रतिभा, मेहनत, अनुशासन एवं टीम भावना की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

चास अंचल कार्यालय में भारी हंगामा सीओ कक्ष का दरवाजा तोड़ने का प्रयास

बिभा संवाददाता

बोकारो. चास अंचल कार्यालय में सोमवार को कुछ अज्ञात लोगों के जबरन प्रवेश कर अंचल अधिकारी से दुर्व्यवहार करने का मामला सामने आया है. अंचल अधिकारी सेवाराम साहू ने चास थाना प्रभारी को लिखित आवेदन देकर अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की मांग की है. शिकायत के साथ घटना से संबंधित सीसीटीवी फुटेज भी पुलिस को उपलब्ध कराया गया है.
अंचल अधिकारी की ओर से थाना प्रभारी को दिये गये आवेदन के अनुसार, पांच अक्तूबर को करीब 1:30 बजे कुछ अज्ञात लोग कथित रूप से जबरन उनके कार्यालय कक्ष में प्रवेश कर गये. शिकायत में आरोप लगाया गया है कि लोगों ने अंचल अधिकारी को डराया-धमकाया.
आवेदन के अनुसार, उन्हें रोकने का प्रयास करने पर आरोपियों ने कथित तौर पर धक्का-मुक्की की और आहत करने का प्रयास किया. कार्यालय में तैनात गृह रक्षक जवानों के साथ भी बकझक किये जाने का आरोप लगाया गया है.
शिकायत में अंचल अधिकारी ने आरोप लगाया है कि घटना के दौरान उनके कार्यालय कक्ष का दरवाजा तोड़ने का प्रयास भी किया गया. घटना के बाद कार्यालय परिसर में कुछ समय के लिए तनाव की स्थिति उत्पन्न होने की बात कही गयी है.
अंचल अधिकारी ने घटना की जांच और आरोपियों की पहचान के लिए कार्यालय में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज पुलिस को सौंपी है. फुटेज को शिकायत के साथ साक्ष्य के तौर पर संलग्न किया गया है.
अंचल अधिकारी ने शिकायत में आरोप लगाया है कि घटना के दौरान कार्यालय में चल रहे सरकारी कार्यों में भी बाधा डालने का प्रयास किया गया. इसमें विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) समेत अन्य सरकारी कार्य शामिल हैं.
उन्होंने थाना प्रभारी से मामले में प्राथमिकी दर्ज कर घटना की जांच करने और दोषियों के खिलाफ विधि सम्मत कार्रवाई करने का अनुरोध किया है.
मामले में पुलिस को लिखित शिकायत और सीसीटीवी फुटेज सौंपे जाने के बाद अब घटना की जांच की जानी है. आरोपों की पुष्टि जांच और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर होगी. समाचार लिखे जाने तक इस मामले में आरोपित पक्ष की प्रतिक्रिया उपलब्ध नहीं हो सकी थी.

सेल की सभी इकाइयों में बनेगा अंबेडकर भवन : एससी-एसटी इंप्लाइज फेडरेशन

बिभा संवाददाता

बोकारो। सेल एससी-एसटी इंप्लाइज फेडरेशन की छह सदस्यीय केंद्रीय कोर कमेटी ने राष्ट्रीय अध्यक्ष गौरंगो मंडल के नेतृत्व में भिलाई स्टील प्लांट प्रबंधन के साथ विभिन्न मुद्दों पर वार्ता की। बैठक में बोकारो स्टील प्लांट का प्रतिनिधित्व बोकारो यूनिट के अध्यक्ष सह केंद्रीय कमेटी सदस्य शंभु कुमार ने किया।
वार्ता के दौरान एससी-एसटी वर्ग से संबंधित अधिकारियों को तुलनात्मक रूप से निम्नतर ग्रेड दिए जाने से उनकी पदोन्नति प्रभावित होने और इसमें हो रहे विलंब का मुद्दा प्रमुखता से उठाया गया। फेडरेशन ने मामले की गंभीरता और संवेदनशीलता को देखते हुए इसकी निष्पक्ष एवं पारदर्शी समीक्षा करने की मांग की।
बैठक में सेल की सभी इकाइयों में भारत रत्न डॉ. बीआर अंबेडकर स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय के साथ स्मृति भवन के निर्माण से संबंधित कार्रवाई शीघ्र शुरू कराने पर भी चर्चा हुई। इसके अलावा आरक्षण नीति से संबंधित राष्ट्रपति के निर्देशों पर कार्यशाला आयोजित करने, छत्तीसगढ़ के प्रथम शहीद वीर नारायण सिंह की आदमकद प्रतिमा शहीद वीर नारायण सिंह जयंती स्टेडियम में स्थापित करने तथा वर्तमान एवं आगामी सीएसआर गतिविधियों में फेडरेशन की सहभागिता सुनिश्चित करने की मांग रखी गई।
फेडरेशन के पदाधिकारियों और निदेशक प्रभारी के बीच वर्ष में कम से कम दो बार बैठक आयोजित करने समेत कुल नौ मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। फेडरेशन ने सभी मुद्दों पर आवश्यक पहल और समयबद्ध कार्रवाई की मांग की।
वार्ता में भिलाई स्टील प्लांट के निदेशक प्रभारी चित्तरंजन महापात्र, अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन) पवन कुमार, महाप्रबंधक (मानव संसाधन) संजय द्विवेदी, शौमिक दे, लाइजन पदाधिकारी रोहित हरीत समेत अन्य अधिकारी मौजूद थे। वहीं केंद्रीय कोर कमेटी की ओर से किरीबुरु माइंस के उपाध्यक्ष उपेंद्र सिंकू, बर्नपुर के उपाध्यक्ष काशीनाथ मारंडी, भद्रावती के महासचिव श्रीनिवास, राउरकेला के संयुक्त महासचिव भगवान शेट्टी सहित प्रदीप मलिक एवं अन्य पदाधिकारी शामिल हुए। भिलाई स्टील प्लांट एससी-एसटी वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष कोमल प्रसाद, महासचिव विजय कुमार रात्रे और अनिल खेलवार भी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय मंच पर चमका डीपीएस चास इंटर-डीपीएस राष्ट्रीय पर्यावरण महोत्सव में तृतीय स्थान

बिभा संवाददाता

चास (बोकारो) । दिल्ली पब्लिक स्कूल, चास ने इंटर-डीपीएस राष्ट्रीय पर्यावरण महोत्सव-2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए तृतीय स्थान हासिल कर झारखंड का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया। दिल्ली पब्लिक स्कूल, ग्रेटर फरीदाबाद में दिल्ली पब्लिक स्कूल सोसाइटी के तत्वावधान में आयोजित इस महोत्सव में देश के विभिन्न राज्यों से 20 विद्यालयों ने भाग लिया। झारखंड से डीपीएस चास एकमात्र प्रतिभागी विद्यालय था।
पर्यावरण जागरूकता, सतत विकास और प्रकृति संरक्षण पर केंद्रित महोत्सव की थीम हरीतिमा थी। डीपीएस चास के विद्यार्थियों ने श्रेणी-3 के ऑनसाइट इवेंट जीवंत परिदृश्य -मूक जीवंत झाँकी में प्रभावशाली प्रस्तुति देते हुए तृतीय स्थान प्राप्त किया। विद्यार्थियों ने झाँकी के माध्यम से मानव और प्रकृति के बीच संतुलन तथा पर्यावरण संरक्षण का संदेश प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया।
प्रतियोगिता में राशि कुमारी, सारन्या शाही, वर्षा रानी (कक्षा-आठवीं) तथा कुमारी आकृति (कक्षा-सातवीं) ने भाग लिया। विद्यार्थियों का मार्गदर्शन शिक्षक-रणजीत कुमार, संजय कुमार एवं शिक्षिका-मिताली मजूमदार ने किया। इस विषय पर विद्यालय के प्रो-वाइस चेयरमैन श्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर विद्यार्थियों की यह उपलब्धि डीपीएस चास की गुणवत्तापूर्ण एवं मूल्यपरक शिक्षा का प्रमाण है। उन्होंने विद्यार्थियों और शिक्षकों के समर्पण की सराहना की।
निदेशिका-सह-प्राचार्या डॉ. मनीषा तिवारी ने कहा कि पर्यावरण शिक्षा को व्यवहार और अनुभव से जोड़ना समय की आवश्यकता है। उन्होंने विद्यार्थियों की रचनात्मक प्रस्तुति की सराहना करते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल पाठ्यक्रम का विषय नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के प्रति हमारी जिम्मेदारी है।डीपीएस चास भविष्य में भी विद्यार्थियों को राष्ट्रीय स्तर के मंच उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।
डीएस मेमोरियल सोसाइटी, चास के सचिव सुरेश अग्रवाल ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि ऐसे राष्ट्रीय मंच विद्यार्थियों में जागरूकता, आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता विकसित करते हैं। इस उपलब्धि पर डीपीएस चास परिवार ने सभी प्रतिभागी विद्यार्थियों, मार्गदर्शक शिक्षकों एवं अभिभावकों को बधाई दी।

गोमिया में तालाब में डूबने से युवक की मौत, दूसरे दिन मिला शव

बिभा संवाददाता

गोमिया. गोमिया थाना क्षेत्र के पलिहारी गुरुडीह पंचायत स्थित भगत अहरा तालाब में डूबने से गुलाब पासवान की मौत हो गयी. वह रविवार दोपहर तालाब में नहाने गया था. सोमवार को तालाब में नहाने पहुंचे लोगों ने उसका शव पानी में देखा, जिसके बाद घटना की जानकारी पुलिस को दी गयी.
जानकारी के अनुसार, गुलाब पासवान रविवार दोपहर भगत अहरा तालाब में नहाने गया था. इसी दौरान वह फिसलकर पानी में गिर गया. प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, गिरने के बाद वह उठकर बैठ गया और कुछ देर बाद फिर से नहाने लगा.
इसके बाद वहां मौजूद लोग वहां से चले गये. इसी दौरान गुलाब पासवान तालाब के गहरे पानी में चला गया और डूब गया.
सोमवार को कुछ लोग तालाब में नहाने पहुंचे. इसी दौरान उनकी नजर पानी में पड़े शव पर गयी. शव मिलने की सूचना फैलते ही घटनास्थल पर बड़ी संख्या में ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गयी.
घटना की सूचना मिलने पर गोमिया थाना पुलिस मौके पर पहुंची. पुलिस ने आवश्यक कागजी कार्रवाई पूरी करने के बाद शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए तेनुघाट अनुमंडलीय अस्पताल भेज दिया. पुलिस मामले की आवश्यक कार्रवाई में जुटी है.

माननीय मंत्री योगेन्द्र प्रसाद की अध्यक्षता में जल जीवन मिशन की समीक्षात्मक बैठक आयोजित

कार्यों में लापरवाही बरतने वाले संवेदकों पर होगी कार्रवाई: मंत्री

बिभा संवाददाता

लातेहार: झारखंड सरकार के पेयजल एवं स्वच्छता, उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग के मंत्री योगेंद्र प्रसाद की अध्यक्षता में सोमवार को बेतला नेशनल पार्क सभागार में जल जीवन मिशन के तहत संचालित जलापूर्ति योजनाओं की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में लातेहार, गढ़वा, पलामू, गुमला, लोहरदगा और सिमडेगा जिलों में चल रही योजनाओं की प्रगति का जिलावार जायजा लिया गया।
कार्यक्रम की शुरूआत में लातेहार उपायुक्त संदीप कुमार ने मंत्री का स्वागत किया।
समीक्षा के दौरान कई योजनाओं में संवेदकों द्वारा लापरवाही बरतने, धीमी प्रगति और गुणवत्ता मानकों की अनदेखी का मामला सामने आया। इस पर कड़ा रुख अपनाते हुए मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने गंभीर लापरवाही बरतने वाले संवेदकों को तत्काल नियमानुसार ब्लैकलिस्ट करने के निर्देश दिए। साथ ही जहां अनियमितताएं पाई गई हैं, वहां जांच कराकर रिपोर्ट के आधार पर संबंधित संवेदक और कार्यपालक अभियंताओं पर भी सख्त कार्रवाई करने को कहा। मंत्री ने स्पष्ट किया कि जल जीवन मिशन जैसी जनकल्याणकारी योजना में किसी भी स्तर पर कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।
मंत्री ने निर्देश दिया कि जो योजनाएं निमार्णाधीन हैं, उन्हें निर्धारित समय-सीमा के भीतर गुणवत्ता से समझौता किए बिना पूरा किया जाए। जो योजनाएं पूरी हो चुकी हैं, वहां ग्रामीणों को नियमित जलापूर्ति मिल रही है या नहीं, इसका अधिकारी नियमित स्थलीय निरीक्षण कर अनुश्रवण (मॉनिटरिंग) करें।
बैठक में विभागीय सचिव अबु इमरान ने कहा कि ग्रामीणों तक स्वच्छ, सुरक्षित और पर्याप्त पेयजल पहुंचाना विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को फील्ड में आने वाली तकनीकी और प्रशासनिक बाधाओं का तुरंत निपटारा करने का निर्देश दिया।
बैठक में पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के सचिव अबु इमरान, जेजेएम निदेशक शशि रंजन, लातेहार उपायुक्त संदीप कुमार, लातेहार डीडीसी सैय्यद रियाज अहमद, सिमडेगा डीडीसी दीपांकर चौधरी, लोहरदगा डीडीसी राज महेशवाराम, गढ़वा डीडीसी प्रेमलता मुर्मू, पलामू डीडीसी मोहम्मद शादात अनवर, रांची के अभियंता प्रमुख, मुख्य अभियंता और संबंधित जिलों के कार्यपालक अभियंता मौजूद रहे।

कांग्रेस के सदस्यता अभियान में उमड़ी भीड़, सैंकड़ों लोगों ने थामा पार्टी का हाथ

बिभा संवाददाता

केरेडारी: प्रखंड कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में सोमवार को केरेडारी पंचायत भवन में सदस्यता अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न राजनीतिक दलों से जुड़े दर्जनों लोगों ने कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण कर पार्टी का हाथ थामा, सदस्यता अभियान को लेकर कार्यकताओं में खासा उत्साह देखा गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष रविंद्र गुप्ता ने की, जबकि संचालन इंटक प्रखंड अध्यक्ष जागेश्वर साव ने किया। मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड सरकार के पूर्व कृषि मंत्री योगेंद्र साव उपस्थित रहे। कार्यकताओं को संबोधित करते हुए पूर्व मंत्री योगेंद्र साव ने केंद्र सरकार के एमएमडीआर बिल को लेकर केन्द्र की मोदी सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सदस्यता अभियान के माध्यम से संगठन को गांव-गांव तक मजबूत कर रही है। उन्होंने दावा किया कि आने वाले दिनों में एमएमडीआर बिल की वापसी की मांग को लेकर कांग्रेस के बैनर तले क्षेत्र में संचालित सभी कोल कंपनियों के विरुद्ध बड़ा आंदोलन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आंदोलन के दौरान कोयला खनन और परिवहन को पूरी तरह रोकने का प्रयास किया जाएगा। योगेंद्र साव ने भाजपा पर भी तीखा हमला बोला, उन्होंने कहा कि बड़कागांव विधानसभा क्षेत्र की जनता से एक भूल हुई है और वह भूल है कमल का फूल। उन्होंने कार्यकताओं से संगठन को मजबूत करने और जनता के मुद्दों को लेकर संघर्ष तेज करने का आह्वान किया। कार्यक्रम को प्रखंड अध्यक्ष रविंद्र गुप्ता, चंदन गुप्ता, निरंजन कुमार समेत अन्य वक्ताओं ने संबोधित किया।

सैंकड़ों लोगों ने ग्रहण की कांग्रेस की सदस्यता

कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण करने वालों में रंजीत रजक, अनीता कुमारी, खुशबू कुमारी, पुष्पा देवी, सवेदा खातून, अख्तरी खातून, मुनिया देवी, नागिया देवी, निशा खातून, निरंजन कुमार साव, अनुज कुमार, कैलाश साव, सूरज कुमार, सुनील कुमार, सुधीर माली, विनय कुमार साव, ओम प्रकाश सिंह, फैजल अंसारी, प्रहलाद गुप्ता, सुनीत महतो, महावीर पासवान, प्रदीप रजक, सिब्बल साव, उपेंद्र यादव, विजय भोक्ता समेत सैंकड़ों लोगों ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण किया। जबकि कार्यक्रम में विधानसभा प्रभारी नवीन कुमार, मंडल अध्यक्ष मकसूद आलम, महेंद्र रजक, मो. अब्बास, मोहन करमाली, महेश प्रजापति, रंजीत साव, मोहन प्रजापति समेत बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

हजारीबाग में बदलेगी ट्रैफिक व्यवस्था

हजारीबाग(बिभा): हजारीबाग में यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए ट्रैफिक पुलिस अब सख्त होने जा रही है। अब सड़क किनारे वाहन खड़ा करना वाहन मालिकों को भारी पड़ सकता है ।पहले सिर्फ चालान काटकर छोड़ दिया जाता था, लेकिन अब नई व्यवस्था के तहत गलत जगह पार्क की गई गाड़ियों को टो कर उठा लिया जाएगा !दरअसल शहर की सड़कों पर नो-पार्किंग में खड़े वाहन जाम का बड़ा कारण बनते हैं। तस्वीरों में साफ देखा जा सकता है कि किस तरह बाइक और कारें सड़क घेर कर खड़ी हैं, जिससे लोगों को आने-जाने में परेशानी होती है ।ट्रैफिक पुलिस की इस नई पहल के बाद अगर आपकी गाड़ी नो-पार्किंग जोन में या यातायात में बाधा बनते हुए मिली, तो सिर्फ चालान ही नहीं कटेगा। गाड़ी को क्रेन से उठाकर ले जाया जाएगा, और उसे छुड़ाने के लिए आपको चालान के साथ-साथ टोइंग चार्ज भी देना होगा ।पुलिस का कहना है कि इसका मकसद लोगों को परेशान करना नहीं, बल्कि सड़क पर अनुशासन लाना और ट्रैफिक को जाम-मुक्त बनाना है।
अब हजारीबाग में वाहन पार्क करने से पहले जरा सोच लीजिए... क्योंकि नियम तोड़ेंगे तो चालान भी कटेगा और गाड़ी भी टो होगी।

अग्रसेन जयंती पर रक्तदान शिविर में 29 लोगों ने किया रक्तदान

हजारीबाग(बिभा) : महाराज अग्रसेन जयंती के उपलक्ष्य में मारवाड़ी अग्रवाल समाज की ओर से आयोजित सात दिवसीय कार्यक्रम के दूसरे दिन अग्रवाल युवा मंच द्वारा अग्रसेन भवन के सभागार में एकदिवसीय रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 29 रक्तदाताओं ने रक्तदान कर मानव सेवा और सामाजिक सरोकार का संदेश दिया। रक्तदान के प्रति लोगों में खासा उत्साह देखा गया। विशेष रूप से महिलाओं की सहभागिता उल्लेखनीय रही। शिविर में अग्रवाल युवा मंच के रक्तदान प्रभारी विनीत अग्रवाल ने 60वीं बार रक्तदान किया। लगातार 60वीं बार रक्तदान कर उन्होंने समाज में नियमित रक्तदान के प्रति जागरूकता का संदेश दिया। इस अवसर पर उपस्थित समाज के वरिष्ठ पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन करते हुए उनके सेवा भाव की सराहना की। संयोजक सीए विनीत अग्रवाल ने कहा कि रक्तदान महादान है और जरूरत के समय किसी व्यक्ति का जीवन बचाने में रक्त की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। महाराज अग्रसेन जयंती के अवसर पर आयोजित रक्तदान शिविर का उद्देश्य समाज में सेवा, सहयोग और मानवता की भावना को मजबूत करना है। उन्होंने कहा कि शिविर में महिलाओं सहित समाज के सदस्यों की उत्साहपूर्ण भागीदारी सराहनीय है। कार्यक्रम के संयोजक विनीत मुनका, अभिषेक मुनका सोनू, जोनी अग्रवाल, नमित अग्रवाल, मनोज अग्रवाल चिंटू एवं अभिनव अग्रवाल ने शिविर को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

विद्या विकास समिति के प्रदेश सचिव नकुल शर्मा ने सरस्वती शिशु विद्या मंदिर का किया निरीक्षण

लोहरदगा(बिभा): सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, बड़की चाँपी में सोमवार को विद्या विकास समिति, झारखंड के प्रदेश सचिव नकुल शर्मा पहुंचे। विद्यालय परिवार द्वारा पारंपरिक स्वागत के बाद उन्होंने देवघर विभाग प्रमुख सुरेश मंडल, पलामू विभाग प्रमुख अखिलेश कुमार और सुंदरी देवी सरस्वती शिशु मंदिर के प्रधानाचार्य सुरेश चंद्र पांडे के साथ कक्षा-कक्षों व शैक्षणिक व्यवस्था का बारीकी से निरीक्षण किया। अवकाश के समय आयोजित सामान्य सभा में अतिथियों ने विद्यार्थियों के साथ राष्ट्रगीत 'वंदे मातरी' गाया। इस दौरान भैया-बहनों को संबोधित करते हुए प्रदेश सचिव ने कहा कि विद्या मंदिर केवल किताबी ज्ञान का केंद्र नहीं, बल्कि संस्कार, अनुशासन और राष्ट्रभक्ति की मजबूत आधारशिला है। इसके बाद आयोजित समीक्षा बैठक में उन्होंने आचार्यों से परिचय प्राप्त कर राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मौके पर प्रबंधकारिणी के अध्यक्ष भूषण प्रसाद, सचिव यदुनंदन तिवारी और प्रधानाचार्य मनोहर मोदी सहित सभी आचार्य उपस्थित रहे।

दुर्गा पूजा को लेकर प्रशासन अलर्ट, पंडालों में अलग प्रवेश-निकास द्वार और वोलेंटियर्स के लिए ड्रेस कोड अनिवार्य

बिभा संवाददाता

लोहरदगा। दुर्गा पूजा को शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित तरीके से संपन्न कराने को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। सोमवार को उपायुक्त संदीप कुमार मीना की अध्यक्षता में समाहरणालय सभाकक्ष में केंद्रीय दुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष, सचिव एवं सदस्यों के साथ बैठक हुई। बैठक में पूजा पंडालों में सुरक्षा, स्वच्छता, पेयजल, बिजली, चिकित्सा, अग्निशमन एवं यातायात व्यवस्था को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।
उपायुक्त ने सभी दुर्गा पूजा समितियों को पूजा पंडालों में पर्याप्त संख्या में वोलेंटियर्स की तैनाती करने का निर्देश दिया। उन्होंने वोलेंटियर्स को पहचान पत्र उपलब्ध कराने तथा निर्धारित ड्रेस कोड रखने को कहा, ताकि भीड़ के दौरान श्रद्धालुओं को आवश्यक सहायता मिल सके। सभी पंडालों में पब्लिक एड्रेस सिस्टम की व्यवस्था सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया गया। प्रतिमा विसर्जन को लेकर भी प्रशासन ने विशेष सतर्कता बरतने का निर्देश दिया है। नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी को विसर्जन स्थलों का निरीक्षण कर डेंजर जोन चिह्नित करने, पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था करने तथा सुरक्षा के लिए गोताखोरों की प्रतिनियुक्ति करने को कहा गया। वहीं पूजा के दौरान नियमित साफ-सफाई, पानी के टैंकर, चलंत शौचालय एवं डस्टबिन की व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। वहीं स्वास्थ्य विभाग को आवश्यकतानुसार पूजा पंडालों एवं चिन्हित स्थलों पर मेडिकल टीम की तैनाती करने को कहा गया। वहीं विद्युत विभाग को पंडालों में सुरक्षित एवं निर्बाध बिजली आपूर्ति के साथ विद्युत तारों और कनेक्शनों की जांच करने का निर्देश दिया गया। अग्निशमन उपकरण एवं सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया गया।
पुलिस अधीक्षक सादिक अनवर रिजवी ने पूजा समितियों को पंडालों में प्रवेश एवं निकास के लिए अलग-अलग द्वार रखने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि भीड़ नियंत्रण एवं आपात स्थिति से निपटने के लिए पंडालों में सुचारू आवागमन जरूरी है। साथ ही पूजा पंडालों में वोलेंटियर्स के मोबाइल नंबर प्रमुखता से प्रदर्शित करने को कहा गया।
पुलिस अधीक्षक ने बताया कि पूजा एवं अन्य कार्यक्रमों को देखते हुए आवश्यकतानुसार ट्रैफिक व्यवस्था में बदलाव किया जाएगा। उन्होंने पूजा समितियों से प्रशासन एवं पुलिस के साथ समन्वय बनाकर शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित तरीके से पूजा आयोजन करने की अपील की।
बैठक में परियोजना निदेशक आईटीडीए सुषमा नीलम सोरेंग, अनुमंडल पदाधिकारी अमित कुमार, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी श्रद्धा केरकेट्टा, पुलिस उपाधीक्षक समीर तिर्की, सभी संबंधित अंचल अधिकारी, थाना प्रभारी तथा केंद्रीय दुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष, सचिव एवं सदस्य मौजूद थे।

अश्लील गीत गाने वाले गायक पर प्राथमिकी दर्ज कराएगा नाई समाज

रांची। झारखंड युवा नाई संघ की ओर से लालगुटुवा में सोमवार को बैठक आयोजित की गई। इसके साथ ही नाई समाज को संगठित करने के लिए गांव-गांव अभियान चलाने और नाई समाज की महिलाओं पर तथाकथित गायक के अश्लील गीत गाने पर प्राथमिकी दर्ज करने का निर्णय लिया गया। बैठक की अध्यक्षता करते हुए हरिहर ठाकुर ने कहा कि भोजपुरी गायक गणेश लाजवाब यादव की ओर से नाई समाज और महिलाओं के प्रति कथित आपत्तिजनक और अश्लील गीत प्रस्तुत किया जाना बेहद निंदनीय है। मामले में रांची जिले के विभिन्न थानों में गायक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई जाएगी। इसके अलावा सैलून में सेवाओं की एक समान दर निर्धारित करने और प्रत्येक गुरुवार को समाज के सैलून बंद रखने पर सहमति बनी।

झामुमो नेता सौरभ श्रीवास्तव की चेतावनी के बाद एक्शन में प्रशासन, संयुक्त टीम ने पकड़े कोयला लदे पांच वाहन

बिभा संवाददाता

लातेहार: जिले में अवैध कोयला उत्खनन और परिवहन के खिलाफ प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों ने शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। सोमवार को सीआईएसएफ, सीसीएल सुरक्षा बल और बालूमाथ पुलिस की संयुक्त टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए अवैध कोयला लदे पांच हाइवा वाहनों को जब्त किया है। इस कार्रवाई के बाद से क्षेत्र में सक्रिय कथित कोयला सिंडिकेट और तस्करों में हड़कंप मच गया है।
मिली जानकारी के अनुसार, संयुक्त टीम ने मगध-आम्रपाली कोल परियोजना क्षेत्र के पास घेराबंदी कर इन पांचों हाइवा वाहनों को पकड़ा। जांच के दौरान वाहनों पर अवैध कोयला लदा पाया गया। टीम ने सभी वाहनों को जब्त कर आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए बालूमाथ थाना भेज दिया है, जहां संबंधित लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की प्रक्रिया जारी है।
उल्लेखनीय है कि कुछ ही दिन पहले झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के नेता सौरभ श्रीवास्तव ने जिले में चल रहे अवैध कोयला कारोबार को लेकर कड़ा रुख अपनाया था। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी थी कि हेमंत सरकार के कार्यकाल में सरकारी राजस्व को नुकसान पहुंचाने और अवैध कारोबार से अराजकता फैलाने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा था कि सरकार और प्रशासन कोयला चोरी पर पूर्ण अंकुश लगाने के लिए पूरी तरह गंभीर हैं।
स्थानीय स्तर पर चर्चा है कि ठंड का मौसम शुरू होते ही ईंट-भट्ठों व अन्य उद्योगों में मांग बढ़ने के कारण अवैध कोयला उत्खनन व तस्करी तेज हो जाती है। पांच हाइवा की जब्ती के बाद अब मुख्य जांच इस बिंदु पर टिकी है कि यह कोयला कहां से लोड किया गया था और इसकी डिलीवरी कहां होनी थी। पुलिस व सुरक्षा एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि इस तस्करी के पीछे कौन सा सिंडिकेट सक्रिय है। माना जा रहा है कि जांच आगे बढ़ने पर कुछ बड़े चेहरों पर भी शिकंजा कस सकता है।

यूपीआई पर शुल्क लगाने के प्रस्ताव के खिलाफ चैंबर का जोरदार विरोध

डिजिटल भुगतान को निर्बाध और शुल्कमुक्त रखने की मांग

बिभा संवाददाता

हजारीबाग : यूपीआई के जरिए होने वाले डिजिटल लेनदेन पर किसी भी तरह का शुल्क लगाए जाने की संभावित व्यवस्था के विरोध में फेडरेशन ऑफ हजारीबाग चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज ने सोमवार को मालवीय मार्ग स्थित विनोद स्टोर के सामने एक दिवसीय धरना दिया। धरने में बड़ी संख्या में चैंबर पदाधिकारी और व्यवसायी शामिल हुए। इस दौरान व्यापारियों ने यूपीआई भुगतान को पूरी तरह शुल्कमुक्त रखने की मांग को लेकर आवाज बुलंद की। चैंबर अध्यक्ष शंभूनाथ अग्रवाल ने कहा कि यूपीआई ने देश की भुगतान व्यवस्था को पूरी तरह बदल दिया है। छोटे दुकानदार से लेकर बड़े कारोबारी और आम ग्राहक तक आज रोजमर्रा के लेनदेन के लिए इसका इस्तेमाल कर रहे हैं। ऐसे में यूपीआई पर किसी भी प्रकार का शुल्क लगाया जाना व्यापारियों और उपभोक्ताओं दोनों के हित में नहीं होगा। उन्होंने कहा कि डिजिटल भुगतान को प्रोत्साहित करने के बजाय उस पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डालने से छोटे व्यवसाय विशेष रूप से प्रभावित हो सकते हैं। चैंबर सरकार से मांग करता है कि यूपीआई को पूर्व की तरह सरल, सहज और शुल्कमुक्त रखा जाए। सचिव राकेश ठाकुर ने कहा कि यूपीआई ने कारोबार में भुगतान की प्रक्रिया को काफी आसान और पारदर्शी बनाया है। छोटे व्यापारियों के लिए यह बेहद सुविधाजनक माध्यम है और ग्राहक भी इसे तेजी से अपना रहे हैं। उन्होंने कहा कि यदि डिजिटल भुगतान पर शुल्क लगाया जाता है तो इसका सीधा असर व्यापारिक लेनदेन की लागत पर पड़ेगा। चैंबर ऐसी किसी भी व्यवस्था का विरोध करता है और सरकार से व्यापारियों व आम जनता के हित को ध्यान में रखते हुए यूपीआई पर शुल्क नहीं लगाने की मांग करता है।
धरने में सहसचिव तारिक अहमद राजा, संयुक्त सचिव नीरज अग्रवाल, उपाध्यक्ष सुबोध अग्रवाल, वरिष्ठ सदस्य श्रवण अग्रवाल, श्याम सिंह, कमल अग्रवाल, विमल अग्रवाल और अजय खन्ना सहित बड़ी संख्या में व्यवसायी मौजूद रहे। सभी ने एक स्वर में यूपीआई लेनदेन पर शुल्क लगाए जाने के प्रस्ताव का विरोध करते हुए इसे वापस लेने की मांग की।

मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं की समय पर पहचान और समाधान के लिए स्वास्थ्य कार्यकर्ता हुए प्रशिक्षित

बिभा संवाददाता

विश्व मानसिक स्वास्थ्य सप्ताह का शुभारंभ

हजारीबाग: समुदाय के अंतिम व्यक्ति तक मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाने और आत्महत्या के जोखिम की समय पर पहचान व रोकथाम को सशक्त बनाने के उद्देश्य से सोमवार को सदर अस्पताल, हजारीबाग में विशेष प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम केंद्रीय मनश्चिकित्सा संस्थान , कांके, रांची के मनोरोग समाज कार्य विभाग द्वारा संचालित परियोजना के तहत आयोजित हुआ। कार्यशाला सीआईपी के निदेशक डॉ. वी.के. चौधरी के मार्गदर्शन में संपन्न हुई।
कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में हजारीबाग के सिविल सर्जन डॉ. अशोक कुमार उपस्थित रहे। इसके अलावा जिला कुष्ठ निवारण पदाधिकारी डॉ. एस.के. राजन, सीआईपी के प्रोजेक्ट डायरेक्टर सह सहायक प्राध्यापक डॉ. प्रशांत श्रीवास्तव तथा सह-परियोजना निदेशक सह वरिष्ठ मनोरोग अधिकारी डॉ. नरेंद्र कुमार सिंह ने भी शिरकत कर स्वास्थ्यकर्मियों का मार्गदर्शन किया।
प्रशिक्षण के दौरान सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यकताओं को मानसिक स्वास्थ्य की मूलभूत अवधारणाओं, सामान्य विकारों के लक्षणों की पहचान, सामाजिक भ्रांतियों व कलंक को दूर करने के उपायों से अवगत कराया गया। इसके साथ ही आत्महत्या के पूर्व चेतावनी संकेतों की पहचान, संकट के समय प्राथमिक सहायता और समय पर उच्च स्वास्थ्य केंद्रों में रेफर करने की व्यावहारिक जानकारी दी गई, ताकि जमीनी स्तर पर स्वास्थ्यकर्मी जरूरतमंदों को तत्काल सहायता उपलब्ध करा सकें।
इस अवसर पर 'विश्व मानसिक स्वास्थ्य सप्ताह 2026' का विधिवत शुभारंभ भी किया गया। वक्ताओं ने रेखांकित किया कि मानसिक स्वास्थ्य केवल बीमारी का न होना भर नहीं है, बल्कि यह व्यक्ति के भावनात्मक, मनोवैज्ञानिक और सामाजिक कल्याण से जुड़ा पहलू है। मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक मानवीय, संवेदनशील और समावेशी बनाने के लिए पीड़ितों के वास्तविक अनुभवों को सुनना और समझना बेहद जरूरी है।
कार्यक्रम के समापन पर अधिकारियों ने मानसिक स्वास्थ्य को लेकर समाज में संवेदनशील और कलंक-मुक्त वातावरण तैयार करने के लिए सामूहिक भागीदारी का आह्वान किया।

9 अक्टूबर को अग्रसेन भवन में मनेगा भव्य नंद उत्सव, कृष्ण की बाल लीलाओं से सजेगी शाम

बिभा संवाददाता

हजारीबाग : अग्रसेन जयंती से पूर्व श्रीकृष्ण जन्मोत्सव की खुशी और भक्ति भाव को समर्पित नंद उत्सव का आयोजन 9 अक्टूबर को अग्रसेन भवन में किया जाएगा। कार्यक्रम की शुरूआत शाम 6 बजे से होगी। आयोजन को लेकर तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं।
नंद उत्सव में भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं और राधा-कृष्ण की भक्ति से जुड़े विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण ह्यकान्हा के रंग, हांजी के संगह्न, ह्यद्रौपदी की पुकार, कृष्ण की कृपाह्न विषय पर आधारित नृत्य नाटिका तथा गोपियों के संग रासलीला होगी। कलाकार अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से श्रीकृष्ण के जीवन, उनकी लीलाओं और भक्ति के विभिन्न भावों को मंच पर जीवंत करेंगे।आयोजकों ने बताया कि नंद उत्सव का उद्देश्य श्रद्धालुओं को भक्ति, संस्कृति और मनोरंजन से जोड़ना है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं एवं शहरवासियों के शामिल होने की उम्मीद है।
कार्यक्रम की संयोजिका पूजा मुनका, कविता गोयलका, दीप्ति मुनका एवं रितु अग्रवाल हैं। आयोजकों ने शहरवासियों से सपरिवार कार्यक्रम में शामिल होकर नंद उत्सव को सफल बनाने की अपील की है।अग्रवाल महिला मंडल की अध्यक्ष शोभा मुनका ने कहा कि नंद उत्सव के माध्यम से श्रद्धालुओं को भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं और उनकी भक्ति से जुड़ने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम में धार्मिक भावनाओं के साथ-साथ सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का सुंदर समावेश किया गया है। द्रौपदी की पुकार, कृष्ण की कृपा पर आधारित नृत्य नाटिका और गोपियों के साथ रासलीला विशेष आकर्षण का केंद्र रहेगी। उन्होंने शहरवासियों से सपरिवार कार्यक्रम में शामिल होकर नंद उत्सव की भक्ति और आनंद में सहभागी बनने की अपील की।

भारत में आर्थिक विकास की गति तेज रहने के बावजूद क्यों गिर रहा है शेयर बाजार

प्रह्लाद सबनानी

उक्त वर्णित युद्धों के चलते अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम बहुत तेजी से बढ़ रहे हैं और यह 100 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल के स्तर को पार कर गए हैं, एक वर्ष पूर्व यह 65 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर थे, अर्थात इस एक वर्ष के दौरान कच्चे तेल की कीमतों में 50 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज हुई है।

हाल ही के समय में भारत के शेयर बाजार में लगातार तेज गिरावट दर्ज हुई है, इससे देश में इस तरह का माहौल बनाने का प्रयास किया जा रहा है कि भारतीय अर्थव्यवस्था पर भारी संकट आने वाला है और भारतीय नागरिकों पर इसका अत्यधिक कष्टकारी असर पड़ने वाला है। यह आंकलन किसी भी प्रकार से उचित नहीं कहा जा सकता है क्योंकि शेयर बाजार में गिरावट विदेशी संस्थागत निवेशकों के मन में बैठ रहे डर के आधार पर देखी जा रही है, जबकि भारतीय संस्थागत निवेशक तो लगातार अपना निवेश भारतीय शेयर बाजार में बढ़ा रहे हैं एवं म्यूचुअल फंडस द्वारा प्रति माह 30,000 करोड़ रुपये से अधिक की राशि का लगातार निवेश शेयर बाजार हो रहा है। यह सही है कि भारतीय शेयर बाजार का सेन्सेक्स 1 अक्टूबर 2025 के 80,983 बिंदुओं के स्तर से 1 अक्टोबर 2026 को 71,910 बिंदुओं के स्तर पर नीचे आ गया है। इसी प्रकार, निफ्टी इंडेक्स भी 1 अक्टूबर 2025 के 24,836 बंदुओं के स्तर से नीचे गिरकर 1 अक्टूबर 2026 को 22,422 बिंदुओं के स्तर पर आ गया है। पिछले एक वर्ष की अवधि में 10 से 11 प्रतिशत के बीच की गिरावट दर्ज हुई है। जबकि, इस बीच भारत में अर्थ के विभिन्न क्षेत्रों में आर्थिक विकास दर लगातार उच्च स्तर की बनी हुई है। फिर, ऐसे क्या कारण हैं कि भारतीय अर्थव्यवस्था का चमकता चेहरा होने के बावजूद, भारतीय शेयर बाजार लगातार गिरावट दर्ज कर रहा है।

दरअसल किसी भी देश का शेयर बाजार, स्टॉक एक्सचेंज पर दर्ज कम्पनियों की आगे आने वाले वर्षों में होने वाली अनुमानित आय के आधार पर, घटता अथवा बढ़ता रहता है। दूसरे, आजकल जब समस्त देश एक तरह से आपस में जुड़ से गए हैं और हम एक वैश्विक गांव में निवास कर रहे हैं तब एक देश में होने वाली घटनाओं का प्रभाव दूसरे देश के शेयर बाजार पर भी पड़ता हुआ दिखाई देता है। जैसे, रूस-यूक्रेन युद्ध, इजराईल-हम्मास युद्ध, अमेरिका-ईरान युद्ध, सऊदी अरब-हूथी युद्ध एवं खाड़ी के देशों का आपसी युद्, आदि कुछ ऐसे उदाहरण हैं, जिनके चलते भारतीय शेयर बाजार भी सहमा हुआ दिखाई दे रहा है, हालांकि भारत किसी भी प्रकार से, अप्रत्यक्ष अथवा प्रत्यक्ष रूप से, इन युद्धों से नहीं जुड़ा है । तीसरे, विदेशी निवेशक भारी मात्रा में कुछ देशों के शेयर बाजार में अपनी पूंजी का निवेश करते हैं, क्योंकि उन्हें इन देशों में किए गए निवेश से अच्छे रिटर्न की सम्भावना दिखाई देती है। परंतु, जब इन विदेशी निवेशकों द्वारा अपना निवेश शेयर बाजार से निकाला जाता है तब उस देश का शेयर बाजार तेजी से गिरने लगता है।

उक्त वर्णित युद्धों के चलते अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम बहुत तेजी से बढ़ रहे हैं और यह 100 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल के स्तर को पार कर गए हैं, एक वर्ष पूर्व यह 65 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर थे, अर्थात इस एक वर्ष के दौरान कच्चे तेल की कीमतों में 50 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज हुई है। भारत कच्चे तेल की कुल खपत का 90 प्रतिशत से अधिक हिस्सा आयात करता है, अतः भारत के उक्त युद्धों से किसी भी प्रकार से नहीं जुड़े होने के बावजूद, भारतीय अर्थव्यवस्था पर कुछ विपरीत प्रभाव पड़ सकता है, ऐसा माहौल बनाए जाने के चलते विदेशी संस्थागत निवेशक भारतीय शेयर बाजार से अपना निवेश भारी मात्रा में निकाल रहे हैं। हालांकि, कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि के बावजूद भारत में मुद्रा स्फीति की दर को नियंत्रण में बनाए रखने के प्रयास अभी तक तो सफल ही रहे हैं। फिर भी, केलेंडर वर्ष 2026 में अभी तक विदेशी संस्थागत निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार से 2.8 लाख करोड़ रुपए की भारी भरकम राशि निकाल ली है। सितम्बर 2024 तक के 24 माह में विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार में 38,600 करोड़ अमेरिकी डॉलर का निवेश किया था जबकि सितम्बर 2026 तक के 24 माह में 56,300 करोड़ अमेरिकी डॉलर की निकासी की गई हैं। विदेशी संस्थागत निवेशक इतनी भारी मात्रा में अपना निवेश भारत से निकालकर अमेरिकी बांडस, अमेरिका के शेयर बाजार, वियतनाम एवं दक्षिणी कोरिया के शेयर बाजार एवं चीन के शेयर बाजार में कर रहे हैं। क्योंकि, अमेरिका में ब्याज दरों (यूएस फेड दर) में वृद्धि के चलते, बांडस की यील्ड पिछले लगभग 24-25 वर्षों के उच्चत्तम स्तर 5.60 प्रतिशत से ऊपर पहुंच गई है। साथ ही, अमेरिकी शेयर बाजार में अभी भी तेजी बनी हुई है क्योंकि वहां की कम्पनियों द्वारा उच्च तकनीकी के नवाचार करने के चलते उनकी उत्पादकता एवं लाभप्रदता में लगातार वृद्धि देखी जा रही है। इसी प्रकार, वियतनाम एवं दक्षिणी कोरिया में आरटीफिशीयल इंटेलीजेंस के क्षेत्र की कम्पनियों में उच्च स्तर की लाभप्रदता दर्ज होने की सम्भावनाएं दिखाई दे रही है, इसलिए विदेशी निवेशक अमेरिका, वियतनाम एवं दक्षिणी कोरिया जैसे देशों की ओर आकर्षित हो रहे है एवं अपना निवेश इन देशों में बढ़ा रहे हैं। चीन का शेयर बाजार बहुत ही तेजी से नीचे गिरा था जिसके कारण वहां पर कम्पनियों के शेयरों का (Price to Earning - PE Ratio) कीमत/आय रेशो भारतीय कंपनियों के कीमत/आय रेशो की तुलना में अत्यधिक आकर्षक हो गया है। चीन में औसतन यह रेशो 12 प्रतिशत के नीचे है जबकि भारत में यह रेशो औसतन 20 प्रतिशत से अधिक है। अतः विदेशी संस्थागत निवेशकों को भारतीय कम्पनियों के शेयर, चीनी कम्पनियों के शेयर की तुलना में महंगे दिखाई दे रहे हैं।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अमेरिकी डॉलर के लगातार मजबूत होने चलते भारतीय रुपया लगातार कमजोर हो रहा है, इस कारण से भी विदेशी संस्थागत निवेशक भारतीय शेयर बाजार से अपना निवेश निकाल रहे है। आज भारतीय रुपए की कीमत 96 रुपए प्रति अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गई है। साथ ही, डॉलर इंडेक्स जो 1 अक्टोबर 2025 को 97.71 के स्तर पर था वह 1 अक्टोबर 2026 को बढ़कर 101.80 के स्तर पर आ गया है। स्वर्ण की कीमतें भी 3,871 अमेरिकी डॉलर प्रति ओंस से बढ़कर 4,170 अमेरिकी डॉलर प्रति ओंस पर पहुंच गई है। भारत स्वर्ण का भारी मात्रा में (कुल खपत का 90 प्रतिशत से अधिक) आयात करता है, स्वर्ण के आयात का भुगतान अमेरिकी डॉलर में ही करना होता है, अतः भारतीय रुपए पर इससे अतिरिक्त दबाव बनता हुआ दिखाई दे रहा है।

उक्त संदर्भों को यदि भारतीय अर्थव्यवस्था से जोड़कर देखा जाय तो स्थिति कुछ अलग ही दिखाई देती है। भारत में सकल घरेलू उत्पाद में वित्तीय वर्ष 2026-27 की प्रथम तिमाही में 7.8 प्रतिशत की आकर्षक वृद्धि दर्ज हुई है, जबकि वैश्विक स्तर पर यह वृद्धि केवल 3 प्रतिशत एवं तेजी से आर्थिक विकास कर रही अर्थव्यवस्थाओं में यह 3.8 प्रतिशत रहने की सम्भावना व्यक्त की गई है। जब भारत में आर्थिक विकास दर तुलनात्मक रूप से अधिक तेज गति से आगे बढ़ेगी तो भारतीय कम्पनियों की आय एवं लाभप्रदता में भी तेज गति से वृद्धि सम्भव होगी। इसी प्रकार, अगस्त 2026 माह में भारत की औद्योगिक विकास दर भी 8 प्रतिशत के स्तर पर पहुंच गई है जो कि अगस्त 2025 में 4.7 प्रतिशत के स्तर पर थी। विभिन्न उत्पादों के भारत से निर्यात अगस्त 2026 में 4,380 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर को पार कर गए हैं जो अगस्त 2025 में 3,480 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर थे। 15 सितम्बर 2026 को समाप्त पखवाड़े में समस्त बैंकों के ऋणों में 18.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में यह वृद्धि दर 10.4 प्रतिशत की रही थी। इसी प्रकार, बैंकों की जमाराशि में वृद्धि दर भी पिछले वर्ष की 9.5 प्रतिशत की तुलना में इस वर्ष 17.3 प्रतिशत की रही है। बैंकों का ऋणःजमा अनुपात लगभग 81 प्रतिशत के पास पहुंच गया है। यह आंकड़े दर्शाते हैं कि भारत में अर्थ के विभिन्न क्षेत्रों में अतुलनीय वृद्धि दर आंकी जा रही है। बैंकों की सकल गैर निष्पादनकारी आस्तियों में भी कमी दर्ज हुई है और यह जुलाई 2025 के 2.2 प्रतिशत की तुलना में जुलाई 2026 में घटकर 1.68 प्रतिशत के स्तर पर नीचे आ गई है। शुद्ध गैर निष्पादनकारी आस्तियां तो पिछले वर्ष के 0.5 प्रतिशत की तुलना में 0.4 प्रतिशत ही रही है। अर्थात, बैंकों द्वारा प्रदत्त किए जा रहे ऋणों की अदायगी समय पर हो रही है। भारतीय बैंकों का पूंजी पर्याप्तता अनुपात तो आज विकसित देशों की बैंकों से भी अधिक हो गया है, जो जुलाई 2025 के 17.5 प्रतिशत से बढ़कर जुलाई 2026 में 17.8 प्रतिशत के स्तर को पार कर गया है। इससे भारतीय बैंकों की मजबूत स्थिति झलकती है। उद्योगों द्वारा अपनी उत्पादन क्षमता का 75 प्रतिशत से अधिक उपयोग किया जा रहा है, यह ऐसी स्थिति है जब सम्बंधित उद्योग को अपनी उत्पादन क्षमता में वृद्धि करने के बारे में विचार प्रारम्भ करना होता है। उक्त जानकारी की सत्यता की गवाही वस्तु एवं सेवा कर के संग्रहण में हो रही लगातार वृद्धि से भी ध्यान में आती है। सितम्बर 2026 माह में 14.5 प्रतिशत की वृद्धि के साथ वस्तु एवं सेवा कर का संग्रहण 2.04 लाख करोड़ से अधिक की राशि का रहा है और यह लगातार तीसरा महीना है जब यह संग्रहण 2 लाख करोड़ रुपए से अधिक का रहा है। भारत में सितम्बर 2026 माह के दौरान Unified Payments Interface (एकीकृत भुगतान अन्तरापृष्ठ) सिस्टम के अंतर्गत प्रतिदिन औसतन 80 करोड़ से अधिक के व्यवहार दर्ज हो रहे हैं, जो पूरे विश्व में किसी भी देश में सबसे अधिक व्यवहार हैं। अगस्त 2026 माह के दौरान उक्त व्यवहार 79 करोड़ के रहे थे और सितम्बर 2025 में 65 करोड़ से अधिक व्यवहार प्रतिदिन के रहे थे।

कुल मिलाकर भारत में अर्थ के विभिन्न क्षेत्रों में दर्ज हो रही विकास दर की कहानी स्पष्ट तौर पर कह रही है कि भारत का भविष्य बहुत सुरक्षित है। और, यह झूठा विमर्श खड़ा किया जाना कि भारतीय अर्थव्यवस्था पर भारी संकट आने वाला है और भारतीय नागरिकों पर इसका कष्टकारी प्रभाव पड़ने वाला है, पूर्णतः असत्य है। घबराहट में विदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा शेयर बाजार से निकाले जा रहे निवेश को आधार बनाकर उक्त झूठे विमर्श को खड़ा करने का प्रयास हो रहा है।

संपादकीय

एशियाई खेलों में भारत

हम संतोष कर सकते हैं कि एशियाई खेलों में भारत चौथे स्थान पर रहा है। इस प्रतिष्ठित खेल स्पर्धा में भारतीय खिलाड़ियों ने कुल 85 पदक जीते। जिसमें 21 स्वर्ण, 27 रजत और 37 कांस्य पदक शामिल हैं। आइची-नागोया में संपन्न एशियाई खेलों के आखिरी दिनों में भारतीय खिलाड़ियों ने दमखम दिखा कर सोने के तमगों की संख्या बढ़ाई है। निस्संदेह, कह सकते हैं कि हम एशिया में पहले चार देशों में शुमार हैं। लेकिन यहां सवाल यह है कि भले ही हम चौथे स्थान पर रहे हैं, लेकिन इन खेलों में नंबर एक व दो रहे चीन व जापान के आगे हम कहां खड़े हैं? इस बार भारतीय खिलाड़ियों के प्रदर्शन ने यह भी सोचने को मजबूर किया कि आने वाले कुछ दशकों में भारत ओलंपिक की दावेदारी में कहां ठहरता है? वैसे इस बार के एशियाई खेलों से जुड़ी कुछ सुखद स्मृतियां भी हैं, मसलन तीरंदाजी में हमने नौ मेडल जीते हैं। जिसमें पांच स्वर्ण पदक शामिल हैं। सुखद यह भी है कि कुमकुम मोहोद रिकर्व कैटेगरी में भारत की पहली व्यक्तिगत उपलब्धि हासिल करने वाली खिलाड़ी बनीं। भारतीय खिलाड़ियों को बॉक्सिंग और रेसलिंग में क्रमशः तीन और दो स्वर्ण पदक मिले। वहीं दूसरी ओर प्रणवी उर्स एशियाई खेलों में व्यक्तिगत गोल्फ गोल्ड जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनी हैं। वहीं दूसरी ओर इस बार भी भारतीय खिलाड़ियों ने क्रिकेट, हॉकी और कबड्डी में अपना वर्चस्व कायम रखा। महिला हॉकी में भारतीय खिलाड़ियों की उपलब्धि बहुत खास रही। उन्होंने अनुशासन और ऊंचे मनोबल के साथ बेहतर खेल का प्रदर्शन किया। भारतीय महिला हॉकी टीम ने मौजूदा चैंपियन चीन को हराकर एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक का 44 साल का हमारा इंतजार खत्म किया। लेकिन हमारे खिलाड़ी एथलेटिक्स में हमारी उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे। एकमात्र स्वर्ण महिलाओं की 4७ 400 मीटर रिले रेस में हासिल हुआ। निशानेबाजों का प्रदर्शन भी उत्साह जगाने वाला नहीं रहा। इस बार हमें, पिछले ओलंपिक में दो कांस्य पदक जीतने वाली मनु भाकर ने निराश किया। वह इस बार खाली हाथ लौटी हैं। वैसे पिछली बार चीन में हुए एशियाई खेलों से तुलना करें तो इस बार हमारा प्रदर्शन फीका रहा। तब हमने 28 स्वर्ण पदकों के साथ 106 मेडल जीते थे। इस बार सात स्वर्ण समेत कुल 21 पदकों की कमी, हमारे खेल नीति-नियंताओं के लिये एक चेतावनी जैसी है। हालांकि, यह वक्त हमारे लिये नागोया में मिली कामयाबियों का जश्न मनाने का है। लेकिन हमें अपनी कमजोरियों को लेकर भी आत्ममंथन करने की जरूरत है। निस्संदेह, भारत में खेलों का भविष्य चंद खिलाड़ियों की कामयाबी से तय नहीं किया जा सकता है। हमें एशियाड के बाद ओलंपिक के लिये युद्ध स्तर पर तैयारियां करनी होंगी। इस कामयाबी के लिये नई प्रतिभाओं की पहचान, विश्व स्तरीय प्रशिक्षण, मानसिक रूप से सशक्त खिलाड़ी तैयार करने तथा विश्वस्तरीय सपोर्ट सिस्टम बनाने की जरूरत होगी। इन एशियाई खेलों ने हमें हकीकत का आईना दिखाया है। अब हम अभी से वर्ष 2028 में लॉस एंजिल्स के ओलंपिक खेलों की तैयारी में जुट

चिंतन-मनन

क्या है शुद्ध अहिंसा!

गांधी जी ने अपने जीवन में अहिंसा के विविध प्रयोग किए। वे एक वैज्ञानिक थे। उनका जीवन प्रयोगशाला था। उनका प्रारंभिक और अंतिम साहित्य देखने से यह तथ्य भलीभांति स्पष्ट हो जाता है। बड़े जीव की सुरक्षा के लिए छोटे जीव को मारने में वे पाप बताते थे। खती को हानि पहुंचाने वाले बंदर, हिरण तथा अन्य जहरीले जानवरों को मारने में भी वे पाप मानते थे। यद्यपि आवश्यकतावश उन्होंने जीवों को मारने की इजाजत भी दी, पर उसे शुद्ध अहिंसा कभी नहीं माना। मेरे सामने भी ऐसे प्रश्न आते हैं कि बिल्ली चूहे को मारती है तो उसे बचाना अहिंसा है या नहीं? मैं कहता हूं कि बचाना या बिल्ली को भगाना आपका काम है। मैं इसमें हस्तक्षेप नहीं करता, किंतु इसे शुद्ध अहिंसा नहीं माना जा सकता। शुद्ध अहिंसा वही है जहां हिंसक का दिल बदले। बिल्ली से आप चूहे को बचा सकेंगे, किंतु उसे अहिंसक नहीं बना सकते। बूचड़खाने में पैसा देकर आप जानवरों को बचा सकते हैं, किंतु ऐसा करके आप कसाई को अहिंसक नहीं बना सकते।...

नशे में उड़ता पंजाबः बद अच्छा बदनाम बुरा

तनवीर जाफ़री

पंजाब राज्य का भारतीय कृषि उत्पादन और देश की खाद्य सुरक्षा में सबसे अहम योगदान है। भारत के कुल भौगोलिक क्षेत्र का मात्र 1.5% हिस्सा होने के बावजूद, पंजाब को भारत का अन्न भंडार और भारत की खाद्य टोकरी कहा जाता है। भारत सरकार द्वारा खरीदे जाने वाले कुल गेहूं का लगभग 46% हिस्सा अकेले पंजाब से आता है। केंद्रीय पूल में जमा होने वाले कुल चावल के सरकारी उपार्जन में भी पंजाब का लगभग 31% योगदान है। देश के कुल खाद्यान्न उत्पादन में पंजाब 13 से 14 प्रतिशत का योगदान देता है। गेहूं उत्पादन का लगभग 14% से 22% हिस्सा पंजाब में उगता है, जो इसे देश के शीर्ष उत्पादकों में बनाए रखता है। इसी तरह पंजाब देश के चावल उत्पादन का लगभग 10% से 11% हिस्सा पैदा करता है। भारत के कुल दूध उत्पादन में भी पंजाब लगभग 6.2% से 10% का योगदान देता है। इसी तरह देश के शहद उत्पादन में भी पंजाब का योगदान करीब 20% और मशरूम उत्पादन में रिकॉर्ड 48% है। पंजाब की यह सफलता उसकी फसल सघनता के कारण है, जो 186% से भी अधिक है। राज्य का लगभग 82% से 87% भूभाग खेती के अंतर्गत आता है, जबकि राष्ट्रीय औसत केवल 40% है। यही कारण है कि प्रति हेक्टेयर उत्पादन के मामले में पंजाब के किसान देश में अग्रणी बने हुए हैं और देश की भुखमरी मिटाने में सबसे आगे खड़े हैं।

परन्तु दुर्भाग्यवश कृषि उत्पादन से लेकर लंगर चलाने व जरूरतमंदों की मदद के लिये अग्रणी रहने वाले इस राज्य को विगत कुछ वर्षों से मात्र नशे को लेकर बदनाम करने की बड़ी साजिश रची जा रही है। चूँकि पंजाब की 17 वीं विधानसभा चुनाव फरवरी 2027 में कराए जाने की पूरी संभावना इसीलिये चुनाव पूर्व विभिन्न राजनैतिक दल पंजाब में कथित तौर पर व्याप्त नशे की समस्या को एक प्रमुख राजनैतिक मुद्दा बना रहे हैं। मिसाल के तौर पर भारतीय जनता पार्टी ने हाल ही में राज्य की सभी 117 विधानसभा सीटों पर 13 दिवसीय नशा मुक्त पंजाब यात्रा निकाली और नशे को ही राज्य का अपना मुख्य चुनावी एजेंडा घोषित किया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पिछले दिनों जालंधर में यह घोषणा की, कि यदि पंजाब में भाजपा की सरकार बनती है, तो 31 दिसंबर 2029 तक पंजाब को पूरी तरह से नशे के कारोबार से मुक्त कर दिया जाएगा। उन्होंने राज्य की भगवंत मान सरकार को आपदा सरकार करार देते हुये यह आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी ने राज्य में सिंथेटिक ड्रग्स के अवैध कारोबार को खुलेआम फलने-फूलने दिया है। जबकि आप नेताओं का कहना है कि केंद्र सरकार पंजाब को बदनाम कर रही है। आप नेताओं ने गुजरात जैसे राज्यों के बंदरगाहों पर पकड़े जाने वाले भारी मात्रा में नशीले पदार्थों का हवाला देते हुए केंद्र की सीमा सुरक्षा की विफलता पर सवाल उठाए हैं। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने वादा किया है कि सत्ता में आने के 6 महीने के भीतर पंजाब के पूरे ड्रग नेटवर्क को ध्वस्त कर दिया जाएगा और नशे के व्यापारियों को जेल भेजा जाएगा। पंजाब में कथित तौर पर फैले नशा नेटवर्क को लेकर बनाई गई फिल्म उड़ता पंजाब ने और भी इस विषय को प्रमुखता से कुछ इसतरह प्रचारित कर दिया गोया देश का कृषि प्रमुख व भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि के माध्यम से अपना अतुलनीय योगदान देने वाला देश का यही इकलौता राज्य है जो नशे में डूबा हुआ है।

मतदाता सूची से जंतर-मंतर तकः लोकतंत्र के भरोसे की अग्निपरीक्षा

योगेश कुमार गोयल

एसआईआर, फॉर्म-6 और सवालों के घेरे में चुनावी विश्वास...

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर 2, 3 और 4 अक्तूबर को दिल्ली में हुए प्रदर्शनों, बड़ी संख्या में लोगों की हिरासत, भारी सुरक्षा व्यवस्था और केंद्रीय दिल्ली के कई मार्गों तथा मैट्रो स्टेशनों पर लगाए गए प्रतिबंधों ने चुनावी संस्थाओं को लेकर चल रही बहस को और तीखा कर दिया है। दिल्ली पुलिस ने प्रस्तावित प्रदर्शन की अनुमति नहीं दी थी और सुरक्षा कारणों से 11 मैट्रो स्टेशनों के प्रवेश-निकास अस्थायी रूप से बंद किए गए थे। जंतर-मंतर लोकतंत्र की उस सार्वजनिक जगह का नाम है, जहां सत्ता से असहमति दर्ज कराने के लिए देश के विभिन्न हिस्सों से नागरिक या संगठन आते हैं। इसलिए वहां उठी आवाज को केवल भीड़, राजनीतिक प्रदर्शन या कानून-व्यवस्था की समस्या मान लेना लोकतांत्रिक विमर्श को छोटा करना होगा।

मतदाता-सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर में बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम प्रभावित हुए हैं और इससे चुनावी प्रक्रिया की पारदर्शिता पर गंभीर सवाल खड़े हुए हैं। हालांकि निर्वाचन आयोग का कहना है कि एसआईआर का उद्देश्य मतदाता-सूचियों को शुद्ध और अद्यतन करना है तथा गलत तरीके से छूट गए पात्र मतदाताओं को फिर शामिल करने के लिए विशेष अभियान भी शुरू किया गया है। आयोग ने अब 20 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में ऐसे पात्र मतदाताओं की पहचान और पुनः नामांकन के लिए विशेष अभियान की घोषणा की है। यही वह बिंदु है, जहां राजनीतिक आरोपों और संस्थागत तथ्यों को गहराई से देखना आवश्यक है। जब मतदाता-सूची जैसी लोकतंत्र की बुनियादी व्यवस्था पर व्यापक संदेह पैदा हों तो निर्वाचन आयोग पर केवल यह कहकर आगे नहीं बढ़ा जा सकता कि वह संवैधानिक संस्था है, इसलिए उस पर विश्वास किया जाए। संवैधानिक संस्था की प्रतिष्ठा अधिकार से नहीं, पारदर्शिता और उत्तरदायित्व से मजबूत होती है।

वर्तमान विवाद का सबसे ठोस और जांच योग्य पहलू फॉर्म-6 से जुड़ा है। फॉर्म-6 मतदाता सूची में नाम शामिल कराने का निर्धारित आवेदन है। विवाद तब उठा, जब एसआईआर से संबंधित एक अतिरिक्त घोषणा ऑनलाइन फॉर्म-6 में जोड़े जाने पर आयोग के भीतर ही दोनों चुनाव आयुक्तों की आपत्तियां सामने आई। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने इस बदलाव की वैधानिक प्रक्रिया पर सवाल उठाए, जिसके बाद आयोग ने 30 सितंबर को उन राज्यों में, जहां एसआईआर पूरा हो चुका है, ऑनलाइन फॉर्म-6 से यह अतिरिक्त घोषणा हटा दी। यहां सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह नहीं है कि घोषणा-पत्र हटाया गया या नहीं बल्कि यह है कि उसे जोड़ा किस अधिकार के तहत गया, किस स्तर पर स्वीकृति मिली, उसका तकनीकी क्रियान्वयन किस आदेश पर हुआ और बाद में उसे हटाने का निर्णय किस प्रक्रिया से लिया गया? इन प्रश्नों के स्पष्ट उत्तर सार्वजनिक होने चाहिएं।

इस प्रकरण को राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप से आगे ले जाने की जरूरत है। यदि कोई अतिरिक्त घोषणा वैधानिक रूप से आवश्यक नहीं थी तो उसके कारण किसी पात्र नागरिक को आवेदन प्रक्रिया में कठिनाई हुई या उसका नाम मतदाता सूची में शामिल नहीं हो सका तो इसकी पहचान और सुधार जरूरी है। निर्वाचन आयोग ने अब पात्र लेकिन छूटे मतदाताओं को फिर जोड़ने के लिए विशेष अभियान की बात कही है लेकिन प्रश्न यही है कि इस प्रक्रिया के परिणाम सार्वजनिक रूप से कितने और किस तरह बताए जाएंगे। मतदाता सूची केवल सरकारी रिकॉर्ड नहीं होती, वही लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व का आधार बनती है। इसलिए 'कितने नाम हटे' से अधिक महत्वपूर्ण प्रश्न है कि कितने पात्र मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से गलत तरीके से हटे, कितने वापस जोड़े गए, कितने मामलों में आपत्ति स्वीकार हुई और कितनों को अपने मताधिकार की पुनर्स्थापना के लिए अलग से संघर्ष करना पड़ा? इन आंकड़ों का राज्यवार, निर्वाचन क्षेत्रवार और कारणवार सार्वजनिक होना चाहिए। यही पारदर्शिता आरोपों और वास्तविकता के बीच अंतर स्पष्ट कर सकती है।

मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग का राजनीतिक भविष्य क्या होगा, यह कहना अभी संभव नहीं। निर्वाचन आयोग एक स्वतंत्र संवैधानिक संस्था है तथा उसके प्रमुख को हटाने की संवैधानिक प्रक्रिया अलग है। यहां बड़ा सवाल केवल ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे का नहीं, चुनाव आयोग पर भरोसे का है। यदि नागरिकों का एक बड़ा वर्ग यह मानने लगे कि मतदाता सूची में उसका नाम सुरक्षित नहीं है, चुनावी प्रक्रिया निष्पक्ष नहीं है या निर्वाचन आयोग उसके सवालों का संतोषजनक उत्तर नहीं दे रहा तो लोकतंत्र के लिए यह किसी भी राजनीतिक दल की जीत-हार से कहीं अधिक गंभीर स्थिति है। चुनाव का वास्तविक आधार वह विश्वास है, जिसके कारण हारने वाला पक्ष परिणाम स्वीकार करता है और जीतने वाला पक्ष अपनी वैधता पर आश्वस्त रहता है। इसीलिए सरकार और निर्वाचन आयोग दोनों के लिए एक ही रास्ता है, सवालों का तथ्यात्मक उत्तर। सरकार को आयोग की हर आलोचना का राजनीतिक बचाव करने के बजाय यह सुनिश्चित करना चाहिए कि संवैधानिक संस्था पर उठे सवालों की संस्थागत जांच और सार्वजनिक स्पष्टीकरण हो। निर्वाचन आयोग को भी आलोचना को अपने विरुद्ध राजनीतिक अभियान मानकर खारिज करने के बजाय अपने निर्णयों, सॉफ्टवेयर बदलावों, आदेशों और प्रक्रियाओं का दस्तावेजी विवरण सामने रखना चाहिए।

यदि आयोग स्वतंत्र संवैधानिक संस्था है तो उसके प्रशासनिक निर्णयों की जिम्मेदारी भी उसी की होनी चाहिए। सरकार का काम आयोग के हर निर्णय का बचाव करना नहीं, ऐसी संस्थागत व्यवस्था सुनिश्चित करना है, जिसमें आयोग बिना किसी राजनीतिक दबाव के काम करे और जनता को उसके निर्णयों का विश्वसनीय स्पष्टीकरण मिल सके। जंतर-मंतर पर लोगों को रोकने के लिए की गई भारी सुरक्षा व्यवस्था ने एक दूसरी बहस भी पैदा की है। कानून-व्यवस्था बनाए रखना सरकार की जिम्मेदारी है और किसी भी प्रदर्शन की सीमाएं कानून से तय होती हैं लेकिन शांतिपूर्ण असहमति लोकतंत्र का अभिन्न हिस्सा है। इसलिए आवश्यकता इस बात की है कि प्रतिबंध सुरक्षा की वास्तविक जरूरत के अनुपात में हों और उनका उद्देश्य नागरिकों की लोकतांत्रिक आवाज को दबाना प्रतीत न हो।

अब समय है कि इस पूरे विवाद को 'सत्ता बनाम विपक्ष' की संकीर्ण चौखट से बाहर निकाला जाए। चुनाव आयोग किसी सरकार का नहीं, मतदाता का आयोग है। मतदाता सूची किसी दल की संपत्ति नहीं, नागरिक के मताधिकार का आधार है और चुनाव का परिणाम किसी राजनीतिक दल की निजी उपलब्धि नहीं, संवैधानिक प्रक्रिया से मिली सार्वजनिक वैधता है। इसलिए फॉर्म-6 के विवाद से लेकर एसआईआर के आंकड़ों तक, हर प्रश्न का दस्तावेजी उत्तर सामने आना ही चाहिए। जिन मतदाताओं के नाम प्रक्रिया में छूटे हैं, उनकी पहचान और पुनर्स्थापना की समयबद्ध व्यवस्था होनी चाहिए। सॉफ्टवेयर में हुए बदलावों की जिम्मेदारी स्पष्ट होनी चाहिए। आयोग के भीतर दर्ज असहमतियों का तथ्यात्मक स्पष्टीकरण होना चाहिए। जहां मामला न्यायालय में है, वहां अंतिम निर्णय तक संस्थागत पारदर्शिता बनी रहनी चाहिए।

लोकतंत्र को सबसे बड़ा खतरा आलोचना से नहीं, अविश्वास से होता है। आलोचना का उत्तर तर्क से दिया जा सकता है लेकिन अविश्वास को केवल पारदर्शिता ही दूर कर सकती है। जंतर-मंतर और मुम्बई से उठ रही आवाज का सबसे महत्वपूर्ण संदेश यही है कि केवल चुनाव जीतना पर्याप्त नहीं, चुनावी प्रक्रिया पर जनता का विश्वास कायम रहना भी उतना ही जरूरी है। यदि इस विश्वास में दरार पड़ रही है तो उसका इलाज प्रदर्शनकारियों को रोकना नहीं, उन सवालों का सार्वजनिक और संवैधानिक समाधान करना है, जिनके कारण वे सड़क पर उतरने को मजबूर हो रहे हैं। लोकतंत्र की असली परीक्षा यह नहीं कि सरकार कितनी बड़ी भीड़ को रोक सकती है बल्कि यह है कि वह कितने कठिन सवालों का जवाब देने के लिए तैयार है। चुनाव आयोग की विश्वसनीयता केवल ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे से बहाल नहीं होगी बल्कि ऐसी पारदर्शी व्यवस्था से सुनिश्चित होगी, जिस पर हारने वाला भी भरोसा कर सके और जीतने वाला भी।

हमारी शिक्षा, लाइफ और करियर में क्रिएटिविटी एक बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। लेकिन यह बात छोटे बच्चे को आप कैसे समझाएं? अब समर वेकेशन शुरू हो चुकी है और ऐसे में पैरेंट्स यही सोचते हैं कि इन छुट्टियों को बच्चों के लिए कैसे प्रोडक्टिव बनाएं।

बच्चों में रचनात्मकता को प्रोत्साहित करने के ये हैं बेस्ट तरीके

क्रिएटिविटी एक ऐसी चीज है, जो आपको जीवन में और बेहतर बनाता है। हालांकि यह एक गलत धारणा है कि रचनात्मकता एक जन्मजात प्रतिभा है। इसमें आप खूब सारे आइडियाज और इमेजिनेशन का यूज करते हैं और कुछ शानदार आर्ट के साथ आते हैं। हमारी शिक्षा, लाइफ और करियर में क्रिएटिविटी एक बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। लेकिन यह बात छोटे बच्चे को आप कैसे समझाएं? अब समर वेकेशन शुरू हो चुकी है और ऐसे में पैरेंट्स यही सोचते हैं कि इन छुट्टियों को बच्चों के लिए कैसे प्रोडक्टिव बनाएं। अपने बच्चों को क्रिएटिव थिंकिंग के लिए कैसे प्रोत्साहित करें यह हर मां-बाप सोचता है।

सीनियर क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट कहती हैं, 'बच्चों को नई चीजों को आजमाने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। उन्हें उन चीजों के बारे में बताएं और वो चीजें करने के लिए प्रेरित करें, जो उनकी स्कूल करिकुलम का हिस्सा न हों। उनके साथ डॉक्यूमेंट्री देखें और उनसे डॉक्यूमेंट्री के बारे में पूछें।' आइए एक्सपर्ट से जानें कि बच्चों को और किन तरीकों से प्रेरित किया जा सकता है।

बच्चों को सवाल पूछना सिखाएं

बच्चों में रचनात्मक सोच विकसित करने का एक मेन तरीका यह है कि उन्हें हमेशा सवाल करते रहने के लिए प्रेरित करें ।जब भी आप उनके साथ समय बिता रहे हों तो उनसे सवाल पूछें। जैसे आप उनसे छोटे-छोटे सवाल कर सकते हैं। ऐसे में उनके मन में जिज्ञासा बनेगी और वह नई चीजों के बारे में समझने की कोशिश करेंगे। इससे उनके कल्पनाशील कौशल में वृद्धि होगी और समस्या को सुलझाने की क्षमता विकसित होगी।

अच्छी डॉक्यूमेंट्रीज दिखाएं

एक शॉर्ट डॉक्यूमेंट्री स्टोरी स्टूडेंट्स की लिटरेसी को सोर्स, स्वयं से और दुनिया से जुड़ाव के साथ बढ़ाने में मदद करती है। यह न केवल दुनिया को समझने और उससे जुड़ने का अवसर प्रदान करती हैं, बल्कि हमारे आसपास कई चीजों को समझने का भी एक अच्छा तरीका है। अपने बच्चों के साथ कोई भी डॉक्यूमेंट्रीज देखें तो उसकी चर्चा करें। उन्होंने इससे क्या सीखा और क्या समझा जानने की कोशिश करें।

उनके साथ क्विज और पजल खेलें

क्विज और पजल जैसे गेम बच्चों के दिमागी विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं। पजल आपके बच्चे की समस्या-समाधान और क्रिटिकल थिंकिंग स्किल को विकसित करती हैं, जो बाद में जीवन में अन्य स्किल की महारत के लिए महत्वपूर्ण होती हैं। पजल्स बच्चों को पैटर्न रिकग्निशन, मेमोरी और ग्रॉस और फाइन मोटर स्किल दोनों में मदद कर सकती हैं। इसलिए उनके साथ पजल खेलें।

आउटडोर गेम खिलाएं

अपने बच्चों को घर में रहने के लिए ही न कहें। उन्हें बाहर निकालें और कई फन एक्टिविटीज में उन्हें शामिल होने के लिए कहें। बच्चों के साथ आउटडोर गेम्स खेलें। ऐसे में उनकी एक्सरसाइज भी होगी और वे कुछ नया भी सीखेंगे। आप उन्हें तैराकी करने के लिए प्रेरित कर सकते हैं। किसी गेम में जैसे क्रिकेट, फुटबॉल, बैडमिंटन आदि जैसे खेलों में शामिल होने के लिए कह सकते हैं।

सामाजिक और भावनात्मक कौशल सिखाएं

अपने बच्चों सामाजिक और भावनात्मक कौशल सिखाना भी बहुत जरूरी है। उन्हें पशु आश्रयों और वृद्धाश्रमों जैसी जगहों पर ले जाएं और स्वयं सेवा का महत्व सिखाएं। जब बच्चे ऐसा करेंगे तो वह औरों के प्रति भी सेंसेटिव अप्रोच रखने में सक्षम होंगे। ऐसी जगहों पर वे महत्वपूर्ण सामाजिक और भावनात्मक कौशल सीख सकेंगे और साथ ही समाज में भी योगदान दे सकेंगे।

नींद में न करें लापरवाही

इन सबके बाद सबसे महत्वपूर्ण चीज है कि आपका बच्चा पूरी और अच्छी नींद ले। अच्छी नींद का मतलब है कि उसके दिमाग को बेहतर आइडियाज उत्पन्न करने के लिए और नई चीजों पर काम करने के लिए समय मिलेगा। इनोवेटिव आइडियाज तभी आएंगे जब उसके दिमाग को शांति मिलेगी। बाकी एक्टिविटी के साथ उसकी नींद का भी पूरा ध्यान दें।

घर में लगाएं ये फूल तनाव होगा दूर, भीनी-भीनी खुशबू से आएंगी जीवन में खुशियां

आजकल के भागदौड़ भरे जीवन में सुकुन के दो पल चुराना बेहद मुश्किल हो गया है। बिजी लाइफ स्टाइल की वजह से लोग अक्सर तनाव में रहते हैं। ऐसे में इस तनाव को दूर करने के लिए अधिकतर लोग शहर से दूर बाहर किसी हिल स्टेशन पर जाना पसंद करते हैं। लेकिन हर कोई टेंशन कम करने के लिए हिल स्टेशन नहीं जा सकते हैं। लेकिन इसका ये मतलब नहीं है कि आप तनाव में रहें।

आप जीवन की टेंशन को घर में ही कम कर सकते हैं। आपके दिमाग में भी यहीं सवाल आया होगा कि कैसे टेंशन कम होगी? घबराइए मत हम आपकी सारी उलझन को दूर कर देंगे। इस लेख में हम आपको कुछ फूल के बारे में बताएंगे, जो आपके घर में खुशियां लेकर आएंगे। साथ ही यह फूल घर के साथ-साथ जीवन को भी महका देंगे।

चमेली

फूल न केवल घर की सुंदरता को बढ़ाते हैं बल्कि घर का वातावरण भी शुद्ध होता है। ऐसे में आप अपने घर में चमेली के फूल का पौधा लगा सकते हैं। चमेली का फूल अक्सर हर घर में मिल जाता है। इस फूल से पॉजिटिव एनर्जी मिलती है। फूल की भीनी-भीनी खुशबू आपके घर को खुशनुमा माहौल देगी। कहा जाता है कि चमेली का पौधा लगाने से घर में खुशियां आती हैं।

कमल

हिंदू धर्म में कमल का फूल बेहद खास माना जाता है। यह फूल मां लक्ष्मी को बेहद प्रिय है। कहा जाता है कि इस फूल को लगाने से घर में लक्ष्मी और सुख-समृद्धि आती है। घर में इस पौधे को लगाना बेहद शुभ माना जाता है।

मोगरा का फूल

ऐसा कहा जाता है कि घर में मोगरा पौधा लगाने से नकारात्मक ऊर्जा कम हो जाती है। मोगरे के फूल गर्मियों के मौसम में खिलता है। इस फूल की भीनी-भीनी खुशबू आपके तनाव को कम कर देंगे। मोगरा के फूल की खुशबू से घर आपके मन को तरोताजा कर देगी।

गुलाब

गुलाब का फूल न केवल दिखने में खूबसूरत है बल्कि यह फूल औषधीय गुण से भरपूर है। गुलाब की खुशबू तनाव को दूर करने में मदद करती है, साथ ही इससे रिश्ते की मिठास बनी रहती हैं।

चम्पा

चम्पा फूल को लगाने से घर का वातावरण शुद्ध होता है। हल्के पीले और सफेद रंग के ये चम्पा के फूल बहुत ही खूबसूरत होते हैं। इस फूल को लगाने से घर में सौभाग्य आता है।

गुड़हल का फूल

गुड़हल के फूल का उपयोग पूजा-पाठ में किया जाता है। भगवान गणेश को लाल गुड़हल के फूल बेहद पसंद है। ऐसा माना जाता है कि इस फूल को घर में लगाने से सकारात्मक ऊर्जा आती है। लाल गुड़हल के फूल को आप भगवान बजरंगबली को भी अर्पित कर सकते हैं।

पारिजात

ऐसा माना जाता है कि पारिजात का फूल लगाने से घर में सुख-शांति बनी रहती है। यह फूल रात के समय में खिलते हैं सुबह पेड़ से टूटकर गिर जाते हैं। इस फूल की खुशबू से पूरा घर महक जाता है। सुबह-सुबह घर में भीनी-भीनी खुशबू से घर में सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती हैं।

पारिजात के फूल को हरसिंगार के नाम से भी जाना जाता है। इस फूल की खुशबू से तनाव कम हो जाता है।

फर्नीचर हर घर की जरूरत है। आमतौर पर, लोग अपने घर के लिए ऐसे फर्नीचर खरीदना पसंद करते हैं, जो देखने में आकर्षक भी हों और बेहद अफोर्डे बल भी हों। इस लिहाज से प्लास्टिक के फर्नीचर का चयन करना एक अच्छा ऑप्शन माना जाता है। इनमें आपको डिजाइन से लेकर साइज व कलर आदि में एक बिग वैरायटी देखने को मिलेगी।

घर में प्लास्टिक फर्नीचर रखते समय वास्तु के इन टिप्स का रखें ध्यान

यूं तो प्लास्टिक के फर्नीचर का इस्तेमाल करने में कोई समस्या नहीं है। लेकिन अगर आप प्लास्टिक के फर्नीचर को घर में जगह दे रही हैं, तो आपको वास्तु के कुछ नियमों का ध्यान रखना चाहिए। दरअसल, प्लास्टिक के फर्नीचर को अगर घर में सही तरह से ना रखा जाए तो यह कभी-कभी नकारात्मकता भी पैदा कर सकते हैं। तो चलिए आज इस लेख में आपको वास्तुशास्त्री डॉ. आनंद भारद्वाज बता रहे हैं कि घर में प्लास्टिक के फर्नीचर रखते समय किन वास्तु टिप्स का ख्याल रखा जाना चाहिए

कलर का रखें ख्याल

जब आप प्लास्टिक के फर्नीचर का इस्तेमाल कर रही हैं, तो आपको इस बात का विशेष रूप से ध्यान रखना चाहिए कि उस फर्नीचर का कलर कैसा है। आमतौर पर, प्लास्टिक के फर्नीचर के लिए क्रीम, व्हाइट, येलो और लाइट कलर का इस्तेमाल करना काफी अच्छा माना जाता है। कभी भी ब्लैक कलर के प्लास्टिक फर्नीचर को घर में नहीं रखना चाहिए। वहीं, आजकल ऐसे प्लास्टिक फर्नीचर भी अवेलेबल हैं, जिसमें एक साथ कई कलर मिक्स होते हैं, बेहतर होगा कि आप उसे भी अवॉयड करें।

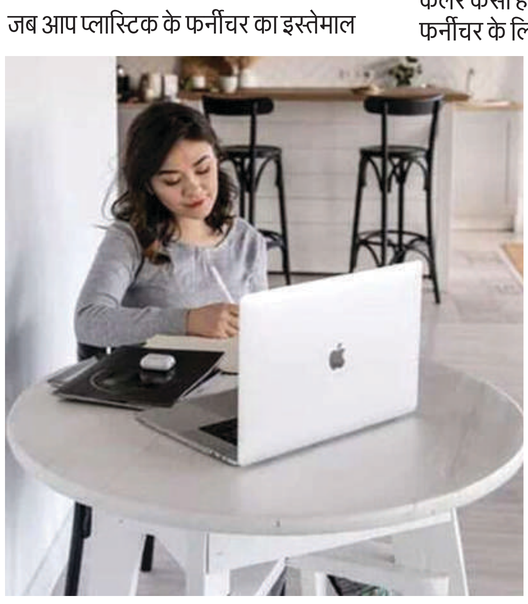

जब करें स्टडी

आजकल बच्चों की स्टडी टेबल और चेयर प्लास्टिक की मिलती हैं, जिन्हें लोग खरीदना काफी पसंद करते हैं। लेकिन वास्तु के अनुसार बच्चों की स्टडी टेबल और चेयर प्लास्टिक की नहीं होनी चाहिए। इससे बच्चे को पढ़ाई में ध्यान लगाने में समस्या पैदा हो सकती है। बेहतर होगा कि आप उनके लिए लकड़ी से बने फर्नीचर को प्राथमिकता दें। हालांकि, आप किसी कारणवश प्लास्टिक फर्नीचर का इस्तेमाल कर रहे हैं तो उस पर कोई कपड़ा बिछा दें।

जब करें पूजा

ऐसे कई लोग होते हैं, जिन्हें घुटनों की समस्या होती है तो वह कुर्सी पर बैठकर पूजा करते हैं। कोशिश करें कि आप जिस कुर्सी का इस्तेमाल पूजा स्थान में कर रहे हैं,, वह प्लास्टिक की ना हो। लेकिन फिर भी अगर आप ऐसा कर रहे हैं, तो कुर्सी पर कोई कपड़ा अवश्य बिछाएं। आपको यह विशेष रूप से ध्यान रखना है कि पूजा करते समय आप प्लास्टिक के डायरेक्ट संपर्क में ना रहें।

लॉन में करें इस्तेमाल

यूं तो प्लास्टिक के फर्नीचर को लोग घर के किसी भी हिस्से में इस्तेमाल करते हैं। लेकिन आमतौर पर इस तरह के फर्नीचर को ऐसी जगह रखने की सलाह दी जाती है, जहां पर आप फुर्सत के पल बिताते हों और कोई बहुत आवश्यक या सेंसेटिव काम ना करते हों। इस लिहाज से प्लास्टिक फर्नीचर को घर के पीछे लॉन या फिर सामने खुले आंगन, व छत आदि पर रखना अधिक अच्छा माना जाता है।

प्लास्टिक का ना हो बेड

कुछ समय पहले तक बेड बनाते समय केवल लकड़ी का ही इस्तेमाल किया जाता था, लेकिन अब मार्केट में प्लास्टिक के बेड भी मिलने लगे हैं। हालांकि, कभी भी घर में प्लास्टिक के बेड का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। बेड एक ऐसा फर्नीचर है, जिस पर आप एक लंबा समय बिताते हैं। ऐसे में प्लास्टिक की एनर्जी आपकी बॉडी की एनर्जी में नकारात्मक परिवर्तन ला सकती है। बेड के लिए हमेशा लकड़ी के इस्तेमाल को ही प्राथमिकता दें।

1 नहीं बल्कि 3 तरीकों से उगाया जा सकता है फ्रेश हरा धनिया

भारतीय घरों में खाने का जायका बढ़ाने के लिए हरा धनिया का इस्तेमाल किया जाता है। इसलिए हर रसोई में खाने में स्वाद और फ्लेवर के लिए फ्रेश धनिया गार्निश के लिए डाला जाता है। हालांकि, हर वक्त फ्रेश धनिया लाना थोड़ा मुश्किल हो जाता है। लेकिन अगर हम आपसे कहें कि आप घर में ही फ्रेश धनिया उगा सकती हैं और वो भी 3 तरीकों से। जी हां, आपने सही पढ़ क्योंकि आज आप इस लेख में जानने वाले हैं घर पर आसानी से हरा धनिया कैसे उगाया जा सकता है

सीड्स से उगाएं हरा धनिया

आप अपने गार्डन में हरा धनिया बीज की सहायता से लगा सकती हैं। (सेहत के लिए वरदान है हरा धनिया, डाइट में जरूर करें शामिल) आपको किसी भी प्लांट की शॉप से बीज आसानी से मिल जाएंगे, जिसे आप किसी गमले, कंटेनर या फिर प्लास्टिक की बोतल में मिट्टी की मदद से पौधा लगा सकती हैं। हालांकि, पौधे की ग्रोथ तभी होगी जब आप इसका नियमित रूप से ध्यान रखेंगी जैसे- आप मिट्टी की नमी पर ध्यान दें, पौधे में नियमित रूप से पानी डालें।

कटिंग से उगाएं हरा धनिया

आप अपने किचन में भी हरा धनिया का पौधा लगा सकती हैं। इसके लिए, आपको बस धनिये के पत्ते की जरूरत होगी। हालांकि, इसके पौधे को सही तरीके से लगाने के लिए आपको मिट्टी सही तरीके से तैयार करनी होगी। साथ ही, आपको बाजार से गमला खरीदकर लाना होगा और इसमें मिट्टी और खाद की मदद से कटिंग लगानी होगी।

हरा धनिया की जड़ का करें इस्तेमाल

बहुत-सी महिलाएं हरा धनिये की जड़ को बेकार समझकर फेंक देते हैं। लेकिन क्या आपको पता है कि आप इसकी जड़ की सहायता से फ्रेश हरा धनिया भी उगा सकती हैं। कहा जाता है कि जड़ से उगाया गया पौधा बीज से ज्यादा अच्छा होता है। साथ ही, इसकी ग्रोथ भी अच्छी होती हैं। इसके लिए बस आपको मिट्टी में जड़ को बोना है और नियमित तौर पर पानी डालना है।

धनिया उगाने का आसान तरीका

आवश्यक सामग्री- कंटेनर/गमला/ प्लास्टिक की बोतल, मिट्टी और खाद, कटिंग/बीज, पानी

विधि - पौधा लगाने के लिए सबसे पहले आपको गमले का चुनाव करना होगा। आप छोटा गमला सेलेक्ट कर सकती हैं। गमले का चुनाव करने के बाद आप इसमें मिट्टी डालें और अच्छी तरह से मिला लें। आप पौधे की मिट्टी तैयार करते समय 50% कोको-पीट और 50% वर्मीकम्पोस्ट का इस्तेमाल कर सकती हैं।

मिट्टी तैयार करने के बाद आप इसमें पौधे की कटिंग, बीज को अच्छी तरह से लगा दें। कटिंग या बीज को लगाने के बाद आप पौधे में पानी डालें।

बस आपका पौधा पूरी तरह से तैयार है। आप इसका नियमित रूप से ध्यान रखें और फ्रेश हरा धनिया आने का इंतजार करें।

मुंबई में कांग्रेस मुख्यालय से आदिवासी छात्रों को हिरासत में लेने का आरोप, पुलिस ने किया इंकार

मुंबई (एजेंसी)। कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि पुलिस ने मुंबई स्थित पार्टी के महाराष्ट्र मुख्यालय तिलक भवन में प्रवेश कर नासिक से पहुंचे आदिवासी छात्रों और एनएसयूआई कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया। पार्टी ने सभी को तत्काल रिहा करने की मांग की है। हालांकि, पुलिस ने तिलक भवन से किसी भी व्यक्ति की गिरफ्तारी से इंकार किया है। महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने आरोप लगाया कि आदिवासी छात्र अपनी मांगों को लेकर आजाद मैदान में प्रदर्शन करने के लिए नासिक से मुंबई आए थे और रात में दादर स्थित तिलक भवन में रुप थे। उनके मुताबिक, पुलिसकर्मी देर रात पार्टी कार्यालय में पहुंचे, छात्रों को धमकाया और कुछ को हिरासत में लिया। सपकाल ने एनएसयूआई महाराष्ट्र अध्यक्ष सागर सालुंखे और युवा कांग्रेस के मुंबई प्रमुख को भी गिरफ्तार करने का दावा किया है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि छात्रों और एनएसयूआई पदाधिकारियों को रिहा नहीं किया गया, तब कांग्रेस नेता मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के सरकारी आवास 'वर्षा' का घेराव करने वाले है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने इस कार्रवाई को लेकर राज्य सरकार पर निशाना साधकर आदिवासी विरोधी बताया। दूसरी ओर, पुलिस उपायुक्त मनीष कलवानिया ने कांग्रेस के आरोपों को खारिज किया। उन्होंने कहा कि तिलक भवन से किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया है। पुलिस के अनुसार, प्रदर्शनकारियों ने राज्यपाल के आवास लोक भवन तक मार्च निकालने का आह्वान किया था। लोक भवन जाने की कोशिश कर रहे लोगों को अलग-अलग स्थानों से हिरासत में लिया गया और उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

कांग्रेस के अनुसार, आदिवासी छात्र छात्रवृत्ति, आश्रम स्कूलों में बुनियादी सुविधाओं और छात्रावासों समेत कई मांगों को लेकर 10 दिन से अधिक समय से आंदोलन कर रहे हैं। पार्टी का दावा है कि कुछ छात्र बसों और पैदल मुंबई पहुंचे हैं। छात्र आदिवासी विकास मंत्री और विभाग के आयुक्त के इस्तीफे की मांग भी कर रहे हैं। कांग्रेस ने कहा कि छात्रों की आवाज दबाने की कोशिश स्वीकार नहीं की जाएगी और पार्टी उनके अधिकारों के लिए उनके साथ खड़ी रहेगी।

गांधीजी पर आपत्तिजनक रील बनाना पड़ा भारी

सूरत (एजेंसी)। सूरत में 47 साल की महिला इंफ्लूएंसर को महात्मा गांधी की तस्वीर वाले 500 रुपए के नोट पर आपत्तिजनक रील डालने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। सूरत पुलिस की साइबर क्राइम ब्रांच ने सोमवार को यह कार्रवाई की। आरोपी की पहचान सिमरन पटेल के रूप में हुई है। उसके इंस्टाग्राम पर करीब 10 लाख फॉलोअर्स हैं। पुलिस के मुताबिक, सिमरन ने 1 अक्टूबर को इंस्टाग्राम पर यह रील अपलोड की थी। इसके बाद एक नागरिक ने पुलिस से शिकायत की। साइबर क्राइम ब्रांच की प्रेस नोट के अनुसार, सिमरन पटेल सूरत के अडाजण इलाके की रहने वाली हैं। वह गृहिणी हैं। पुलिस ने बताया कि रील में 500 रुपए के नोट पर गांधीजी की तस्वीर को अश्लील तरीके से दिखाया गया था। इसमें आपत्तिजनक और अपमानजनक बातें कही गई थीं। रील में यौन संकेत वाले इशारे भी किए गए थे। सिमरन ने यह वीडियो अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया था।

संत रविदास की प्रतिमा तोड़ने के आरोप में पांच आरोपी गिरफ्तार

बलिया (एजेंसी)। यूपी के बलिया जिले के सुखपुरा थाना क्षेत्र में संत रविदास की प्रतिमा तोड़े जाने के मामले में पुलिस ने सात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर उनमें से पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है और दो की तलाश जारी है। पुलिस ने सोमवार को बताया कि सुखपुरा थाना क्षेत्र के कुम्हिया गांव में अनुसूचित बस्ती के लोगों ने संत रविदास मंदिर में प्रतिमा स्थापित की थी, जिसे शनिवार देर रात कुछ अराजक तत्वों ने क्षतिग्रस्त कर दिया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक थानाध्यक्ष ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और क्षतिग्रस्त मरम्मत की तत्काल मरम्मत करा दी। उन्होंने बताया कि रविवार को सोहन राम की तहरीर पर सात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया था। पुलिस ने रविवार को मोहन, राकेश, उमेश, शंभू और अशोक को गिरफ्तार कर लिया है। नामजद आरोपी लालबहादुर और वकील की तलाश की जा रही है। उन्होंने बताया कि अब गांव में स्थिति शांतिपूर्ण है।

विपक्षी विधायक श्रेय न ले सकें इसलिए रोकी जा रही सहायता राशि : सीएम सरमा

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम के सीएम हिमंत बिस्व सरमा ने कहा है कि पूर्वी जिलों में बाढ़ प्रभावित लोगों को दी जाने वाली आर्थिक मदद जारी करने में देरी की जा रही है, ताकि विपक्षी विधायक अखिल गोगोई इसका श्रेय न ले सकें।

सीएम सरमा ने कहा कि करीब सात दिन पहले गोगोई ने मुआवजे के मुद्दे पर मुझसे फोन पर काफी देर तक बात की थी...मैंने उन्हें विस्तार से समझाया था। अब जब उन्हें पता है कि लोगों को पैसा मिलने वाला है, तो वह इसका श्रेय लेना चाहते हैं। हमें सहायता राशि जारी करने में देरी करनी होगी, ताकि वह इसका श्रेय न ले सकें। सरमा ने कहा कि मेरी गलती यह थी कि मैंने उन्हें मुआवजे से जुड़ी जानकारी दे दी। वह इस मुद्दे पर राजनीति कर रहे हैं और मैं भी राजनीति करूंगा।

संस्कृत के श्लोक भी समझें, कंप्यूटर कोड भी: राजनाथ सिंह

अयोध्या , एजेंसी।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि देश को ऐसे विद्यार्थियों की जरूरत है जो संस्कृत के श्लोकों के साथ-साथ कंप्यूटर कोड को भी समझें। वे वेदों के मंत्रों की गहराई को जानें और आधुनिक विज्ञान की भाषा को भी समझने की क्षमता रखें। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को न्याय और मीमांसा जैसे भारतीय ज्ञान-विषयों के साथ आधुनिक समाज की समस्याओं को समझने की योग्यता भी विकसित करनी चाहिए।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को अयोध्या में श्रीनारायण संस्कृत महाविद्यालय के नए भवन का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने संस्कृत के अध्ययन को आधुनिक शिक्षा से जोड़ने पर विशेष जोर दिया है। रक्षा मंत्री ने कहा कि परंपरा को संरक्षित करने का सबसे बेहतर तरीका उसे वर्तमान समय की जरूरतों से जोड़ना है। आने वाली पीढ़ी के लिए केवल अतीत को जानना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसे अतीत से प्रेरणा और शक्ति लेकर भविष्य का निर्माण करना होगा। उन्होंने कहा कि वेदों से लेकर उपनिषद, दर्शन से लेकर व्याकरण, आयुर्वेद से लेकर गणित, ज्योतिष से लेकर साहित्य और न्याय से लेकर मीमांसा तक भारतीय ज्ञान-परंपरा का बड़ा हिस्सा संस्कृत के माध्यम से पीढ़ी-दर-पीढ़ी आगे बढ़ा है। इस परंपरा ने दुनिया की बौद्धिक विरासत को भी समृद्ध किया है। रक्षा मंत्री सिंह ने कहा कि भारतीय सभ्यता की बड़ी विशेषता यह रही है कि यहां ज्ञान को सिर्फ किताबों तक सीमित नहीं रखा गया। ज्ञान को परंपरा बनाया गया और उस परंपरा को संस्कार का रूप दिया गया। इसके बाद शिक्षा के माध्यम से संस्कारों को समाज के व्यवहार में उतारा गया। उन्होंने कहा कि आज पूरी दुनिया भारत की संस्कृति के पुनरुत्थान को देख रही है और अयोध्या एक बार फिर अपने प्राचीन गौरव को प्राप्त कर रही है। इस गौरव में संत परंपरा का योगदान बेहद महत्वपूर्ण रहा है।

उन्होंने कहा कि संस्कृत को केवल एक भाषा के तौर पर नहीं देखा जाना चाहिए। संस्कृत में भारत की ज्ञान-परंपरा का विशाल भंडार मौजूद है। उन्होंने भारतीय संस्कृति में संतों के योगदान को भी रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि भारत की स्मृतियों को एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक पहुंचाने में संतों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। संतों ने लोगों को अपनी संतानों की तरह प्रेम, ज्ञान और शांति का पाठ पढ़ाया। उन्होंने कहा कि देश के संतों ने जेल की यातनाएं सहीं और अपने प्राणों तक की आहुति दी। आज जब रामलला भव्य मंदिर में विराजमान हैं, तब उन संतों को भी याद किया जाना चाहिए, जिनके त्याग और बलिदान से यह संभव हुआ। उन्होंने कहा कि अयोध्या की पुण्यभूमि पर वर्षों का संघर्ष आज भव्य रूप में सामने है और भगवान रामलला अपने घर में विराजमान हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि अयोध्या की संत परंपरा 500 से अधिक वर्षों से श्रीराम जन्मभूमि से जुड़े विभिन्न आंदोलनों की सहयोगी रही है।

यूपी को धर्मांतरण और लव जिहाद मुक्त बनाएंगे: सुरेंद्र जैन

झांसी। विश्व हिंदू परिषद के केंद्रीय संयुक्त महामंत्री सुरेंद्र जैन ने कहा कि अशोक सिंघल के जन्म शताब्दी वर्ष में समाज को उनके अधूरे कार्यों को पूरा करने का संकल्प लेना होगा। उन्होंने कहा कि अशोक जी का सपना उत्तर प्रदेश को धर्मांतरण और लव जिहाद से मुक्त करना था। हम इस सपने को साकार करेंगे। सुरेंद्र जैन ने कहा कि इनके बहकावे में मत आना और उत्तर प्रदेश को लव जिहाद मुक्त, भगवायुक्त तथा जातिवाद मुक्त बनाने का संकल्प लेकर जाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सरकार अशोक सिंघल के बताए मार्ग पर चल रही है और आज उत्तर प्रदेश में सनातन धर्म यशस्वी होता दिखाई दे रहा है। रामजन्मभूमि से जुड़े चंदा विवाद पर उन्होंने कहा कि कुछ लोग सुप्रीम कोर्ट के निर्णय की भी अवहेलना कर रहे हैं। उनके मुताबिक, चंदा चोरी के मामले में सीमित लोग आरोपी थे और वे जेल में हैं। उन्होंने कहा कि किसी पुजारी या ट्रस्टी के चंदा चोरी में शामिल होने की बात सामने नहीं आई। जैन ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि ह्वह्वजो टोटी चोर हैं, वे अगर आरोप लगाएंगे तो हमें हंसी आती है ह्लह्ल उन्होंने कहा कि रामभक्तों की भीड़ आज भी पहले जैसी है और सनातन के प्रति समाज का उत्साह कम नहीं हुआ है। उन्होंने कार्यकताओं से अशोक सिंघल के विचारों को आगे बढ़ाने का आह्वान किया।

एसआईआर विवाद-सुप्रीम कोर्ट संविधान और लोकतंत्र को बचाएं: चिदंबरम

-पूर्व जजों की टिप्पणियों का हवाला देकर चुनाव आयोग के कामकाज पर उठाए सवाल

नई दिल्ली, एजेंसी।

कांग्रेस नेता और राज्यसभा सांसद पी चिदंबरम ने सोमवार को एसआईआर और वोट के अधिकार को लेकर जारी विवाद के बीच सुप्रीम कोर्ट से संविधान और लोकतंत्र की रक्षा के लिए हस्तक्षेप की उम्मीद जताई है। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज जस्टिस रोहिंटन एफ नरिमन और मौजूदा जज जस्टिस उज्जल भूषण की हालिया टिप्पणियों का हवाला देते हुए चुनाव आयोग के कामकाज पर उठ रहे सवालों का जिक्र किया। चिदंबरम ने एक्स पर लिखा कि लोगों को राजकोट में जस्टिस नरिमन और हैदराबाद में जस्टिस भूषण की टिप्पणियां पढ़नी चाहिए। चिदंबरम ने उम्मीद जताई कि सुप्रीम कोर्ट इस मौके पर आगे आएगा और संविधान व लोकतंत्र को बचाएगा। साथ ही उन्होंने अपने राजनीतिक विरोधियों पर तंज कसते हुए 'भक्तों' से चुप रहने की अपील की।

चिदंबरम की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब सुप्रीम कोर्ट में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के कामकाज को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई होनी है। एसआईआर को लेकर भी राजनीतिक दलों और चुनाव आयोग के बीच लगातार विवाद चल रहा है। 4 अक्टूबर को जस्टिस उज्जल भूषण ने चुनावी अधिकार से जुड़े एक कार्यक्रम में कहा था कि अगर किसी प्रक्रिया के कारण लाखों नागरिक अपने मताधिकार से वंचित होते हैं और उन्हें वोट देने के अधिकार के बिना 'दूसरे दर्जे का नागरिक' बना दिया जाता है, तो ऐसी प्रक्रिया मूल रूप से मनमानी है। उन्होंने कहा था कि इस स्थिति को किसी भी तरह के 'व्हाटअबाउटरी' से सही नहीं ठहराया जा सकता। उनके मुताबिक ऐसा कदम संविधान के मूल केंद्र पर चोट है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पूर्व सुप्रीम कोर्ट जज जस्टिस रोहिंटन एफ नरिमन ने भी एसआईआर के दौरान मतदाताओं के नाम हटाए जाने को लेकर चिंता जताई। पश्चिम बंगाल की मतदाता सूची से करीब 90 लाख नाम हटाए जाने का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि वोट देने का अधिकार लोकतंत्र के केंद्र में है। जस्टिस नरिमन ने चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए।

युवाओं से वोटिंग अधिकार छीनने में मिलीभगत: सौरभ दास

सुप्रीम कोर्ट पर सीजेपी के गंभीर आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी।

कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने सुप्रीम कोर्ट पर बेहद गंभीर सवाल उठाए हैं। पार्टी के पदाधिकारी सौरभ दास ने एक बयान जारी कर शीर्ष न्यायालय पर युवाओं के वोटिंग अधिकार को छीनने में मिलीभगत का आरोप लगाया है। उन्होंने इस दौरान दो जजों, मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाला बागची, का नाम लेते हुए कहा कि बंगाल और बिहार में एसआईआर प्रक्रिया को बिना किसी बाधा के चलने देने वाले ये जज अब शांत रहें। दास ने कहा कि भले ही वे अब कुछ करना चाहें, तो कर सकते हैं, लेकिन किसी को इससे फर्क नहीं पड़ता, क्योंकि सुप्रीम कोर्ट जेन जी के वोट देने के अधिकार और राज्य के चुनाव छीनने की इस मिलीभगत में शामिल था।

सौरभ दास ने अपने बयान में न्यायपालिका की विश्वसनीयता पर भी सवाल उठाए। उन्होंने लिखा कि इसे सुनिश्चित करते हुए समय रहते जरूरी याचिकाएं नहीं सुनी गईं, जिनमें महाराष्ट्र सरकार का गिरना, पार्टियों का टूटना और दिल्ली में संवैधानिक संकट जैसे मामले शामिल हैं। दास ने आरोप लगाया कि इन सभी मामलों में भाजपा की मर्जी चली, जो हमारी न्यायपालिका पर एक बड़ा धब्बा है। उन्होंने कहा कि ऐसे में अब सुप्रीम कोर्ट की बेंच जो चाहे करे, लेकिन लोगों की नजरों में उसकी विश्वसनीयता नहीं रहेगी। विश्वसनीयता किस बात की होगी, यह भारत के लोग और युवा तय करेंगे, कोर्ट कल या कभी भी जो चाहे तो करे। बता दें कि पटना के रहने वाले राकेश कुमार सिंह ने इस मामले में एक जनहित याचिका दाखिल की है। इस याचिका के जरिए सुप्रीम कोर्ट से यह तय करने का अनुरोध किया गया है कि क्या मुख्य चुनाव आयुक्त कुमार अकेले उन शक्तियों का इस्तेमाल कर रहे हैं, जो कानूनी तौर पर पूरे निर्वाचन आयोग की है। याचिका में यह भी मांग की गई है कि अगर ऐसा है तो उन कार्यों को अनधिकृत घोषित किया जाए और उपयुक्त कानूनी कार्रवाई की जाए। याचिका में निर्देश देने की मांग की गई है कि प्रतिवादी संख्या 3 (सीईसी) इस याचिका की लंबित अंतिम सुनवाई तक मुख्य निर्वाचन आयुक्त के तौर पर काम न करें। साथ ही यह भी निर्देश दिया जाए कि इस दौरान आयोग का कामकाज प्रतिवादी संख्या 4 (सुखबीर सिंह संधू) और 5 (विवेक जोशी) की सर्वसम्मति से चलाया जाए और परिणामस्वरूप रिक्त होने वाले पद पर कोई भी नियुक्ति एक ऐसी समिति की सिफारिश पर की जाए, जिसमें माननीय प्रधान न्यायाधीश भी शामिल हों।

नीतीश कुमार पहुंचे ललन सिंह के घर, अनंत सिंह-नीरज कुमार विवाद का निकल सकता है हल?

पटना (एजेंसी)। पटना स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के चुनाव को लेकर जेडीयू विधायक अनंत सिंह और पार्टी के उम्मीदवार नीरज कुमार के बीच चल रहे विवाद के बीच पूर्व सीएम नीतीश कुमार केंद्रीय मंत्री ललन सिंह से मिलने उनके आवास पहुंचे। दोनों नेताओं के बीच हुई इस मुलाकात को अनंत सिंह और नीरज कुमार के बीच चल रहे विवाद के लिहाज से अहम माना जा रहा है। जानकारी के मुताबिक ललन सिंह दिल्ली रवाना होने से पहले उनका जवाब आ सकता है। माना जा रहा है कि ललन सिंह के बयान के बाद अनंत सिंह और नीरज कुमार के विवाद पर तस्वीर साफ होने की उम्मीद है। माना जा रहा है कि ललन सिंह का बयान इस पूरे विवाद की दिशा तय कर सकता है।

बता दें इससे पहले जेडीयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने इसे ललन सिंह के क्षेत्र का मामला बताते हुए उनसे समाधान की पहल करने की बात कही थी। वहीं ललन सिंह ने इस पर अब तक एक तरह से चुप्पी साध रखी थी, लेकिन इशारों में यह भी बता दिया था कि वे नीरज कुमार और अनंत सिंह की अदावत के पचड़े से दूर रहना चाहते हैं। अब जब नीतीश कुमार खुद उनके आवास पहुंचे और निशांत कुमार ने खुलकर नीरज कुमार के समर्थन में मोर्चा संभाल लिया है, तो माना जा रहा है कि ललन सिंह की चुप्पी टूटेगी और पार्टी इस विवाद पर अपना स्टैंड क्लियर करेगी।

रिपोर्ट के मुताबिक ललन सिंह ने अब तक इस विवाद पर खुलकर कोई हस्तक्षेप नहीं किया है। वहीं सोमवार को जेडीयू के चारों उम्मीदवारों का नामांकन से पहले नीतीश-ललन की यह मुलाकात बेहद अहम मानी जा रही है। अब नीतीश कुमार का उनके आवास पहुंचना इस पूरे घटनाक्रम में नया मोड़ माना जा रहा है। बता दें अनंत सिंह लगातार नीरज कुमार के खिलाफ खुलकर मोर्चा खोले हुए हैं, जबकि नीरज कुमार पटना स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से जेडीयू के उम्मीदवार हैं। एक ही पार्टी के विधायक और उम्मीदवार के बीच इस तरह का विवाद पार्टी नेतृत्व के लिए भी असहज स्थिति पैदा कर रहा है।

ममता बनर्जी की 2021 चोट की मेडिकल रिपोर्ट कथित तौर पर लीक, अस्पताल को कानूनी नोटिस

कोलकाता , एजेंसी।

पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की 2021 में नंदीग्राम चुनाव प्रचार के दौरान लगी पैर की चोट से जुड़े मेडिकल रिकॉर्ड कथित तौर पर सार्वजनिक होने के बाद राजनीतिक विवाद तेज हुआ है। ममता बनर्जी के वकील ने उनके इलाज से जुड़े गोपनीय दस्तावेजों के कथित अनधिकृत खुलासे को लेकर एसएसकेएम अस्पताल प्रबंधन और राज्य स्वास्थ्य विभाग के कई अधिकारियों को कानूनी नोटिस भेजा है।

नोटिस में आरोप लगा है कि ममता के इलाज और स्वास्थ्य से जुड़ी संवेदनशील जानकारी तथा मेडिकल रिपोर्ट बिना अनुमति सार्वजनिक की गईं। उनके वकील ने मरीज की मेडिकल गोपनीयता और चिकित्सकों के पेशेवर आचार नियमों का उल्लंघन बताया है।

यह कार्रवाई मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी के उन हालिया दावों के बाद हुई है, जिसमें उन्होंने 2021 के विधानसभा चुनाव के दौरान नंदीग्राम में ममता के पैर में लगी चोट को लेकर सवाल उठाए थे। सीएम अधिकारी ने कथित तौर पर मेडिकल दस्तावेजों का हवाला देकर दावा किया कि अस्पताल के रिकॉर्ड में पैर में फ्रैक्चर या डिसलोकेशन का कोई प्रमाण नहीं था। उन्होंने इस मामले की जांच की बात भी कही थी। तृणमूल कांग्रेस ने अधिकारी के आरोपों को खारिज करते हुए उन्हें बेबुनियाद और दुर्भाग्यपूर्ण बताया। पार्टी का आरोप है कि इसतरह के दावे राजनीतिक लाभ लेने और चुनावी माहौल को प्रभावित करने के उद्देश्य से किए जा रहे हैं। मामला 10 मार्च 2021 का है, जब नंदीग्राम के बिरुलिया स्थित रेयापाड़ा इलाके में चुनाव प्रचार के दौरान ममता बनर्जी के बाएं पैर में चोट लगी थी। उन्होंने शुरुआत में आरोप लगाया था कि कुछ लोगों ने उन्हें धक्का दिया, जिससे वह कार के खुले दरवाजे से टकरा गईं। बाद में उन्होंने भीड़ के दबाव में चोट लगने की बात भी कही थी।

कांग्रेस की तीन मांगों में से कोई भी मांग नामंजूर करने का विकल्प नहीं

-खड़गे बोले- तानाशाह घबराया है, ध्यान भटकाने के एक और अध्याय के लिए तैयार रहें

नई दिल्ली, एजेंसी।

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और एसआईआर को लेकर विपक्ष आक्रामक है। सोमवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि कांग्रेस पार्टी की 3 मांगों से समझौता नहीं करेगी। पहली ज्ञानेश कुमार का इस्तीफ़ा, दूसरी- एसआईआर को रद्द करना और तीसरी- बैलेट पेपर पर चुनाव कराना। खड़गे ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि देशभर में कांग्रेस कार्यकर्ता और इंडिया गठबंधन के साथी इन तीन मुद्दों को लेकर सड़कों पर हैं, जो भी सीविल सोसाइट मेंबर्स और यूथ ऑर्गेनाइजेशन इन मुद्दों पर देश में जगह-जगह संघर्ष कर रहे हैं, हम उनके साथ हैं। खड़गे ने कहा कि दूसरी ओर भाजपा ने दिल्ली में महिला पत्रकारों का उत्पीड़न किया, वो बेहद निंदनीय है। तानाशाह बहुत घबराया हुआ है, ध्यान भटकाने के एक और अध्याय के लिए तैयार रहिए।

मुख्य चुनाव आयुक्त और 2 चुनाव आयुक्तों में 10 महीनों के अंदर 14 बार मतभेद हुए। चुनाव आयुक्तों ने इतनी ही बार लिखित आपत्ति दर्ज कराई। विपक्ष का दावा है कि एसआईआर को लेकर चलाई जा रही प्रक्रिया में बड़ी खामी है। गलत तरीके से लोगों का नाम काटा जा रहा है। कई मौकों पर विपक्ष ईवीएम की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े कर चुका है। इसलिए बैलेट पेपर से चुनाव कराने की मांग रखी है। वहीं डीएमके के प्रवक्ता टीकेएस एलंगोवन ने सोमवार को कहा, ज्ञानेश कुमार बीजेपी के गुलाम हैं, न्यूट्रल आदमी नहीं हैं।

विवाद के बीच बीजेपी का कहना है कि जब भी विपक्ष चुनाव हारता है, तो वह ईवीएम या इलेक्शन कमीशन को दोष देता है। तेलंगाना के बीजेपी अध्यक्ष रामचंदर राव ने कहा कि जब वो यहां जीतते हैं तो चुनाव ठीक होता है, हारते हैं तो चुनाव आयोग पर सवाल उठाते हैं।

महाराष्ट्र में दर्ज की जाती हैं सबसे अधिक आत्महत्याएं: डब्ल्यूएचओ

नई दिल्ली, एजेंसी।

किसी देश में आत्महत्या से होने वाली कुल मौतों की संख्या अधिक हो सकती है, लेकिन आबादी के अनुपात में उसकी दर कम हो सकती है। इसलिए देशों की तुलना करते समय कुल मौतों के साथ प्रति एक लाख आबादी पर आत्महत्या की दर को देखना जरूरी होता है।

आत्महत्या दुनिया भर में सार्वजनिक स्वास्थ्य की गंभीर चिंता है। हालांकि अलग-अलग देशों में इसकी स्थिति एक जैसी नहीं है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के आंकड़ों के अनुसार, आबादी के अनुपात में आत्महत्या की सबसे अधिक दर लेसोथो में दर्ज की गई है। यहां प्रति एक लाख लोगों पर करीब 87.5 मौतें बताई गई हैं। यह दर वैश्विक औसत से काफी अधिक है।

आंकड़े यह भी बताते हैं कि कम आबादी वाले किसी देश में कुल मौतों की संख्या कम होने के बावजूद प्रति व्यक्ति दर काफी ज्यादा हो सकती है। प्रति एक लाख आबादी पर आत्महत्या की ऊंची दर वाले देशों में दक्षिण कोरिया भी शामिल है। यहां यह दर करीब 27.5 से 29.1 मौतों के बीच बताई गई है। इसके बाद एस्वातिनी में करीब 27.2, गुयाना में लगभग 24.8 से 26.4 और उरुग्वे में करीब 24.8 मौतें प्रति एक लाख आबादी पर बताई गई हैं। अलग-अलग स्रोतों और वर्षों में आंकड़ों में कुछ अंतर हो सकता है।

भारत की स्थिति को समझने के लिए कुल संख्या और आबादी के अनुपात को अलग-अलग देखना जरूरी है। बड़ी आबादी के कारण भारत में आत्महत्या से होने वाली कुल मौतों की संख्या काफी अधिक है। वहीं प्रति एक लाख आबादी पर दर करीब 12 से 12.5 बताई गई है, जिसके आधार पर भारत की वैश्विक स्थिति करीब 43वें स्थान के आसपास बताई जाती है। उपलब्ध आंकड़ों में वैश्विक औसत करीब 9.2 मौतें प्रति एक लाख आबादी है। भारत में राज्यों के बीच भी तस्वीर अलग-अलग दिखाई देती है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों के मुताबिक कुल मामलों की संख्या के आधार पर महाराष्ट्र में सबसे अधिक आत्महत्याएं दर्ज की जाती हैं। इसके बाद तमिलनाडु, मध्य प्रदेश और पश्चिम बंगाल का स्थान बताया गया है।

हालांकि जब आबादी के अनुपात में दर की बात आती है तो राज्यों की स्थिति बदल जाती है और सिक्किम में दर सबसे अधिक बताई गई है। भारत में कुछ सामाजिक समूह भी विशेष चिंता के दायरे में हैं। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार आत्महत्या करने वालों में दिहाड़ी मजदूरों की हिस्सेदारी 26.4 प्रतिशत बताई गई है। छात्रों और घर संभालने वालों में भी मामलों को लेकर चिंता जताई गई है। 15 से 29 वर्ष की उम्र के युवाओं को विशेष रूप से संवेदनशील समूह माना गया है। इन आंकड़ों को समझते समय यह ध्यान रखना जरूरी है कि अलग-अलग देशों में रिपोर्टिंग व्यवस्था, जनसंख्या संरचना और आंकड़ों की गुणवत्ता अलग हो सकती है।

गंगा कटाव में राहत : बहाव धीमा होने से रेलवे को मिली राहत

सातवें दिन भी युद्धस्तर पर जारी रहा कटावरोधी कार्य, रेलवे अधिकारियों ने मौके पर डाला डेरा

बुजुर्ग, मरीज और छात्रों को सबसे ज्यादा दिक्कत, यात्रियों ने जल्द ट्रेनों के परिचालन की मांग की

सात दिन से ट्रेनों का परिचालन बंद, यात्रियों की बढ़ी परेशानी

बिभा संवाददाता

साहेबगंज । मालदा मंडल के बहरवा-साहेबगंज रेलखंड पर महाराजपुर एवं सकरीगली के बीच झिंझरी पुल के समीप गंगा नदी के कटाव को लेकर पिछले कई दिनों से बनी चिंता के बीच सोमवार को रेलवे को कुछ राहत की खबर मिली। गंगा नदी का बहाव धीमा होने के साथ प्रभावित क्षेत्र में कटाव की स्थिति भी फिलहाल थमती नजर आ रही है। इससे रेललाइन की सुरक्षा को लेकर रेलवे की चिंता कुछ कम हुई है। हालांकि, रेलवे ने अभी खतरा पूरी तरह टलने की बात नहीं मानी है और एहतियातन सुरक्षात्मक एवं कटावरोधी कार्य लगातार जारी रखा है। वहु गंगा के तेज बहाव के कारण झिंझरी पुल के आसपास गंगा नदी की धारा रेल संरचना की ओर दबाव बना रही थी। कटाव बढ़ने की स्थिति में रेलपथ और पुल से जुड़े हिस्से की सुरक्षा प्रभावित होने की आशंका थी। इसे देखते हुए रेलवे ने पिछले सात दिनों से प्रभावित स्थल पर विशेष निगरानी के साथ बचाव कार्य तेज कर रखा है। वहीं मालदा रेल मंडल के एडीआरएम अमरेंद्र कुमार मौर्य की निगरानी में रेलवे के अधिकारी, अभियंता और तकनीकी कर्मी लगातार प्रभावित स्थल पर कैंप कर रहे हैं। अधिकारी नदी के जलस्तर, बहाव की दिशा और कटाव की स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं। मौके पर मौजूद अभियंताओं की टीम परिस्थितियों का आकलन कर आवश्यक तकनीकी निर्णय ले रही है। रेलवे की प्राथमिकता फिलहाल रेललाइन और झिंझरी पुल से जुड़े संवेदनशील हिस्सों को नदी के कटाव से सुरक्षित रखना है। इसके लिए प्रभावित क्षेत्र में सुरक्षात्मक सामग्री का इस्तेमाल कर गंगा नदी के बहाव के दबाव को कम करने तथा संवेदनशील हिस्सों को मजबूत करने का प्रयास किया जा रहा है।

मशीनों और संसाधनों के साथ सातवें दिन भी जारी रहा अभियान

सोमवार को लगातार सातवें दिन रेलवे की ओर से युद्धस्तर पर कटावरोधी और सुरक्षात्मक कार्य जारी रहा। विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी मौके पर तैनात रहे। मशीनों और अन्य संसाधनों की मदद से संवेदनशील हिस्सों को मजबूत किया जा रहा है। नदी के बहाव में आए बदलाव के अनुसार सुरक्षात्मक उपायों में भी आवश्यक बदलाव किए जा रहे हैं। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, वर्तमान में नदी का बहाव पहले की तुलना में धीमा हुआ है और कटाव की स्थिति में भी राहत के संकेत मिले हैं। इसके बावजूद गंगा के जलस्तर और धारा में अचानक बदलाव की संभावना को देखते हुए निगरानी में किसी तरह की ढिलाई नहीं बरती जा रही है।

रेल परिचालन की सुरक्षा पर विशेष नजर

झिंझरी पुल के समीप कटाव की स्थिति सामने आने के बाद रेलवे के लिए सबसे बड़ी चुनौती रेलपथ की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। रेलवे की तकनीकी टीम संवेदनशील स्थानों की नियमित जांच कर रही है। किसी भी संभावित खतरे से निपटने के लिए आवश्यक संसाधन और कर्मी मौके पर मौजूद रखे गए हैं। रेलवे अधिकारियों का कहना है कि फिलहाल स्थिति नियंत्रण में रखने के लिए हरसंभव सुरक्षात्मक कदम उठाए जा रहे हैं। नदी का बहाव धीमा होना और कटाव का रुकना रेलवे के लिए राहत की बात है, लेकिन स्थिति पूरी तरह सामान्य होने तक निगरानी और बचाव कार्य जारी रहेगा। गंगा के बहाव में कमी और कटाव थमने के संकेतों से स्थानीय लोगों और रेल यात्रियों को भी राहत मिली है। अब रेलवे की नजर अगले कुछ दिनों में नदी के जलस्तर और बहाव की स्थिति पर बनी रहेगी। स्थिति स्थिर रहने पर प्रभावित रेल संरचना पर मंडरा रहा खतरा और कम होने की उम्मीद है।

बस और निजी वाहनों पर बढ़ी निर्भरता

ट्रेनों के बंद रहने से यात्रियों के सामने बस, ऑटो, ई-रिक्शा और निजी वाहनों से सफर करने के अलावा फिलहाल ज्यादा विकल्प नहीं रह गया है। लंबी दूरी की यात्रा करने वाले यात्रियों को दूसरे मार्गों से होकर जाना पड़ रहा है। इससे समय और खर्च दोनों बढ़ रहे हैं।.यात्रियों का कहना है कि सामान्य दिनों में ट्रेन उनके लिए सबसे सुविधाजनक और किफायती परिवहन का साधन है। लेकिन पिछले सात दिनों से परिचालन बंद होने के कारण रोजमर्रा की यात्रा प्रभावित हो गई है। खासकर छात्र-छात्राओं को कॉलेज और अन्य शैक्षणिक संस्थानों तक पहुंचने में परेशानी हो रही है।

मरीजों और बुजुर्गों को सबसे ज्यादा परेशानी

इलाज के लिए साहेबगंज, भागलपुर, मालदा और अन्य शहरों की ओर जाने वाले मरीजों एवं उनके परिजनों की परेशानी भी बढ़ गई है। बुजुर्ग यात्रियों के लिए बस या अन्य साधनों से लंबी दूरी तय करना कठिन हो रहा है। कई यात्रियों को ट्रेन सेवा बहाल होने का इंतजार है। यात्रियों का कहना है कि रेलवे सुरक्षा को लेकर उठाए गए कदम जरूरी हैं, लेकिन यदि स्थिति में सुधार हो रहा है तो रेलवे को वैकल्पिक व्यवस्था पर भी विचार करना चाहिए।

ट्रेनों के परिचालन की मांग

यात्रियों ने रेलवे से मांग की है कि यदि पूरे रेलखंड पर ट्रेनों का परिचालन तत्काल शुरू करना संभव नहीं है, तो सुरक्षित हिस्से में कम से कम कुछ लोकल ट्रेनों का भी परिचालन शुरू करने पर विचार किया जाए। यात्रियों का कहना है कि इससे जरूरी काम से आने-जाने वाले लोगों को काफी राहत मिल सकती है। एक यात्री ने कहा कि रेलवे की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए, लेकिन लगातार सात दिनों तक ट्रेनें बंद रहने से आम लोगों की परेशानी भी गंभीर होती जा रही है। यदि तकनीकी रूप से संभव हो तो रेलवे को सीमित संख्या में ट्रेनों के संचालन का विकल्प तलाशना चाहिए।

कटावरोधी कार्य के साथ परिचालन बहाली पर नजर

इधर रेलवे की ओर से लगातार सातवें दिन भी कटावरोधी और सुरक्षात्मक कार्य जारी रहा। गंगा का बहाव धीमा होने और कटाव की स्थिति में राहत मिलने से रेलवे को कुछ राहत जरूर मिली है, लेकिन रेललाइन और पुल की सुरक्षा को लेकर अधिकारी अभी भी पूरी सतर्कता बरत रहे हैं। अब यात्रियों की नजर रेलवे के अगले निर्णय पर टिकी है। लोगों को उम्मीद है कि यदि नदी की स्थिति स्थिर रहती है और रेललाइन को सुरक्षित घोषित किया जाता है, तो जल्द ही ट्रेनों का परिचालन चरणबद्ध तरीके से बहाल किया जा सकता है।

संक्षिप्त खबरें

बच्चों के पोषण और स्वच्छता को लेकर भाजपा ने चलाया जागरूकता अभियान

साहेबगंज(बिभा) । सेवा संकल्प अभियान-2026 के तहत सोमवार को साहेबगंज ग्रामीण मंडल के महादेवगंज स्थित आंगनबाड़ी केंद्रों में आंगन मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों के पोषण, स्वास्थ्य और स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ जरूरतमंदों तक सेवा गतिविधियों को पहुंचाना रहा। वहीं मंडल अध्यक्ष अनुराग राहुल के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में राजमहल के पूर्व विधायक अनंत कुमार ओझा और भाजपा जिलाध्यक्ष गौतम कुमार यादव मुख्य रूप से शामिल हुए। पूर्व विधायक ने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र बच्चों के शुरूआती विकास और स्वास्थ्य की आधारशिला तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने बच्चों के नियमित टीकाकरण, पौष्टिक भोजन और साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने की अपील की। कार्यक्रम के दौरान आंगनबाड़ी सेविका उषा देवी, सहायिका चंचला देवी, सेविका पूनम देवी और सहायिका शोमा देवी को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया। वहीं बच्चों के बीच फल, केला, बिस्कुट सहित पौष्टिक आहार का वितरण किया गया। वहीं भाजपा जिलाध्यक्ष गौतम कुमार यादव ने कहा कि समाज के कमजोर और जरूरतमंद वर्ग तक सेवा कार्य पहुंचाना अभियान का प्रमुख उद्देश्य है। कार्यक्रम में लोगों को बच्चों के संतुलित पोषण, स्वास्थ्य और स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। मौके पर जिला मंत्री चांदनी देवी, निवर्तमान जिला मंत्री मनोज यादव, महिला मोर्चा अध्यक्ष सुनीता देवी, मंडल उपाध्यक्ष निशा देवी, शक्ति केंद्र संयोजक कुंदन कुमार मंडल, करण कुमार यादव, कृष्णानंद, विकास कुमार यादव, उमेश राम, संजीत सिंह सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता और स्थानीय लोग मौजूद रहे।

गांधी सीएलएफ की वार्षिक आमसभा में महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने पर जोर

राधानगर(बिभा) । उधवा प्रखंड क्षेत्र के श्रीधर दियारा पंचायत सचिवालय में सोमवार को गांधी सीएलएफ श्रीधर की वार्षिक आमसभा की बैठक आयोजित की गई। बैठक में श्रीधर दियारा पंचायत के मुखिया तमाल मंडल,वार्ड सदस्य,सीसी मैनुअल सोरेन, आईपीआरपी रमेश हेंब्रम समेत सीएलएफ की पदाधिकारी रीना रॉय,रीता देवी,बकुल रानी रॉय,प्रोमिला ओझा,रूकसाना प्रवीण,ललिता किस्कू एवं अन्य सदस्य उपस्थित रहें। बैठक में स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने के लिए संचालित विभिन्न गतिविधियों पर चर्चा की गई। बताया गया कि गांधी सीएलएफ श्रीधर के अंतर्गत कुल 310 स्वयं सहायता समूह संचालित है। महिलाओं की आजीविका बढ़ाने के लिए मुर्गी पालन, डीडीयू-जीकेवाई के तहत कौशल प्रशिक्षण एवं रोजगार के अवसर तथा आरसेटी प्रशिक्षण की जानकारी दी गई। सदस्यों को विभिन्न आजीविका गतिविधियों से जुड़कर आय बढ़ाने और आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया गया। मौके पर जनप्रतिनिधियों और पदाधिकारियों ने स्वयं सहायता समूहों की गतिविधियों की सराहना की। उन्होंने महिलाओं के आर्थिक एवं सामाजिक सशक्तिकरण में सीएलएफ और एसएचजी की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। बैठक में समूहों की गतिविधियों की समीक्षा के साथ महिलाओं की आजीविका संवर्धन और आगामी कार्य योजनाओं पर भी चर्चा की गई।

गौरचन्द्र हत्याकांड का पुलिस ने किया उद्भेदन, चचेरा भाई गिरफ्तार

आपसी रंजिश में हत्या का पुलिस के सामने किया खुलासा, घटनास्थल से चाकू बरामद

बिभा संवाददाता

राजमहल । राधानगर थाना क्षेत्र के मोहनपुर चौक के पास एनएच सड़क पर बिते 4 अक्टूबर की सुबह गौरचन्द्र बागती की गला रेतकर हुई हत्या के मामले का पुलिस ने उद्भेदन करते मृतक के चचेरे भाई बहादुर बागती, पिता स्व. सुफल बागती, निवासी मोहनपुर को गिरफ्तार किया है। जिसकी जानकारी राजमहल एसडीपीओ विमलेश त्रिपाठी ने बताया कि 4 अक्टूबर की सुबह करीब 4:45 बजे राधानगर थाना को मोहनपुर चौक के समीप गौरचन्द्र बागती की हत्या किए जाने की सूचना मिली थी। सूचना के बाद वरीय पदाधिकारियों को अवगत कराया गया। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर राजमहल अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में विशेष छापामारी दल का गठन किया गया। वहीं छापामारी दल ने मानवीय और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर मृतक के चचेरे भाई बहादुर बागती को हिरासत में लिया। कहा कि उनसे पूछताछ के दौरान उसने घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार की और आपसी रंजिश को हत्या का कारण बताया। साथ ही कहा कि आरोपी के द्वारा घटना में प्रयुक्त एक चाकू घटनास्थल से बरामद किया गया है। साथ ही कहा कि मामले में राधानगर थाना कांड संख्या 353/26 के तहत प्राथमिकी दर्ज कर अनुसंधान जारी है। वहीं गिरफ्तार आरोपी को सोमवार को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया।वहीं छापेमारी अभियान में राजमहल एसडीपीओ विमलेश त्रिपाठी के अलावे राजमहल इंस्पेक्टर राजीव रंजन, राजमहल थाना प्रभारी हसनैन अंसारी, गंगा नदी थाना प्रभारी अरूण कुमार सिंह थाना प्रभारी गंगा नदी, राधानगर पुअनि संग्राम सिंह सोय सहित पुलिस बल शामिल थे।

16 चक्का वाहन की चपेट में आने से वृद्ध की मौत, जांच में जुटी पुलिस

बिभा संवाददाता

बरहरवा । बरहरवा थाना क्षेत्र के बरहरवा-फरक्का मुख्य मार्ग पर रिसौड़ मोड़ के समीप रविवार की देर शाम एक भीषण सड़क हादसे में 60 वर्षीय वृद्ध की दर्दनाक मौत हो गई। विपरीत दिशा से आ रही 16 चक्का वाहन की चपेट में आने से वृद्ध ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। वही मृतक की पहचान बरहरवा नगर के रतनपुर निवासी 60 वर्षीय वीरेंद्र नाथ पांडेय, पिता महावीर पांडेय के रूप में हुई है। वहीं स्थानीय लोगों से मिली जानकारी के अनुसार, वीरेंद्र नाथ पांडेय रविवार की शाम बेलडांगा से अपने घर रतनपुर लौट रहे थे। इसी दौरान बरहरवा-फरक्का मुख्य मार्ग पर रिसौड़ के समीप विपरीत दिशा से तेज गति में आ रही 16 चक्का वाहन संख्या यूपी 44 एटी 3199 ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। जिससे वीरेंद्र नाथ पांडेय को संभलने तक का मौका नहीं मिला और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। इधर घटना के बाद वाहन चालक मौके पर रुकने के बजाय वाहन लेकर फरार होने लगा। यह देख आसपास मौजूद ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए वाहन का पीछा कर सिरासीन मोड़ के पास पकड़ लिया। इधर घटना की सूचना मिलते ही बरहरवा थाना के एएसआई पंकज कुमार सिंह दल बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और घटना कि जानकारी लिया। साथ ही शव को अपने कब्जे में ले करपोस्टमार्टम के लिए अनुमंडलीय अस्पताल राजमहल भेज दिया। वहीं शव को पोस्टमार्टम करा कर सोमवार को परिजनों को सौंप दिया गया है। फिलहाल पुलिस घटना की छानबीन में जुट गई है।

22वीं राज्य स्तरीय वूशु चैंपियनशिप में साहेबगंज का शानदार प्रदर्शन, खिलाड़ियों ने जीते 5 पदक

बिभा संवाददाता

साहेबगंज । रांची के सिल्ली स्थित प्रेम वाटिका हॉल में 3 से 4 अक्टूबर तक आयोजित 22वीं झारखंड राज्य स्तरीय सीनियर वूशु चैंपियनशिप में साहिबगंज जिले के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एक स्वर्ण, एक रजत और तीन कांस्य समेत कुल पांच पदक अपने नाम किए। झारखंड वूशु संघ, रांची के तत्वावधान में आयोजित प्रतियोगिता में जिला वूशु संघ, साहिबगंज के सचिव सह प्रशिक्षक मृत्युंजय राय एवं सरताफ के नेतृत्व में जिले की टीम ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता में प्रीति कुमारी ने 60 किलोग्राम वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीता। वहीं प्रिंस कुमार ने 45 किलोग्राम वर्ग में रजत पदक हासिल किया। इसके अलावा सुनीता मरांडी ने 56 किलोग्राम, रीना हांसदा ने 52 किलोग्राम तथा विराट कुमार ने 60 किलोग्राम वर्ग में कांस्य पदक जीतकर जिले का नाम रोशन किया। पदक जीतकर लौटे खिलाड़ियों को उपायुक्त दीपक कुमार दूबे, जिला खेल पदाधिकारी नयन कुमार, शिक्षक अभिनव कुमार, खेल शिक्षिका जूली मुर्मू समेत जिले के खेल प्रेमियों ने बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

बरहरवा-तीनपहाड़ स्टेशन से पांच नाबालिग बच्चों का रेस्क्यू, परिजनों को सौंपने से पहले संरक्षण केंद्र भेजा

बिभा संवाददाता

बरहरवा । आरपीएफ बरहरवा की टीम ने सोमवार को तीनपहाड़ और बरहरवा रेलवे स्टेशन पर गश्त एवं चेकिंग के दौरान अलग-अलग परिस्थितियों में पांच नाबालिग बच्चों को रेस्क्यू कर सुरक्षित संरक्षण में लिया। आरपीएफ पोस्ट बरहरवा के प्रभारी संजीव कुमार के नेतृत्व में की गई कार्रवाई के बाद सभी बच्चों को आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर संरक्षण एवं देखरेख के लिए मंथन, बरहरवा की प्रतिनिधि आराधना मंडल और अंशु मालाकार को सुपुर्द किया गया। आरपीएफ के अनुसार, 5 अक्टूबर की रात करीब 10:35 बजे तीनपहाड़ रेलवे स्टेशन के सकुर्लेटिंग एरिया में गश्त के दौरान एक नाबालिग बालिका अपने करीब दो वर्षीय छोटे भाई को गोद में लेकर अकेली घूमती मिली। संदेह होने पर आरपीएफ कर्मियों ने उससे पूछताछ की। बालिका ने बताया कि पारिवारिक कारणों से वह अपने छोटे भाई को लेकर घर से निकल गई थी और भटकते हुए स्टेशन पहुंच गई। दोनों बच्चों को तत्काल सुरक्षित अभिरक्षा में लेकर आरपीएफ पोस्ट बरहरवा लाया गया। वहीं, 5 अक्टूबर की रात करीब 12:20 बजे बरहरवा रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या-1 और वेटिंग रूम में चेकिंग के दौरान तीन अन्य नाबालिग बच्चे अलग-अलग स्थानों पर मिले। पूछताछ में सामने आया कि सभी अपने-अपने घरों से बिना अभिभावकों को बताए निकले थे। इनमें तीनपहाड़ थाना क्षेत्र के रहने वाले 17 वर्षीय नाबालिग बालक और 16 वर्षीय नाबालिग बालिका भी शामिल थे। पूछताछ में दोनों ने बताया कि वे करीब दो वर्षों से एक-दूसरे के संपर्क में थे और पारिवारिक सहमति नहीं होने के कारण 4 अक्टूबर को घर से बिना बताए निकलकर बरहरवा स्टेशन पहुंचे थे। दोनों पश्चिम बंगाल की ओर जाने का प्रयास कर रहे थे। इसी तरह बरहेट थाना क्षेत्र की रहने वाली 16 वर्षीय नाबालिग बालिका ने बताया कि सोशल मीडिया के माध्यम से करीब एक वर्ष से पटना निवासी एक व्यक्ति से उसकी बातचीत होती थी। परिवार द्वारा इस संबंध को लेकर आपत्ति जताए जाने के बाद वह 4 अक्टूबर की शाम घर से बिना बताए निकल गई और सड़क मार्ग से बरहरवा स्टेशन पहुंची थी। वह उक्त व्यक्ति से मिलने के लिए पटना जाने का प्रयास कर रही थी। वहीं आरपीएफ टीम ने समय रहते सभी पांचों नाबालिगों को सुरक्षित अभिरक्षा में लिया। इसके बाद उनके परिजनों से संपर्क स्थापित कर आवश्यक सत्यापन किया गया। नियमानुसार वैधानिक प्रक्रिया पूरी करने के बाद बच्चों को मंथन, बरहरवा की प्रतिनिधि आराधना मंडल और अंशु मालाकार को आगे की आवश्यक कार्रवाई, देखरेख और संरक्षण के लिए सुपुर्द किया गया।

अभिभावकों से आरपीएफ की अपील

आरपीएफ ने अभिभावकों से अपील की है कि वे बच्चों के साथ नियमित संवाद बनाए रखें और उनकी भावनात्मक एवं व्यक्तिगत समस्याओं को समझने का प्रयास करें। साथ ही मोबाइल फोन के इस्तेमाल और बच्चों की गतिविधियों पर उचित निगरानी रखें, ताकि वे किसी परेशानी या बहकावे में आकर बिना बताए घर से न निकलें और जोखिमपूर्ण परिस्थितियों में न फंसें।

शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक में डीसी के सख्त निर्देश, कम उपस्थिति वाले स्कूलों पर होगी कार्रवाई

बिभा संवाददाता

साहेबगंज। समाहरणालय स्थित कार्यालय प्रकोष्ठ में सोमवार को उपायुक्त दीपक कुमार दूबे की अध्यक्षता में शिक्षा विभाग की मासिक समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में विद्यालयों में शिक्षक एवं छात्र उपस्थिति, स्कूलों के निरीक्षण, अपार आईडी निर्माण, नामांकन, पाठ्यपुस्तक वितरण और विद्यालय से बाहर बच्चों की शिक्षा समेत विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों की समीक्षा की गई। बैठक के दौरान विद्यालय निरीक्षण की स्थिति संतोषजनक नहीं पाए जाने पर उपायुक्त ने नाराजगी जताई। उन्होंने सभी प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारियों एवं प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारियों को निर्धारित मानक के अनुसार विद्यालयों का नियमित निरीक्षण कर निरीक्षण प्रतिवेदन अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। अगले समीक्षा बैठक से पहले निरीक्षण पूरा कर रिपोर्ट नहीं देने पर संबंधित पदाधिकारी के विरुद्ध नियमानुसार विभागीय कार्रवाई की चेतावनी दी गई। साथ ही उपायुक्त ने जिला शिक्षा पदाधिकारी एवं जिला शिक्षा अधीक्षक को प्रत्येक शनिवार विद्यालयों का औचक निरीक्षण करने और कमियों को चिन्हित कर सुधारात्मक कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। वहीं प्रखंड स्तर के पदाधिकारियों को प्रत्येक सप्ताह दो दिन निजी विद्यालयों का निरीक्षण एवं अनुश्रवण करने को कहा गया।

शिक्षक उपस्थिति में कमी पर डीसी सख्त

शिक्षक उपस्थिति की समीक्षा में अगस्त और सितंबर 2026 के राज्य स्तरीय तुलनात्मक आंकड़ों में कमी सामने आने पर उपायुक्त ने गंभीरता जताई। उन्होंने सभी शिक्षकों की नियमित और समयबद्ध उपस्थिति सुनिश्चित कराने तथा ई-विद्यावाहिनी पोर्टल पर उपस्थिति का सही और समय पर अंकन करने का निर्देश दिया। वहीं डीसी ने स्पष्ट निर्देश दिया कि जिन शिक्षकों द्वारा बायोमेट्रिक उपस्थिति दर्ज नहीं की जाती है, उनके उस दिन के वेतन या मानदेय को नियमानुसार स्थगित रखने की कार्रवाई की जाए। कम उपस्थिति वाले विद्यालयों और प्रखंडों की नियमित समीक्षा करने को भी कहा गया।

छात्र उपस्थिति बढ़ाने पर जोर

बैठक में छात्र-छात्राओं की उपस्थिति की भी समीक्षा की गई। उपायुक्त ने कम उपस्थिति वाले विद्यालयों को चिन्हित कर विद्यालय प्रबंधन एवं संबंधित अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित करने और नियमित अनुश्रवण के माध्यम से उपस्थिति में सुधार लाने का निर्देश दिया। मध्याह्न भोजन योजना तथा ई-विद्यावाहिनी पोर्टल पर दर्ज छात्र उपस्थिति की भी गहन समीक्षा करने को कहा गया।

3 लाख विद्यार्थियों में 1.78 लाख की बनी अपार आईडी

बैठक में विद्यार्थियों की डिजिटल शैक्षणिक पहचान अपार आईडी निर्माण की प्रगति की भी समीक्षा हुई। बताया गया कि जिले के विद्यालयों में लगभग 3 लाख विद्यार्थियों के विरुद्ध 4 अक्टूबर तक 1,78,208 अपार आईडी तैयार की जा चुकी हैं। उपायुक्त ने आधार सत्यापित सभी विद्यार्थियों की अपार आईडी बनाने के कार्य में तेजी लाने का निर्देश दिया। बैठक में जिला शिक्षा पदाधिकारी नयन कुमार, जिला शिक्षा अधीक्षक उर्मिला हांसदा, सभी प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी, प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी एवं शिक्षा विभाग के अन्य पदाधिकारी व कर्मी उपस्थित थे।

पूर्व रेलवे

ई-निविदा सूचना सं. जेएमपी-इलेक्ट-94-2026, दिनांक 01.10.2026; उप मुख्य विद्युत अभियंता, पूर्व रेलवे, जमालपुर वर्कशॉप, जिला-मुंगेर, बिहार, पिन-811214 द्वारा निविदा सं. जेएमपी-इलेक्ट-94-2026 के लिए ई-निविदा आमंत्रित की जाती हैं। **बंद होने की तारीख/समय 23.10.2026 को 15.00 बजे।** बोलीदातागण सिर्फ बंद होने की तारीख एवं समय तक अपनी मूल/संशोधित बोलियां जमा कर पाएंगे। इस निविदा के लिए मैनुअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं है तथा अगर कोई मैनुअल प्रस्ताव प्राप्त होता है, तो उस पर ध्यान नहीं दिया जाएगा। **कार्य का नाम:** न्यू ऑडिटोरियम, आईआरआईएमईई में स्थापित सेंट्रलाइज्ड एवं स्प्लिट एयर कंडीशनिंग सिस्टमों का एक-बार मरम्मत तथा रखरखाव एवं तत्पश्चात व्यापक वार्षिक रखरखाव संविदा (एएमसी)। **विज्ञापित निविदा मूल्य:** रु. 16,95,975; **बयाना राशि:** रु. 33,900/-। **निविदा दस्तावेज की कीमत:** शून्य। **बोली शुरू होने की तारीख:** 09.10.2026; बोलीदाताओं को ऑनलाइन बोली लगाने के विस्तृत नियमों एवं विनियमों तथा पद्धति के लिए **www.ireps.gov.in** देखने की सलाह दी जाती है। (MISC-214/2026-27)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/ www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

संक्षिप्त डायरी

पटना में 12 लाख की लागत से बनेगा कोलकाता के मंदिर जैसा पंडाल, 15 फुट की होगी प्रतिमा, बंगाल के कारीगर कर रहे तैयार

पटना (एजेंसी) पटना में 92 साल पुरानी दुर्गा पूजा समिति कोलकाता के मंदिर की तर्ज पर 40-50 फीट ऊंचा भव्य पंडाल बना रही है. 15 फीट की मां दुर्गा की प्रतिमा होगी खास आकर्षण. पटना के पीरमुहानी में इस बार दुगार्पूजा का पंडाल श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बनने जा रहा है. श्रीश्री मां दुर्गा पूजा समिति नवयुवक संघ 92वें वर्ष में कोलकाता के मंदिर की तर्ज पर भव्य पंडाल तैयार करा रही है. करीब 40 से 50 फुट ऊंचे इस पंडाल को थमोकौल से सजाया जा रहा है. पंडाल और प्रतिमा निर्माण में कोलकाता से आए कारीगर जुटे हैं. 92 साल पुरानी पूजा समिति का खास आयोजन पीरमुहानी स्थित श्रीश्री मां दुर्गा पूजा समिति नवयुवक संघ वर्ष 1934 से दुगार्पूजा का आयोजन करती आ रही है. इस वर्ष समिति अपनी 92वीं वर्षगांठ के साथ पूजा का आयोजन करेगी. लंबे समय से चली आ रही पूजा परंपरा के कारण पीरमुहानी की दुगार्पूजा का स्थानीय स्तर पर खास महत्व है. 40 से 50 फुट ऊंचा होगा पंडालइस बार पूजा पंडाल को कोलकाता के एक मंदिर के प्रतिरूप के रूप में तैयार किया जा रहा है. करीब 40 से 50 फुट ऊंचे पंडाल के निर्माण और सजावट में थमोकौल का इस्तेमाल किया जा रहा है. पंडाल में बंगाल की पारंपरिक स्थापत्य शैली की झलक देखने को मिलेगी. कोलकाता से आए कारीगर कर रहे तैयारी पंडाल तैयार करने के लिए कोलकाता से कारीगरों की टीम पीरमुहानी पहुंची है. कारीगर मंदिर की संरचना और सजावट को आकर्षक रूप देने में जुटे हैं. समिति का प्रयास है कि पंडाल देखने आने वाले श्रद्धालुओं को बंगाल की कला और शिल्प का अलग अनुभव मिले. 15 फुट ऊंची होगी मां दुर्गा की प्रतिमा पंडाल के साथ मां दुर्गा की प्रतिमा भी आकर्षण का बड़ा केंद्र होगी. करीब 15 फुट ऊंची प्रतिमा तैयार की जा रही है. मूर्तिकार वीरेंद्र पाल की टीम इसकी निर्माण प्रक्रिया में जुटी है. प्रतिमा की बनावट और सजावट में भी कोलकाता की पारंपरिक कारीगरी की झलक दिखाई देगी. पंडाल के साथ होगी खास रोशनी पूजा पंडाल में मंदिर की स्थापत्य शैली को उभारने के लिए आकर्षक प्रकाश सज्जा की तैयारी भी की जा रही है. रोशनी और पंडाल की सजावट को इस तरह तैयार किया जाएगा कि शाम के समय इसका स्वरूप और भी आकर्षक नजर आए. करीब 12 लाख रुपये खर्च का अनुमान समिति के अनुसार पूजा, पंडाल, विद्युत सजावट, प्रतिमा निर्माण और अन्य व्यवस्थाओं पर करीब 12 लाख रुपये खर्च होने का अनुमान है. पूजा के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की उम्मीद है. हर साल कुछ नया करने की कोशिश समिति के अध्यक्ष अर्जुन यादव ने बताया कि हर वर्ष दुगार्पूजा में कुछ नया करने का प्रयास किया जाता है. इस बार कोलकाता के मंदिर को पंडाल का आधार बनाया गया है, ताकि श्रद्धालुओं को पूजा के दौरान अलग अनुभव मिल सके.ये सदस्य संभाल रहे आयोजन की जिम्मेदारी पूजा आयोजन में सुमित यादव, टोनू मौर्य, रामू यादव, चिंटू यादव, कल्लू शर्मा, नीरज गुप्ता, चिंटू गुप्ता, गोलू और दिनेश यादव समेत अन्य सदस्य सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं. समिति के सदस्य पंडाल, प्रतिमा और प्रकाश सज्जा से जुड़ी तैयारियों में जुटे हैं.

सारण के परसा में बाढ़ के बीच ट्रैक्टर बना लाइफलाइन, नाव से भी पहुंच रहे लोग; चार दिन से बिजली गुल

पटना (एजेंसी) सारण में बाढ़ का कहर जारी. परसा प्रखंड में जलस्तर बढ़ने से जनजीवन अस्त-व्यस्त. खेत का ट्रैक्टर बना जीवनरक्षक, नावों का भी हो रहा इस्तेमाल. रं१ल्ल ऋंङ्ङ्ग : परसा प्रखंड में बाढ़ की स्थिति लगातार बनी हुई है. जलस्तर बढ़ने से लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी बुरी तरह प्रभावित हुई है. कई इलाकों में खेतों में कृषि कार्य के लिए इस्तेमाल होने वाला ट्रैक्टर अब बाढ़ पीड़ितों के लिए लाइफलाइन बन गया है. लोग ट्रैक्टर के सहारे जरूरी सामान की खरीदारी के लिए परसा बाजार पहुंच रहे हैं. वहीं, बाढ़ प्रभावित इलाकों में लोगों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने और रेस्क्यू करने में भी ट्रैक्टर की मदद ली जा रही है. कई जगहों पर नावों का परिचालन भी हो रहा है. मजबूरी में ट्रैक्टर का सहारा, कुछ जगह मनमाना किराया बाढ़ की

परिस्थिति में ट्रैक्टर और नाव लोगों के लिए बड़ा सहारा बने हुए हैं. जलजमाव के कारण कई इलाकों का सड़क संपर्क प्रभावित हो गया है. ऐसे में ग्रामीण जरूरी सामान लेने, दवा लाने और अन्य आवश्यक कामों के लिए ट्रैक्टर का सहारा ले रहे हैं. हालांकि, ग्रामीणों का कहना है कि कुछ ट्रैक्टर मालिकों द्वारा जरूरत के समय मनमाना किराया वसूला जा रहा है. इसके बावजूद बाढ़ के बीच आवागमन के सीमित साधनों के कारण लोगों को मजबूरी में ट्रैक्टर से ही आवाजाही करनी पड़ रही है. परसा हाई स्कूल के पास सड़क पर तेज बह रहा पानी परसा हाई स्कूल के समीप सड़क पर बाढ़ का पानी तेज गति से बह रहा है. यहां से छोटे वाहनों और बाइक सवारों का गुजरना जोखिम भरा बना हुआ है. परसा-मकेर मुख्य सड़क पर भारी मात्रा में पानी जमा होने के कारण आवागमन बुरी तरह प्रभावित है. इसी तरह परसा-सोनहो मार्ग और परसा बाजार से बनौता जाने वाली सड़क पर भी बाढ़ का पानी जमा है. इन मार्गों से गुजरने वाले लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. कई स्थानों पर पानी की स्थिति को देखते हुए लोग पैदल या छोटे वाहनों से जाने के बजाय ट्रैक्टर और नाव का सहारा ले रहे हैं. परसा नगर पंचायत के चेतन परसा मिजापुर के अलावा परसौना, बनकेरवा, अंजनी, बनौता और पकहिया समेत कई गांवों में जलजमाव की स्थिति गंभीर बनी हुई है. कई जगहों पर पानी से गांव टापू जैसी स्थिति में बदल गये हैं. ग्रामीणों के अनुसार, बाढ़ के पानी के कारण सामान्य आवागमन प्रभावित होने से रोजमर्रा की जरूरतों के लिए भी लोगों को काफी मशक्कत करनी पड़ रही है. कई स्थानों पर विशालकाय पेड़ों के गिरने से आवागमन की परेशानी और बढ़ गयी है. सरकारी स्कूलों और कार्यालयों में भी पानी प्रवेश करने की सूचना है. बाढ़ प्रभावित इलाकों में नावों का भी हो रहा परिचालन जहां सड़क मार्ग से आवागमन संभव नहीं है, वहीं, कई इलाकों में ट्रैक्टर भी बाढ़ के पानी के बीच लोगों के लिए सबसे उपयोगी साधन बना हुआ है. खेतों में चलने वाला यही ट्रैक्टर अब लोगों को बाजार तक पहुंचाने और बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों से बाहर निकालने में काम आ रहा है. बाढ़ के बीच पिछले चार दिनों से बिजली आपूर्ति बाधित रहने से ग्रामीणों की परेशानी और बढ़ गयी है. जिन घरों में इनवर्टर की सुविधा थी, वहां कुछ समय तक मोबाइल चार्ज हो पा रहा था. लेकिन इनवर्टर की बैटरी डिस्चार्ज होने के बाद मोबाइल चार्ज करना भी मुश्किल हो गया है. जलजमाव के कारण लोग दूसरे स्थानों पर आसानी से नहीं जा पा रहे हैं. वहीं, मोबाइल नेटवर्क की समस्या और बैटरी खत्म होने के कारण रिश्तेदारों और परिचितों से संपर्क भी प्रभावित हो गया है. जरूरी कॉल के लिए मोबाइल की बैटरी बचा रहे लोग बाढ़ प्रभावित कई लोग मोबाइल की बैटरी बचाने के लिए केवल जरूरी कॉल ही रिसीव कर रहे हैं. बिजली आपूर्ति बाधित रहने और मोबाइल चार्ज नहीं हो पाने के कारण लोगों को संपर्क टूटने की चिंता बनी हुई है. ग्रामीणों का कहना है कि बाढ़ के बीच बिजली और संचार व्यवस्था प्रभावित होने से परेशानी काफी बढ़ गयी है.

गोपालगंज के डीएलएड अभ्यर्थियों के लिए जरूरी खबर, 8-9 अक्टूबर को विकल्प बदलने का मौका

पटना (एजेंसी)
डीएलएड सत्र 2026-28 की दूसरी चयन सूची 10 अक्टूबर को जारी होगी. अभ्यर्थी 8 और 9 अक्टूबर को नया विकल्प भरने या पुराने विकल्प में बदलाव कर सकेंगे. डीएलएड में नामांकन का इंतजार कर रहे अभ्यर्थियों के लिए अहम अपडेट है. बिहार विद्यालय परीक्षा समिति की डीएलएड संयुक्त प्रवेश परीक्षा 2026 के आधार पर राज्य के गैर-सरकारी प्रशिक्षण संस्थानों में सत्र 2026-28 की खाली सीटों पर नामांकन प्रक्रिया आगे बढ़ रही है. पहली चयन सूची के बाद अब खाली सीटों को भरने के लिए दूसरी चयन सूची जारी की जायेगी. दूसरी चयन सूची 10 अक्टूबर को जारी होगी. इससे पहले अभ्यर्थियों को अपनी पसंद के प्रशिक्षण संस्थान का नया विकल्प भरने या पहले से भरे विकल्प में बदलाव करने का मौका मिलेगा. 8 और 9 अक्टूबर को विकल्प भरने का मौका दूसरी चयन सूची में शामिल होने के इच्छुक अभ्यर्थी 8 और 9 अक्टूबर को नये प्रशिक्षण संस्थान का विकल्प भर सकेंगे. पुराने विकल्प में भी जरूरत के अनुसार बदलाव किया जा सकेगा. चयन उपलब्ध खाली सीटों और अभ्यर्थियों की ओर से

दिये गये विकल्प के आधार पर किया जायेगा. इसलिए अभ्यर्थियों के लिए विकल्प भरने या पुराने विकल्प में बदलाव करने की यह प्रक्रिया महत्वपूर्ण है. निर्धारित अवधि के बाद विकल्प में बदलाव का मौका नहीं मिलने की स्थिति में आगे की चयन प्रक्रिया उपलब्ध विकल्प के आधार पर ही होगी. 10 अक्टूबर को जारी होगी दूसरी चयन सूची बिहार विद्यालय परीक्षा समिति की ओर से दूसरी चयन सूची 10 अक्टूबर को जारी की जायेगी. इसमें खाली सीटों और अभ्यर्थियों की ओर से भरे गये विकल्प के आधार पर चयन किया जायेगा. दूसरी चयन सूची में नाम आने वाले अभ्यर्थियों को 10 से 13 अक्टूबर तक संबंधित प्रशिक्षण संस्थान में नामांकन कराने का मौका मिलेगा. इसी अवधि में स्लाइड-अप के लिए भी आवेदन किया जा सकेगा. 14 अक्टूबर तक सीटों की जानकारी अपडेट करनी होगी दूसरी चयन सूची के आधार पर नामांकन प्रक्रिया पूरी होने के बाद संबंधित प्रशिक्षण संस्थानों को 14 अक्टूबर तक पोर्टल पर नामांकन और खाली सीटों की स्थिति अपडेट करनी होगी. इसके बाद बची हुई सीटों के आधार पर आगे की चयन प्रक्रिया शुरू होगी. पहली चयन सूची से नामांकन की प्रक्रिया जारी डीएलएड की पहली चयन सूची 3 अक्टूबर को जारी की गयी है. इसके आधार पर 3 से 6 अक्टूबर तक नामांकन कराया जा रहा है. इसी अवधि में चयनित अभ्यर्थियों को स्लाइड-अप के लिए आवेदन करने का मौका भी दिया गया है. पहली चयन सूची के आधार पर नामांकन प्रक्रिया पूरी होने के बाद संबंधित प्रशिक्षण संस्थानों को 7 अक्टूबर तक पोर्टल पर सीटों की स्थिति अपडेट करनी होगी. इसके बाद खाली बची सीटों को दूसरी चयन सूची के लिए शामिल किया जायेगा. तीसरी चयन सूची के लिए 15 और 16 अक्टूबर को विकल्प दूसरी चयन सूची के बाद भी यदि प्रशिक्षण संस्थानों में सीटें खाली रह जाती हैं, तो तीसरी चयन सूची जारी की जायेगी. इसके लिए अभ्यर्थियों को 15 और 16 अक्टूबर को नये विकल्प भरने या पहले से भरे विकल्प में बदलाव करने का मौका दिया जायेगा. इसके बाद 23 अक्टूबर को तीसरी चयन सूची जारी होगी. तीसरी चयन सूची में चयनित अभ्यर्थियों का 23 से 25 अक्टूबर तक नामांकन कराया जायेगा. संबंधित प्रशिक्षण संस्थानों को 26 अक्टूबर तक पोर्टल पर सीटों की स्थिति अपडेट करनी होगी. अभ्यर्थी तारीखों का रखें विशेष ध्यान डीएलएड नामांकन की पूरी प्रक्रिया निर्धारित तारीखों के अनुसार होगी. ऐसे में अभ्यर्थियों को विकल्प भरने से लेकर चयन सूची और नामांकन तक की प्रत्येक तिथि का ध्यान रखना होगा. निर्धारित समय में विकल्प नहीं भरने या चयन के बाद नामांकन की प्रक्रिया पूरी नहीं करने पर आगे की चयन प्रक्रिया में परेशानी हो सकती है. अभ्यर्थी चयन सूची, विकल्प भरने, स्लाइड-अप और नामांकन से संबंधित विस्तृत जानकारी बिहार विद्यालय परीक्षा समिति की डीएलएड वेबसाइट पर देख सकते हैं.

गोपालगंज में डिजिटल हाजिरी पर सवाल, स्कूल से बाहर रहकर उपस्थिति और दूसरी फोटो के इस्तेमाल के आरोप

पटना (एजेंसी) गोपालगंज में डिजिटल हाजिरी व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं. शिक्षकों की गैरमौजूदगी में हाजिरी दर्ज होने और फर्जी तस्वीरों के इस्तेमाल के आरोप सामने आए हैं. दर्जनों शिक्षकों से जवाब मांगा गया है. इ-शिक्षाकोष पर डिजिटल हाजिरी लागू होने के बाद उम्मीद थी कि स्कूलों में शिक्षकों की मौजूदगी की निगरानी और मजबूत होगी. लेकिन विभागीय जांच में सामने आ रहे मामले इस व्यवस्था की निगरानी पर सवाल खड़े कर रहे हैं. हाजिरी में गड़बड़ी अब सिर्फ देर से स्कूल पहुंचने तक सीमित नहीं है. कहीं विद्यालय से बाहर रहकर डिजिटल हाजिरी दर्ज करने, तो कहीं पुरानी या किसी दूसरे व्यक्ति की तस्वीर से उपस्थिति दर्ज करने के आरोप सामने आये हैं. स्थापना डीपीओ विनय कुमार सुमन ने बताया कि ऐसे मामलों में दर्जनों शिक्षकों से स्पष्टीकरण मांगा जा चुका है. संबंधित शिक्षकों को साक्ष्य के साथ

जवाब देने का निर्देश दिया गया है. स्पष्टीकरण और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जायेगी. लोकेशन और फोटो की भी हो रही जांच विभागीय जांच में डिजिटल हाजिरी से जुड़े लॉग-इन डेटा, समय और लोकेशन का मिलान किया जा रहा है. जांच के दौरान निर्धारित समय के बाद हाजिरी दर्ज करने के साथ विद्यालय परिसर से बाहर रहकर उपस्थिति बनाने के मामले भी सामने आये हैं. कुछ मामलों में जियो फेंसिंग या जीपीएस लोकेशन से छेड़छाड़ की आशंका भी जतायी गयी है. वहीं, कुछ मामलों में शिक्षक की जगह किसी अन्य व्यक्ति की तस्वीर से उपस्थिति दर्ज होने का उल्लेख विभागीय पत्रों में किया गया है. कुछ मामलों में पुरानी अथवा डुप्लीकेट फोटो के इस्तेमाल की आशंका भी जतायी गयी है. इन-टाइम और आउट-टाइम की तस्वीरों पर भी सवाल जांच के दौरान एक मामले में इन-टाइम और आउट-टाइम में दर्ज तस्वीरों को लेकर भी सवाल उठाये गये हैं. दोनों तस्वीरों में अलग-अलग परिधान होने की बात सामने आने के बाद विभाग ने संबंधित शिक्षक से स्पष्टीकरण मांगा है. विभाग अब डिजिटल हाजिरी में दर्ज फोटो, समय और लोकेशन का मिलान कर संदिग्ध मामलों की पड़ताल कर रहा है. इससे यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि हाजिरी वास्तव में विद्यालय परिसर से ही दर्ज की गयी थी या नहीं. डिजिटल व्यवस्था के बावजूद गड़बड़ी कैसे हुई डिजिटल हाजिरी में फोटो, समय और लोकेशन जैसी जानकारियां दर्ज होने के बावजूद यदि संदिग्ध उपस्थिति के मामले सामने आ रहे हैं, तो निगरानी व्यवस्था की प्रभावशीलता पर सवाल उठना स्वाभाविक है. प्रखंड और जिला स्तर पर डिजिटल हाजिरी की नियमित मॉनिटरिंग कितनी प्रभावी है, इसकी भी समीक्षा जरूरी हो गयी है. विभागीय स्तर पर अब ऐसे मामलों की जांच कर यह देखा जा रहा है कि तकनीकी व्यवस्था में किसी तरह की कमी का फायदा उठाकर उपस्थिति में गड़बड़ी की गयी या नियमों की अनदेखी की गयी. स्पष्टीकरण के बाद तय होगी आगे की कार्रवाई शिक्षा विभाग ने संबंधित शिक्षकों को निर्धारित समय में साक्ष्य के साथ स्पष्टीकरण देने का निर्देश दिया है. जवाब संतोषजनक नहीं मिलने पर निलंबन समेत विभागीय कार्रवाई, वेतन से संबंधित कार्रवाई और गंभीर मामलों में कानूनी कदम उठाये जाने की चेतावनी दी गयी है. हालांकि, नोटिस में लगाये गये आरोपों को अंतिम निष्कर्ष नहीं माना जा सकता. संबंधित शिक्षकों के स्पष्टीकरण और विभागीय जांच पूरी होने के बाद ही यह स्पष्ट होगा कि किन मामलों में आरोप सही पाये जाते हैं और किन मामलों में शिक्षकों का पक्ष स्वीकार किया जाता है.

सैदपुर व राजीव नगर नालों का काम इस दिन से होगा शुरू

पटना (एजेंसी) पटना में मानसून खत्म होते ही 300 शहरी विकास परियोजनाएं फिर शुरू होंगी. राजीव नगर व सैदपुर नालों का निर्माण इस महीने के अंत तक शुरू हो जाएगा, जिससे लोगों को बड़ी राहत मिलेगी. : मानसून खत्म होते ही राजधानी में रुकी हुई शहरी विकास परियोजनाओं पर दोबारा काम शुरू होगा. राजीव नगर नाला, सैदपुर नाला समेत सड़क, पार्क, घाट और नालों के पक्कीकरण से जुड़े 300 से अधिक प्रोजेक्टों को फिर से गति देने की तैयारी है. इन परियोजनाओं पर बुडको की ओर से काम कराया जा रहा है. त्योहारों से पहले काम शुरू करने की तैयारी बारिश के कारण कई निर्माण कार्यों को रोक दिया गया था. अब बुडको इस महीने के अंत तक इन परियोजनाओं पर काम दोबारा शुरू करने की तैयारी में है. वित्तीय वर्ष 2024-25 और 2025-26 में स्वीकृत परियोजनाओं में सड़क निर्माण, पुरानी सड़कों की मरम्मत, पार्क और घाटों का विकास तथा नालों के निर्माण से जुड़े काम शामिल हैं. 2025-26 के 177 रुके प्रोजेक्ट फिर होंगे शुरू वित्तीय वर्ष 2025-26 में स्वीकृत 500 परियोजनाओं में से 177 प्रोजेक्टों पर काम प्रगति पर था, लेकिन मॉनसून के दौरान इन्हें रोकना पड़ा. अब इन परियोजनाओं पर दोबारा काम शुरू किया जाएगा. वहीं, 2024-25 में स्वीकृत 393 परियोजनाओं में से 127 रुके हुए प्रोजेक्ट भी फिर से शुरू होंगे. आठ डिविजन में बांटकर कराया जा रहा काम पटना में बुडको ने शहरी विकास से जुड़े कार्यों को आठ डिविजन में बांटा है. इनमें अजीमाबाद, बांकीपुर, कंकड़बाग, नूतन राजधानी, पटना पश्चिम, पाटलिपुत्र, पटना पूर्वी और पटना सिटी डिविजन शामिल हैं. अलग-अलग इलाकों में स्वीकृत परियोजनाओं को इन्हीं डिविजनों के माध्यम से आगे बढ़ाया जा रहा है. इंद्रपुरी में नाला बना, सड़क की मरम्मत बाकी वार्ड नंबर सात के इंद्रपुरी रोड नंबर 10 में बॉक्स नाला का निर्माण पूरा हो चुका है, लेकिन खोदी गयी सड़क की मरम्मत नहीं होने से लोगों को परेशानी हो रही है. योगीपुर चौक से गांधी नगर तक बनेगा नाला और सड़क वार्ड 45 के गीता प्रसाद रोड में योगीपुर चौक से गांधी नगर तक नाला और सड़क निर्माण का काम होना है. करीब 1.57 करोड़ रुपये की लागत वाली इस परियोजना में नाले का काम पूरा हो चुका है, जबकि सड़क निर्माण बाकी है. अब रुके हुए काम को फिर से शुरू किया जाएगा. सैदपुर नाले का काम दो हिस्सों में एक साथ होगा सैदपुर नाले के निर्माण को पूरा करने के लिए बुडको दो अलग-अलग हिस्सों में एक साथ काम शुरू करेगा. समय पर निर्माण पूरा करने के लिए गायघाट और रामपुर की ओर से एक साथ काम कराने की तैयारी है. निर्माण में बाधा बन रहे बिजली के खंभों को दूसरी जगह शिफ्ट कर दिया गया है. नाले में पानी के बहाव को भी अस्थायी रूप से डायवर्ट किया गया है. राजीव नगर नाले में राजापुर पुल की ओर से शुरू होगी ढलाई सैदपुर नाले के साथ राजीव नगर के बड़े नाले का निर्माण भी फिर से शुरू किया जाएगा. मॉनसून की शुरूआत में जुलाई में लोगों को राहत देने के लिए नाले का निर्माण कार्य रोक दिया गया था. अब राजापुर पुल की ओर से निर्माण शुरू करने की तैयारी है. बिजली के खंभे हटे, नाले की गाद की सफाई जारी राजीव नगर नाले के किनारे रविवार को बिजली के खंभे हटाने का काम किया गया. इसके साथ ही नाले में जमा गाद की सफाई भी की जा रही है.

मसौढ़ी में कार्रवाई करने पहुंची पुलिस पर फिर बरसे पत्थर, घरों से कट्टा-कारतूस बरामद, 38 गिरफ्तार,

पटना (एजेंसी) मसौढ़ी में शराब माफिया के खिलाफ पुलिस पर पथराव हुआ. 38 गिरफ्तार, कट्टा-कारतूस और शराब बरामद. जानें पूरा मामला. मसौढ़ी के पिपरा थाना क्षेत्र के बेहरावां चकिया गांव में शराब के खिलाफ कार्रवाई करने पहुंची पुलिस टीम पर एक दिन पहले हुए हमले के बाद रविवार को पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की. एसएसपी के निर्देश पर भारी संख्या में पुलिस बल गांव पहुंचा, लेकिन टीम के पहुंचते ही ग्रामीणों की ओर से फिर पथराव शुरू कर दिया गया. इस दौरान एक चारपहिया और पांच दोपहिया वाहन क्षतिग्रस्त हो गये. हालांकि रविवार की कार्रवाई में किसी पुलिसकर्मी के जख्मी होने की सूचना नहीं है. कार्रवाई के दौरान पुलिस ने 32 महिलाओं और छह पुरुषों को गिरफ्तार किया. तलाशी के दौरान एक घर से देसी कट्टा और तीन जिंदा कारतूस बरामद किये गये. वहीं अलग-अलग घरों से करीब एक हजार लीटर देसी शराब भी बरामद हुई. पुलिस ने पुनपुन नदी के किनारे जमीन में छिपाकर रखे गये करीब 20 हजार लीटर अर्द्धनिर्मित शराब को भी मौके पर नष्ट कराया. भारी संख्या में पुलिस बल के साथ गांव पहुंची टीम रविवार को एसडीपीओ मसौढ़ी राघव दयाल के नेतृत्व में पिपरा थाना, पुनपुन थाना, लहसुना थाना, केवड़ा ओपी, नौबतपुर और जानीपुर थाने की पुलिस के साथ पुलिस लाइन से अतिरिक्त बल बेहरावां चकिया पहुंचा. पुलिस टीम के पहुंचते ही गांव में फिर से पथराव शुरू हो गया. पुलिस के अनुसार, बल की संख्या अधिक होने के कारण कार्रवाई को रोका नहीं गया और तलाशी अभियान जारी रखा गया. इस दौरान कई पुरुष पुलिस कार्रवाई से बचने के लिए पुनपुन नदी में छलांग लगाकर दूसरी ओर निकल गये. पुलिस ने मौके से 32 महिलाओं और छह पुरुषों को गिरफ्तार कर लिया. घर से कट्टा और तीन कारतूस बरामद इसके बाद पुलिस टीम ने गांव के कई घरों में तलाशी अभियान चलाया. पुलिस के अनुसार, रवि मांझी के घर से एक देसी कट्टा और तीन जिंदा कारतूस बरामद किये गये. तलाशी के दौरान अलग-अलग घरों में प्लास्टिक में पैक कर रखी गयी करीब एक हजार लीटर देसी शराब भी मिली. पुलिस ने शराब के अवैध कारोबार के खिलाफ कार्रवाई को आगे बढ़ाते हुए पुनपुन नदी के किनारे भी तलाशी ली.

पूर्णिया-पटना ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे के भू-अर्जन में तेजी, डीएम ने समय पर मुआवजा भुगतान का दिया निर्देश

पटना (एजेंसी) पूर्णिया में ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे और अन्य महत्वपूर्ण परियोजनाओं के लिए भू-अर्जन की प्रक्रिया में तेजी लाई गई है. डीएम ने कार्यों को प्राथमिकता से पूरा करने का निर्देश दिया. पूर्णिया : पूर्णिया-पटना ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे समेत जिले में चल रही केंद्र और राज्य सरकार की महत्वपूर्ण आधारभूत संरचना परियोजनाओं के लिए भू-अर्जन की प्रक्रिया में तेजी लाने की कवायद शुरू हो गयी है. जिलाधिकारी अंशुल कुमार ने समाहरणालय स्थित प्रज्ञान सभागार में भू-अर्जन कार्यों की विस्तृत समीक्षा की. उन्होंने अधिकारियों और संबंधित कार्यकारी एजेंसियों को आपसी समन्वय के साथ लंबित कार्य निर्धारित समय सीमा में पूरा करने का निर्देश दिया. समीक्षा के दौरान पूर्णिया-पटना ग्रीनफील्ड

एक्सप्रेसवे, एनएचएआई की विभिन्न परियोजनाओं, विद्युत ग्रिड, आईडीए परियोजना, पॉलिटेक्निक कॉलेज, मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, रेलवे ओवरब्रिज समेत अन्य जनहितकारी परियोजनाओं के लिए चल रहे भू-अर्जन कार्यों की स्थिति की जानकारी ली गयी. एक्सप्रेसवे के भू-अर्जन को प्राथमिकता डीएम ने पूर्णिया-पटना ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे के विभिन्न चरणों में चल रहे भू-अर्जन कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा कराने का निर्देश दिया. उन्होंने संबंधित अधिकारियों से संयुक्त मापी, भूमि प्रतिवेदन, पोर्टल पर राशि अपलोड करने और मुआवजा भुगतान से जुड़े लंबित कार्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा करने को कहा. समीक्षा के दौरान बताया गया कि कई परियोजनाओं के लिए संयुक्त मापी और अधियाचनाओं से संबंधित कार्य चल रहे हैं. संबंधित एजेंसियों को आवश्यक कार्रवाई के लिए निर्देशित किया गया है. वहीं, कुछ परियोजनाओं में अवार्ड तैयार कर मुआवजा भुगतान की प्रक्रिया भी आगे बढ़ायी जा रही है. मेडिकल कॉलेज, ग्रिड और रेलवे ओवरब्रिज की भी समीक्षा विद्युत ग्रिड, मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, पॉलिटेक्निक कॉलेज और रेलवे ओवरब्रिज जैसी महत्वपूर्ण परियोजनाओं के लिए आवश्यक भूमि उपलब्ध कराने की दिशा में हुई प्रगति की भी समीक्षा की गयी. डीएम ने अधिकारियों से भूमि उपलब्धता से जुड़ी समस्याओं को चिह्नित कर उनके समाधान की दिशा में तेजी से काम करने को कहा. रैयतों को समय पर मिले मुआवजा बैठक में प्रभावित रैयतों को नियमानुसार समय पर मुआवजा भुगतान सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया. लंबित आपत्तियों का निष्पादन करने और आवश्यक अभिलेखों के सत्यापन की प्रक्रिया जल्द पूरी करने का निर्देश दिया गया. डीएम ने सभी संबंधित विभागों, अंचल अधिकारियों, परियोजना पदाधिकारियों और कार्यकारी एजेंसियों को आपसी समन्वय के साथ काम करने को कहा. उन्होंने स्पष्ट किया कि केंद्र और राज्य सरकार की महत्वपूर्ण परियोजनाओं के क्रियान्वयन में अनावश्यक देरी स्वीकार्य नहीं होगी. सभी संबंधित अधिकारियों को निर्धारित लक्ष्यों को समय पर पूरा करने का निर्देश दिया गया.

रनवाल एंटरप्राइजेज के शेयर की बाजार में धीमी शुरुआत

नई दिल्ली ।

रियल एस्टेट डेवलपर रनवाल एंटरप्राइजेज लिमिटेड के शेयर ने सोमवार को शेयर बाजार में फीकी शुरुआत की। बीएसई पर शेयर 306 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ, जो 305 रुपये के निर्गम मूल्य से मामूली 0.32 प्रतिशत अधिक है। एनएसई पर शेयर 305 रुपये के निर्गम मूल्य के बराबर भाव पर ही सूचीबद्ध हुआ। बाद में कारोबार के दौरान बीएसई पर शेयर 3.22 प्रतिशत फिसलकर 295.15 रुपये पर आ गया। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 4,365.68 करोड़ रुपये रहा। रनवाल एंटरप्राइजेज लिमिटेड के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को शेयर बिक्री के अंतिम दिन गत मंगलवार को 2.5 गुना अभिदान मिला था। आईपीओ का मूल्य दायरा 290-305 रुपये प्रति शेयर था। आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) पूरी तरह से 500 करोड़ रुपये तक के नए शेयर पर आधारित था। इससे जुटाई गई राशि का इस्तेमाल कर्ज चुकाने, भविष्य की रियल एस्टेट परियोजनाओं के वित्तपोषण और सामान्य कारोबारी जरूरतों के लिए किया जाएगा।

एसवेक्टर का शेयर 11.5 फीसदी गिरावट के साथ सूचीबद्ध

नई दिल्ली ।

सॉफ्टबैंक समर्थित डिजिटल-कॉमर्स मंच एसवेक्टर लिमिटेड का शेयर अपने 32 रुपये के निर्गम मूल्य से 11.5 प्रतिशत की गिरावट के साथ सोमवार को बाजार में सूचीबद्ध हुआ। स्नैपडील के मूल कंपनी का शेयर बीएसई पर 28.30 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ जो निर्गम मूल्य से 11.56 प्रतिशत की गिरावट है। एनएसई पर शेयर ने निर्गम मूल्य से 11.5 प्रतिशत की गिरावट के साथ 28.32 रुपये पर शुरुआत की। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 1,394.75 करोड़ रुपये रहा। एसवेक्टर लिमिटेड के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को मंगलवार को बोली के अंतिम दिन 4.93 गुना अभिदान मिला था। कंपनी के 420 करोड़ रुपये के आईपीओ का मूल्य दायरा 30-32 रुपये प्रति शेयर था।

बाजार की गिरावट में भी पांच इक्विटी फंड्स का जलवा

- फंडों ने अपनी विशिष्ट वैश्विक और सेक्टर-केंद्रित निवेश रणनीतियों के चलते गिरावट को मात दी

नई दिल्ली ।

पिछले सप्ताह शेयर बाजार में बिकवाली के भारी दबाव के बावजूद, पांच इक्विटी म्युचुअल फंड्स ने निवेशकों को सकारात्मक रिटर्न देकर चौंका दिया। वैल्यू रिसर्च के आंकड़ों के अनुसार, इन फंडों ने अपनी विशिष्ट वैश्विक और सेक्टर-केंद्रित निवेश रणनीतियों के चलते गिरावट को मात दी। बाजार की चुनौतियों के बीच भी इन फंडों ने उल्लेखनीय प्रदर्शन किया। इनमें सबसे ऊपर रहा निप्पॉन इंडिया जापान इक्विटी फंड, जिसने पिछले एक हफ्ते में 2.54 फीसदी का प्रभावशाली रिटर्न दिया, और एक साल में 30.60 फीसदी की मजबूत वृद्धि दर्ज की। दूसरे स्थान पर आदित्य बिड़ला सन लाइफ ग्लोबल इमर्जिंग अपॉर्च्युनिटीज फंड रहा, जिसने 0.86 फीसदी साप्ताहिक और 18.98 फीसदी वार्षिक रिटर्न दिया। सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) क्षेत्र में, डीएसपी निफ्टी आईटी इंडेक्स फंड और डीएसपी निफ्टी आईटी ईटीएफ ने क्रमशः 0.46 फीसदी और 0.45 फीसदी का सकारात्मक रिटर्न देकर अपनी चमक बिखेरी।

मुंबई टी1 विवाद- एयरलाइंस ने अदाणी से मांगे बातचीत के रिकॉर्ड

नवी मुंबई शिफ्टिंग के आदेश पर भी उठाए सवाल

मुंबई ।

विमानन कंपनियों ने मुंबई एयरपोर्ट के ऑपरेटर अदाणी समूह (एमआईएएल) के उन दावों को सिरे से खारिज कर दिया है, जिनमें कहा गया था कि टर्मिनल 1 के पुनर्विकास को लेकर 2020 से उनसे व्यापक बातचीत चल रही है। एयरलाइन ऑपरेटर्स कमिटी (एओसी) ने एमआईएएल को एक पत्र भेजकर 2020 से हुई ऐसी सभी बैठकों के रिकॉर्ड और बातचीत का विवरण मांगा है। इसके साथ ही एयरलाइंस ने मुंबई एयरपोर्ट से अपनी 33 प्रतिशत अंतरराष्ट्रीय सेवाओं को हाल ही में खुले नवी मुंबई एयरपोर्ट पर 25 अक्टूबर तक शिफ्ट करने के आदेश के आधार पर भी सवाल उठाए हैं।

अदाणी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड (एएएचएल) ने हाल ही में एक विज्ञप्ति जारी कर कहा था कि 60 साल पुरानी टर्मिनल 1 बिल्डिंग को लेकर सुरक्षा संबंधी चिंताओं के कारण एयरलाइंस को नवी मुंबई शिफ्ट होने को कहा गया है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 472, निफ्टी 133 अंक उछला

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आया है। अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में तेजी से बढ़ने की आशंकाओं में कमी आने से भी घरेलू बाजार उछला है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 472.77 अंकों की बढ़त के साथ ही 72,382.47 अंकों पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी इंडेक्स 133.80 अंकों की तेजी की साथ ही 22,555.75 अंकों पर बंद हुआ। आज सेंसेक्स की 30 में से 20 कंपनियों के शेयर बढ़त के साथ ही ऊपर आये जबकि बाकी 10 कंपनियों के शेयर गिरावट पर बंद हुए। वहीं दूसरी ओर, निफ्टी 50 की 31 कंपनियों के शेयर तेजी के साथ बढ़त पर बंद हुए। बची हुई 18 कंपनियों के शेयर गिरावट के साथ लाल निशान पर बंद हुए जबकि एक कंपनी का शेयर बिना किसी बदलाव के बंद हुआ। आज सेंसेक्स की कंपनियों में शामिल आईटीसी के शेयर सबसे ज्यादा 4.49 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुए।

जबकि एचसीएल टेक का शेयर आज सबसे ज्यादा 3.69 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ। वहीं एटरनल, भारती एयरटेल के शेयरों में तेजी रही। आज बजाज फाइनेंस, अडाणी पोर्ट्स, आईसीआईसीआई बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एलएंडटी, एनटीपीसी तेजी के साथ बंद हुए जबकि एचडीएफसी बैंक, सन फार्मा, इंफोसिस, एशियन पेंट्स, ट्रेंट, कोटक महिंद्रा बैंक के शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। वहीं इससे पहले आज सुबह वैश्विक बाजारों से मिले अच्छे संकेतों की वजह से सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सेंसेक्स और निफ्टी शुरुआती कारोबार में तेजी के साथ खुले।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को भारतीय रुपया 6 पैसे की गिरावट के साथ 96.31 पर बंद हुआ। आज सुबह कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी के दबाव के बीच रुपया सोमवार को शुरुआती कारोबार में सीमित दायरे में रहा और 96 प्रति डॉलर के स्तर के आसपास बना रहा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की समय-समय पर डॉलर की खरीद-बिक्री संबंधी कार्रवाई से दिन के कारोबार में अत्यधिक उतार-चढ़ाव को कम करने और रुपये में तेज गिरावट को रोकने में मदद मिली। हालांकि ऊंची आयात लागत तथा डॉलर की लगातार मजबूती ने निवेशकों की धारणा पर दबाव बनाए रखा। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 96.20 प्रति डॉलर पर खुला। फिर फिसलकर 96.26 प्रति डॉलर पर आ गया जो यह पिछले बंद भाव के मुकाबले एक पैसे की गिरावट है। रुपया गुरुवार को 96 प्रति डॉलर के स्तर से नीचे आ गया था और 96.25 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था।

अक्टूबर में म्युचुअल फंड निवेशकों के लिए तीन नए अवसर

- जियोब्लैकरॉक, कोटक और एचडीएफसी ला रहे डेट

मुंबई ।

म्युचुअल फंड में निवेश करने वाले लोगों के लिए अक्टूबर 2026 की शुरुआत में तीन नए निवेश विकल्प खुलने जा रहे हैं। जियोब्लैकरॉक, कोटक महिंद्रा और एचडीएफसी म्युचुअल फंड अपने नए फंड ऑफर (एनएफओ) के साथ बाजार में उतर रहे हैं, जो निवेशकों को विविध रणनीतियों वाले फंड्स में निवेश का मौका देंगे। ये तीनों एनएफओ 5 अक्टूबर को खुल गए हैं और 19 अक्टूबर को बंद होंगे। पहला है जियोब्लैकरॉक इनकम प्लस आर्बिट्राज ओम्नी फंड ऑफ फंड। यह एक ओपन-एंडेड हाइब्रिड स्कीम है, जिसका उद्देश्य एक्टिव या पैसिव डेट और आर्बिट्राज फंड्स में निवेश करके आय अर्जित करना है। न्यूनतम 500 रुपए के निवेश से शुरू होने वाले इस फंड को मॉडरेट रिस्क कैटेगरी में रखा गया है और इसमें कोई लॉक-इन या एग्जिट लोड नहीं है। दूसरा, कोटक निफ्टी 500 इंडेक्स फंड है, जो कोटक महिंद्रा म्युचुअल फंड की इक्विटी फ्लेक्सी कैप स्कीम है। यह निफ्टी 500 इंडेक्स में शामिल कंपनियों के प्रदर्शन को ट्रैक करेगा। इसमें न्यूनतम 1,000 रुपए का निवेश किया जा सकता है और इसे वेरी हाई रिस्क श्रेणी में रखा गया है। तीसरा ऑफर एचडीएफसी निफ्टी लार्ज मिडकैप इंडेक्स फंड है। यह एक एग्रेसिव हाइब्रिड स्कीम है जो इक्विटी और डेट सिक्योरिटीज में निवेश करेगी। इसमें न्यूनतम 100 रुपए से निवेश संभव है और यह हाई रिस्क कैटेगरी में आता है। इन एनएफओ में निवेश से पहले, निवेशकों को उसकी रणनीति, जोखिम और निवेश अवधि का

एशिया के लिए तेल हुआ सस्ता, यूरोप के लिए बढ़ीं कीमतें

ऊंची मालभाड़ा लागत कम करने और बाजार हिस्सेदारी बचाने के लिए बड़ी छूट

नई दिल्ली ।

सऊदी अरब ने नवंबर डिलीवरी के लिए एशियाई देशों को अपने कच्चे तेल की कीमतों में अचानक और अप्रत्याशित रूप से बड़ी कटौती की घोषणा की है। सोमवार को जारी प्राइसिंग डॉक्यूमेंट के अनुसार, यह फैसला बाजार की उम्मीदों के बिल्कुल उलट है, जहां कीमतों में बढ़ोतरी की संभावना जताई गई थी। दुनिया के सबसे बड़े तेल निर्यातक सऊदी अरब ने अपने अरब लाइट क्रूड की आधिकारिक बिक्री कीमत (ओएसपी) में 3 डॉलर प्रति बैरल की कटौती की है, जिससे यह अब ओमान और दुबई के औसत बेंचमार्क से 5 डॉलर प्रति बैरल नीचे (डिस्काउंट पर) मिलेगा। यह जून 2020 के बाद की सबसे बड़ी छूट है। साथ ही, अरब मीडियम और अरब हैवी ग्रेड के तेल में भी 5 डॉलर प्रति बैरल की अतिरिक्त कटौती की गई है। भारत के लिए, जो अपनी 80 फीसदी से अधिक तेल आवश्यकता आयात करता है और सऊदी अरब जिसका दूसरा सबसे बड़ा सप्लायर है, यह कटौती इंडियन ऑयल (आईओसीएल) और बीपीसीएल जैसी कंपनियों के लिए कच्चे माल की खरीद सस्ती करेगी, जिससे उनका लाभ मार्जिन बढ़ेगा। वैश्विक तनाव के बावजूद, भारत में खुदरा स्तर पर पेट्रोल-डीजल की कीमतें स्थिर होंगी और बढ़ने की संभावनाएं काफी कम हो जाएंगी। अरामको ने यह कदम एशियाई रिफाइनरियों पर बढ़ी हुई मालभाड़ा लागत (जो फारस की खाड़ी से चीन तक 80,000 डॉलर से 12 लाख डॉलर प्रतिदिन तक पहुंच गई है) का बोझ कम करने के लिए उठाया है। इसके अलावा, रूस और ईरान जैसे प्रतिस्पर्धियों द्वारा भारी छूट पर तेल उपलब्ध कराने के कारण अपनी बाजार हिस्सेदारी को बचाए रखना भी एक प्रमुख कारण है।

भारत का नया निवेश संधि खाका तैयार, निवेशकों के लिए अधिक अनुकूल वित्त मंत्री

कैबिनेट की मंजूरी जल्द, 2016 की खामियां होंगी दूर; कई देशों से बातचीत जारी

नई दिल्ली ।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन में घोषणा की कि द्विपक्षीय निवेश संधियों (बीआईटी) के लिए एक नया, निवेशक-अनुकूल खाका तैयार है और इसे जल्द ही केंद्रीय मंत्रिमंडल की मंजूरी मिलने की उम्मीद है। यह नया ढांचा निवेशकों को अधिक प्रभावी सुरक्षा प्रदान करेगा और 2016 में मंजूर किए गए पुराने खाके की खामियों को दूर करेगा। सीतारमण ने बताया कि पिछले डेढ़ साल से तैयार यह नया खाका निवेशकों के लिए प्रक्रिया को और भी सुगम बनाएगा। उन्होंने कहा कि नए खाके को अंतिम रूप दिए जाने के बीच भी भारत ने निवेश संरक्षण समझौतों पर बातचीत जारी रखी है। सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), ओमान और कुछ मध्य एशियाई देशों के साथ हुए हालिया समझौतों में पहले से ही नए खाके के कई प्रावधान शामिल किए गए हैं। मंत्री ने कहा कि भारत कनाडा और रूस सहित कई देशों के साथ द्विपक्षीय निवेश संरक्षण समझौतों पर सक्रिय रूप से बातचीत कर रहा है। उन्होंने उम्मीद जताई कि दिसंबर तक कम से कम तीन और देशों के साथ समझौते पूरे हो सकते हैं, जिसमें कनाडा के साथ वार्ता दिसंबर या अगले साल की शुरुआत तक अंतिम रूप ले सकती है। पिछला 2016 का ढांचा निवेशकों को मध्यस्थता से पहले पांच साल तक इंतजार करने के लिए कहता था, जिसकी व्यापक आलोचना हुई थी।

ओरिएंट केबल्स के शेयर की बाजार में मजबूत शुरुआत, 65 प्रतिशत चढ़ा

नई दिल्ली ।

ओरिएंट केबल्स (इंडिया) लिमिटेड का शेयर अपने 272 रुपये के निर्गम मूल्य के मुकाबले करीब 65 प्रतिशत की बढ़त के साथ सोमवार को बाजार में सूचीबद्ध हुआ। बीएसई पर कंपनी के शेयर ने 448.10 रुपये पर कारोबार शुरू किया, जो निर्गम मूल्य से 64.74 प्रतिशत अधिक है। एनएसई पर यह निर्गम मूल्य से 65.44 प्रतिशत की बढ़त के साथ 450 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 4,589.54 करोड़ रुपये रहा। ओरिएंट केबल्स इंडिया के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को मंगलवार को बोली के अंतिम दिन 92.27 गुना अभिदान मिला था। कंपनी ने 552 करोड़ रुपये के आईपीओ का मूल्य दायरा 258-272 रुपये प्रति शेयर था। नए शेयर से जुटाई गई राशि का इस्तेमाल मशीनरी, उपकरण और पूंजीगत व्यय के अलावा कुछ कर्ज के पुनर्भुगतान या आंशिक पूर्व भुगतान के लिए किया जाएगा। आईपीओ से जुटाई गई राशि के एक हिस्से का इस्तेमाल सामान्य कारोबारी जरूरतों के लिए भी किया जाएगा। ओरिएंट केबल्स नेटवर्किंग केबल और निष्क्रिय नेटवर्किंग उपकरणों में विशेषज्ञता रखती है। यह ब्रॉडबैंड, दूरसंचार, डेटा सेंटर, नवीकरणीय ऊर्जा और स्मार्ट बिल्डिंग ऑटोमेशन समेत विभिन्न क्षेत्रों को सेवाएं देती है।

इंडिगो ने बढ़ाया हवाई किराया, 6 अक्टूबर से सफर होगा महंगा

नई दिल्ली ।

देश की सबसे बड़ी विमानन कंपनी इंडिगो ने बढ़ती विमान ईंधन (एटीएफ) की कीमतों के मद्देनजर घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए ईंधन अधिभार में वृद्धि की घोषणा की है। ये संशोधित शुल्क 6 अक्टूबर से लागू होंगे, जिससे हवाई यात्रियों के लिए यात्रा महंगी हो जाएगी। कंपनी ने बताया कि घरेलू उड़ानों के लिए दूरी के आधार पर अधिभार में 100 रुपये से 350 रुपये तक की बढ़ोतरी की गई है, जबकि अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर भी यह वृद्धि लागू होगी।

इंडिगो के अनुसार, ईंधन की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं और हाल ही में मासिक आधार पर इसमें 14 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई है। इससे विमान ईंधन की लागत पिछले एक दशक के सबसे ऊंचे स्तरों पर पहुंच गई है। विमानन कंपनियों की परिचालन लागत का एक महत्वपूर्ण हिस्सा होने के कारण, बढ़ती कीमतें लागत संरचना को प्रभावित कर रही हैं, जिसके चलते इंडिगो ने यह कदम उठाया है।

एंबेसी डेवलपमेंट्स ने बेंगलुरु में 1800 करोड़ के फ्लैट बेचे

- एंबेसी ओरिजिन्स टाउनशिप ने मचाया धमाल, महज एक हफ्ते में 477 अपार्टमेंट की बुकिंग

नई दिल्ली ।

रियल एस्टेट क्षेत्र की प्रमुख कंपनी एंबेसी डेवलपमेंट्स ने बेंगलुरु में अपनी नई टाउनशिप परियोजना 'एंबेसी ओरिजिन्स' के साथ बंपर शुरुआत की है। कंपनी ने परियोजना के लॉन्च के मात्र एक सप्ताह के भीतर 1,800 करोड़ रुपये से अधिक के 477 अपार्टमेंट बेचकर मजबूत मांग का प्रदर्शन किया है। सोमवार को शेयर बाजार को दी गई सूचना में यह जानकारी दी गई। उत्तरी बेंगलुरु में 85 एकड़ में फैली इस वृहद टाउनशिप परियोजना एंबेसी ओरिजिन्स के पहले चरण को 16 सितंबर को लॉन्च किया गया था। महज सात दिनों के भीतर, कंपनी ने 10 लाख वर्ग फुट से अधिक बिक्री योग्य क्षेत्र में फैले 477 अपार्टमेंटों की बुकिंग सफलतापूर्वक दर्ज की। इसके पहले चरण में दो रेरा-पंजीकृत परियोजनाएं शामिल हैं, जिनमें कुल 217 विला और 855 अपार्टमेंट हैं। इन दोनों परियोजनाओं में लगभग 26 लाख वर्ग फुट बिक्री योग्य आवासीय क्षेत्र उपलब्ध है, जिससे कंपनी को 4,500 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त होने की उम्मीद है। एंबेसी डेवलपमेंट्स के आवासीय कारोबार के एक प्रमुख अधिकारी ने इस सफलता पर टिप्पणी करते हुए कहा, यह जबरदस्त प्रतिक्रिया वित्त वर्ष 2026-27 के लिए हमारी पूर्व-बिक्री और नकदी प्रवाह के लक्ष्यों के प्रति हमारे विश्वास को मजबूत करती है।

भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत, दीर्घकालिक वृद्धि के लिए ऊर्जा सुरक्षा जरूरी- चंद्रशेखरन

विकसित भारत 2047 के लिए ऊर्जा सुरक्षा, विनिर्माण और मानव पूंजी निवेश पर जोर

मुंबई।

टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन ने सोमवार को कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत स्थिति में है और कई संकेतक देश की स्थिरता का प्रमाण हैं। भारतीय फाउंडेशन फॉर क्वालिटी मैनेजमेंट (आईएफक्यूएम) संगोष्ठी 2026 को संबोधित करते हुए उन्होंने विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए ऊर्जा सुरक्षा, उन्नत विनिर्माण और मानव पूंजी में निवेश को महत्वपूर्ण बताया।

चंद्रशेखरन ने जोर देकर कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था का अनिश्चित वैश्विक परिदृश्य में भी लगातार उम्मीदों से बेहतर प्रदर्शन कर रही है और सबसे अधिक वृद्धि दर दर्ज की है।

उन्होंने मजबूत घरेलू मांग, सेवा निर्यात और अनुकूल सरकारी नीतियों को इसका मुख्य चालक बताया।

टाटा चेयरमैन ने कहा कि ऑटो बिक्री, ऋण, बिजली और सीमेंट की मांग में मजबूत वृद्धि जैसे कई आर्थिक संकेतक देश की स्थिर और मजबूत स्थिति को दर्शाते हैं। उन्होंने चालू खाते के घाटे का जीडीपी के एक प्रतिशत से कम रहने, सेवा निर्यात के उच्च स्तर, मजबूत विदेशी मुद्रा भंडार और बैंकों की स्वस्थ एनपीए स्थिति का भी उल्लेख किया।

चंद्रशेखरन के अनुसार, विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को साकार करने के लिए विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचे, संस्थानों और बौद्धिक संपदा पर आधारित समावेशी तथा टिकाऊ विकास की आवश्यकता होगी। दीर्घकालिक वृद्धि को कायम रखने के लिए ऊर्जा सुरक्षा, उन्नत और सटीक विनिर्माण क्षेत्र में रोजगार के अवसर पैदा करने तथा मानव पूंजी में निवेश को उन्होंने महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने भारतीय विनिर्माताओं से गुणवत्ता के साथ-साथ टिकाऊ विनिर्माण प्रक्रियाओं को भी अपनाने का आग्रह किया।

जीनस इनोवेशन ने रांची के एक्सपो उत्सव 2026 में प्रदर्शित किया हाई-फ्लो हाइब्रिड सोलर इन्वर्टर और मैक्सिलियन लिथियम-आयन इन्वर्टर

रांची: भारत में एनर्जी स्टोरेज सिस्टम (ईएसएस) और रिन्यूएबल एनर्जी मैनेजमेंट सॉल्यूशंस (आरईएमएस) के क्षेत्र की प्रमुख कंपनी, जीनस इनोवेशन लिमिटेड रांची में 1 से 7 अक्टूबर तक आयोजित हो रहे एक्सपो उत्सव 2026 में अपने एनर्जी स्टोरेज और सोलर पॉवर सॉल्यूशंस की रेंज प्रदर्शित कर रही है।

एक्सपो में जीनस इनोवेशन ने अपना हाई-फ्लो हाइब्रिड सोलर इन्वर्टर और मैक्सिलियन लिथियम-आयन इन्वर्टर प्रदर्शित किया है। इसके साथ ही कंपनी ने एनर्जी स्टोरेज और रिन्यूएबल एनर्जी मैनेजमेंट सॉल्यूशंस की अपनी रेंज भी पेश की है। इसमें लिथियम आधारित एनर्जी स्टोरेज, हाइब्रिड सोलर सिस्टम और ऑन-ग्रिड सोलर पॉवर से जुड़े सॉल्यूशंस शामिल हैं। ये ग्राहकों की बदलती जरूरतों के अनुरूप भरोसेमंद और बेहतर एनर्जी सॉल्यूशंस देने के कंपनी के फोकस को उजागर करते हैं।

प्रदर्शनी में ईएसएस पोर्टफोलियो के तहत मैक्सिलियन शामिल है। यह घरों, ऑफिस और दुकानों के लिए तैयार की गई इंटीग्रेटेड लिथियम-आयन बैटरी इन्वर्टर सीरीज है। इसके साथ मैक्सीलाइफ और फ्लेक्सियन लिथियम बैटरियों की रेंज भी प्रदर्शित की गई है। इसके अलावा, कंपनी के आरईएमएस पोर्टफोलियो में हाई-फ्लो हाइब्रिड सोलर इन्वर्टर और जीटीआई एक्स1 ऑन-ग्रिड सोलर इन्वर्टर शामिल हैं। ये सोलर और डिस्ट्रीब्यूटेड एनर्जी सॉल्यूशंस के बढ़ते इस्तेमाल को बढ़ावा देने के लिए तैयार किए गए हैं।

इस मौके पर यश तोदी, डायरेक्टर और चीफ मार्केटिंग एंड सेल्स ऑफिसर, जीनस इनोवेशन लिमिटेड, ने कहा, एनर्जी की परिभाषा अब सिर्फ पॉवर बैकअप तक ही सीमित नहीं है। लोग अब एनर्जी को स्टोर करने, बनाने और बेहतर तरीके से इस्तेमाल करने के विकल्प भी चाहते हैं। ऐसे में, ऐसे सॉल्यूशंस की जरूरत बढ़ रही है, जो भरोसेमंद हों, सोलर के साथ काम करें और एनर्जी को बेहतर तरीके से मैनेज करने में मदद करें। जीनस इनोवेशन में हम इसी जरूरत को ध्यान में रखते हुए अपना पोर्टफोलियो तैयार कर रहे हैं। इसमें लिथियम आधारित एनर्जी स्टोरेज सॉल्यूशंस के साथ हाइब्रिड और ऑन-ग्रिड सोलर सिस्टम शामिल हैं।

प्रयागराज रेल मंडल में हरित क्रांतिः 425 हेक्टेयर में लगे 39 लाख से अधिक पौधे, 1 करोड़ का लक्ष्य

बिहान भारत

प्रयागराजः पर्यावरण संरक्षण एवं 'हरित रेलवे' की संकल्पना को साकार करने के उद्देश्य से उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज मंडल में व्यापक स्तर पर पौधरोपण अभियान चलाया जा रहा है। मंडल रेल प्रबंधक (ऊम्ट) रजनीश अग्रवाल के मार्गदर्शन में संचालित इस अभियान के तहत वर्ष 2026 में मई से सितंबर माह तक कुल 39,10,078 पौधों का रोपण किया जा चुका है। अकेले सितंबर माह में 16,85,943 पौधे रोपे गए, जिससे इस हरित अभियान को उल्लेखनीय गति मिली है।

प्रयागराज मंडल के लिए वर्ष 2026 में कुल 1 करोड़ पौधे लगाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया गया है। अब तक 39.10 लाख से अधिक पौधे लगाए जा चुके हैं, जबकि लक्ष्य को पूर्ण करने के लिए शेष 60,89,922 पौधों का रोपण चरणबद्ध तरीके से किया जा रहा है। आंकड़ों के अनुसार मई में 1,57,563, जून में 69,387, जुलाई में 5,89,286, अगस्त में 14,07,299 तथा सितंबर में 16,85,943 पौधे रोपे गए।

अभियान के अंतर्गत रेलवे ट्रैक के किनारे, कॉलोनियों और खाली पड़ी अनुपयोगी रेलवे भूमि को हरित पट्टियों में तब्दील किया जा रहा है। अब तक मंडल की लगभग 425 हेक्टेयर भूमि को हरित क्षेत्र के रूप में विकसित किया जा चुका है। क्षेत्रवार विवरण के अनुसार प्रयागराज क्षेत्र में 7,91,241 पौधे लगाकर करीब 85 हेक्टेयर भूमि को हरा-भरा किया गया। वहीं कानपुर क्षेत्र में 5,20,614 तथा टूंडला क्षेत्र में 7,59,500 पौधे लगाए गए हैं।

रेलवे प्रशासन केवल पौधारोपण तक सीमित नहीं है, बल्कि लगाए गए पौधों के संरक्षण एवं रखरखाव पर भी पैनी नजर रखी जा रही है। संबंधित स्थलों का समय-समय पर स्थलीय निरीक्षण किया जा रहा है ताकि पौधों की उचित वृद्धि सुनिश्चित हो सके। उत्तर मध्य रेलवे (ठउफ) ने चालू वित्त वर्ष में 2 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य रखा है, जिसमें आधी हिस्सेदारी अकेले प्रयागराज मंडल द्वारा पूरी की जा रही है।

मुंबई-बेंगलुरु के बीच जल्द दौड़ेगी वंदे भारत स्लीपर ट्रेन

मुंबई। भारतीय रेलवे मुंबई और बेंगलुरु के बीच वंदे भारत स्लीपर ट्रेन शुरू करने की तैयारी में है। रेलवे बोर्ड की ओर से इस सेवा को लेकर अधिसूचना जल्द जारी किए जाने की संभावना है। सूत्रों के अनुसार, इस महीने के अंत तक ट्रेन को हरी झंडी दिखाई जा सकती है। इस सेवा के शुरू होने के बाद मुंबई-बेंगलुरु के बीच यात्रा का समय मौजूदा करीब 24 घंटे से घटकर 16 घंटे से भी कम होने की उम्मीद है।

भारतीय रेलवे ने मुंबई के सीएसएमटी से केएसआर बेंगलुरु के बीच वंदे भारत स्लीपर सेवा शुरू करने की तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। सेवा शुरू होने में हुई देरी के बाद अब रेलवे प्रशासन इसे जल्द से जल्द शुरू करने की दिशा में काम कर रहा है। प्रस्तावित समय-सारिणी के अनुसार, यह प्रीमियम स्लीपर ट्रेन सप्ताह में 6 दिन दोनों दिशाओं में चल सकती है।

वर्तमान में मुंबई और बेंगलुरु के बीच सीधी चलने वाली उद्यान एक्सप्रेस इस दूरी को तय करने में औसतन करीब 24 घंटे लेती है। ऐसे में वंदे भारत स्लीपर के शुरू होने से यात्रियों के समय में काफी बचत होने की संभावना है।

अस्थायी समय-सारिणी के अनुसार, ट्रेन केएसआर बेंगलुरु से रात 10 बजे रवाना होकर अगले दिन दोपहर 1:50 बजे मुंबई सीएसएमटी पहुंच सकती है। वहीं, वापसी में ट्रेन मुंबई सीएसएमटी से रात 10:30 बजे रवाना होकर अगले दिन दोपहर 1:50 बजे बेंगलुरु पहुंचने की संभावना है। हालांकि, यह समय-सारिणी अभी अंतिम नहीं है और रेलवे प्रशासन इसमें बदलाव कर सकता है।

ट्रेन के संभावित ठहरावों में अनंतपुर, गुंतकल, रायचूर, कलबुर्गी, सोलापुर और कल्याण शामिल हो सकते हैं।

संक्षिप्त खबरें

पूर्व मध्य रेल मुख्यालय में 'स्वच्छता पखवाड़ा-2026' के तहत हुआ पौधारोपण

हाजीपुर(बिभा): पूर्व मध्य रेल में 1 अक्टूबर से 15 अक्टूबर तक संचालित किए जा रहे 'स्वच्छता पखवाड़ा-2026' के तहत सोमवार को मुख्यालय हाजीपुर में स्वच्छता शपथ एवं पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। 'स्वच्छ रेल-स्वच्छ परिसर-स्वच्छ पर्यावरण' के संकल्प के साथ आयोजित इस कार्यक्रम में रेलवे अधिकारियों और कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान महाप्रबंधक डिम्पी गर्ग ने अन्य वरिष्ठ रेल अधिकारियों के साथ मुख्यालय परिसर में पौधारोपण किया। इस अवसर पर उन्होंने हरित एवं स्वच्छ रेल परिसर के निर्माण तथा पर्यावरण संरक्षण की महत्ता पर विशेष जोर दिया। इससे पहले, अपर महाप्रबंधक अमरेन्द्र कुमार ने मुख्यालय के प्रांगण में उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्वच्छता की शपथ दिलाई। सभी ने स्वच्छता को अपने दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने, सार्वजनिक स्थलों को साफ-सुथरा रखने तथा एक स्वच्छ व स्वस्थ वातावरण के निर्माण में सक्रिय योगदान देने का संकल्प लिया। उल्लेखनीय है कि स्वच्छता पखवाड़े के अंतर्गत पूर्व मध्य रेल के सभी मंडलों में स्थित स्टेशनों, कार्यालयों, रेलवे कॉलोनियों और अन्य रेल परिसरों में व्यापक सफाई अभियान, जन-जागरूकता कार्यक्रम एवं जनभागीदारी से जुड़ी विविध गतिविधियां निरंतर आयोजित की जा रही हैं।

रनिंग कर्मियों के लिए मंडल चिकित्सालय प्रयागराज ने आयोजित किया स्वास्थ्य शिविर

प्रयागराज(बिभा) : उत्तर मध्य रेलवे के मंडल चिकित्सालय, प्रयागराज के तत्वावधान में सोमवार को लॉबी प्रयागराज में राष्ट्रीय पोषण माह-2026 के अंतर्गत रनिंग कर्मियों के लिए विशेष हेल्थ चेकअप कैंप एवं स्वास्थ्य परामर्श कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शिविर में रेलवे चिकित्सालय की डायटीशियन डॉ. अर्पणा सक्सेना विशेष रूप से उपस्थित रहीं। उन्होंने रनिंग कर्मियों की विभिन्न चिकित्सीय एवं स्वास्थ्य जांचों की रिपोर्ट का विश्लेषण करते हुए उन्हें व्यक्तिगत स्वास्थ्य संबंधी परामर्श प्रदान किया। उन्होंने रनिंग स्टाफ की व्यस्त एवं चुनौतीपूर्ण कार्य दिनचर्या को ध्यान में रखते हुए संतुलित आहार, उचित पोषण एवं स्वस्थ जीवनशैली अपनाने पर विशेष जोर दिया। डॉ. अर्पणा सक्सेना ने कर्मियों को दैनिक आहार में सुधार, नियमित व्यायाम तथा तनावमुक्त जीवनशैली अपनाने की सलाह दी। उन्होंने बताया कि संतुलित आहार एवं नियमित शारीरिक गतिविधियों के माध्यम से स्वास्थ्य एवं शारीरिक क्षमता में सुधार किया जा सकता है। इस अवसर पर मुख्य क्रू नियंत्रक/सामान्य श्री वासुदेव पाण्डेय ने रनिंग कर्मियों को संबोधित करते हुए शरीर में विसेरल फैट (श्रीू१' त्र्३) अर्थात आंतरिक अंगों के आसपास जमा होने वाली वसा के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने स्वास्थ्य जांच के दौरान प्राप्त रीडिंग्स को समझाते हुए इसके स्तर को नियंत्रित रखने के महत्व पर प्रकाश डाला। श्री वासुदेव पाण्डेय ने स्वास्थ्य ही एकमात्र सच्चा धन है का संदेश देते हुए रनिंग कर्मियों से अपील की कि वे अपनी संरक्षा के साथ-साथ अपने स्वास्थ्य का भी पूरी जिम्मेदारी से ध्यान रखें। शिविर में लॉबी प्रयागराज के ट्रेन मैनेजर, लोको पायलट, सहायक लोको पायलट, लोको पायलट शंटिंग एवं कार्यालयीय कर्मचारियों ने भाग लिया तथा अपनी स्वास्थ्य जांच करवाकर चिकित्सकीय एवं पोषण संबंधी महत्वपूर्ण परामर्श प्राप्त किया। मंडल चिकित्सालय द्वारा आयोजित इस पहल का उद्देश्य रनिंग कर्मियों को उनके स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना तथा उनकी कार्यक्षमता एवं समग्र स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन उपलब्ध कराना है।

आद्रा मंडल के स्टेशनों पर चला विशेष स्वच्छता अभियान

बोकारो(बिभा)। दक्षिण पूर्व रेलवे के आद्रा मंडल में स्वच्छता ही सेवा-2026 और विशेष अभियान 6.0 के तहत सोमवार को बोकारो, बांकुड़ा, पुरुलिया समेत प्रमुख स्टेशनों और खानपान इकाइयों में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान रेलवे परिसरों, प्लेटफॉर्म, परिसंचारी क्षेत्र, प्रवेश-निकास स्थल और अन्य महत्वपूर्ण स्थानों की गहन सफाई की गई। खानपान स्टॉलों के कार्यक्षेत्र, कार्य सतहों, रसोई परिसर, बर्तनों और अन्य उपकरणों की विशेष सफाई कर खाद्य सुरक्षा एवं स्वच्छता मानकों के पालन पर जोर दिया गया। इसके अलावा कूड़ेदानों, नालियों और जल निकासी क्षेत्रों की भी सफाई की गई। रेलवे की ओर से बताया गया कि ह्यस्वच्छता ही सेवा-2026 अभियान 17 सितंबर से 15 अक्टूबर तक तथा विशेष अभियान 6.0 दो अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक चलाया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य रेलवे परिसरों को स्वच्छ, सुरक्षित एवं पर्यावरण-अनुकूल बनाना तथा यात्रियों और रेलकर्मियों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाना है।

पूर्व रेलवे ने स्वच्छता पखवाड़ा 2026 एवं विशेष अभियान

आधुनिक मशीनों से चमक रहे चार मंडलों के स्टेशन

बिहान भारत

कोलकाताः पूर्व रेलवे की महाप्रबंधक गीतिका पाण्डेय के मार्गदर्शन में 1 से 15 अक्टूबर तक 'स्वच्छता पखवाड़ा 2026' तथा 2 से 31 अक्टूबर तक 'विशेष अभियान 6.0' के तहत हावड़ा, मालदा, सियालदह और आसनसोल मंडलों में व्यापक स्तर पर सफाई अभियान चलाया जा रहा है। स्टेशनों, कार्यालयों, कैंटीनों और रेलवे कॉलोनियों को स्वच्छ एवं यात्री-अनुकूल बनाने के लिए हाई-प्रेशर जेट वॉशर, स्क्रबर-ड्रायर, राइड-ऑन स्वीपर तथा फॉगिंग यूनिट जैसे आधुनिक मशीनीकृत उपकरणों का बड़े पैमाने पर उपयोग किया जा रहा है। हावड़ा मंडल में प्लेटफॉर्म, फुट ओवरब्रिज, कॉनकोर्स और शौचालय परिसरों की गहन सफाई के साथ-साथ नालियों से गाद निकाली गई। यात्री सुविधाओं के तहत प्रतीक्षालयों, रिटायरिंग रूम और रेस्ट हाउस में अपहोल्स्ट्री की शैंपू सफाई, फर्श की पॉलिशिंग और एसी फिल्टरों की सफाई की जा रही है। आईआरसीटीसी के सहयोग से बेस किचन, पैंट्री और कैटरिंग यूनिट्स में एग्जॉस्ट की डीग्रीसिंग व कीट नियंत्रण कार्य किया जा रहा है। इसके साथ ही ई-कचरे के वैज्ञानिक निपटान की प्रक्रिया भी जारी है।

उधर, मालदा मंडल द्वारा मालदा टाउन, न्यू फरक्का, धुलियान गंगा, पीरपैंती, साहिबगंज और भागलपुर जैसे प्रमुख स्टेशनों पर सफाई मित्रों की विशेष तैनाती की गई है। यहां कूड़ेदानों की मरम्मत, क्षतिग्रस्त लाइनरों को बदलने और प्लेटफॉर्म नालियों से कचरा हटाने का कार्य युद्धस्तर पर चल रहा है।

सियालदह मंडल के अंतर्गत प्रतीक्षालयों, रनिंग रूम, रिकॉर्ड रूम और कैंटीनों में फर्श की स्क्रबिंग, एसी डक्ट की सफाई, शौचालयों का सैनिटाइजेशन और प्लंबिंग की दुरुस्ती की जा रही है।

वहीं, आसनसोल मंडल द्वारा रानीगंज (प्लेटफॉर्म 1 व 2 और शौचालय), पानागढ़, दुर्गापुर, पांडबेश्वर, जसीडीह और बैद्यनाथ धाम स्टेशनों पर आधुनिक मशीनों से सघन सफाई अभियान चलाया गया। इसके अलावा सिउरी, अंडाल स्टेशन और अंडाल रेलवे कॉलोनी में ड्रेनेज सिस्टम की व्यापक सफाई की गई।

पूर्व रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी (उढफ्ह) शिबराम माझि ने कहा कि पूर्व रेलवे स्वच्छ, सुरक्षित और सुव्यवस्थित परिसर उपलब्ध कराने के लिए पूरी तरह कटिबद्ध है। सफाई मित्रों के समर्पित प्रयास और आधुनिक उपकरणों के समन्वय से यात्रियों के यात्रा अनुभव को और बेहतर बनाया जा रहा है।

पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक डिम्पी गर्ग ने पटना जं. का किया निरीक्षण

बिहान भारत

हाजीपुरः पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक डिम्पी गर्ग ने सोमवार को पटना जं. का निरीक्षण किया गया। महाप्रबंधक द्वारा प्लेटफॉर्म सं. 01 एवं 10 का एक छोर से दूसरी छोर तक निरीक्षण किया गया तथा यात्री सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने सकुर्लेटिंग एरिया, फुट ओवर ब्रिज, टिकट काउंटर, एस्कलेटर आदि का निरीक्षण कर यात्री सुविधा, संरक्षा आदि का जायजा लिया। महाप्रबंधक ने पटना जं. पर अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत किये जाने वाले स्टेशन पुनर्विकास कार्य की समीक्षा की तथा उच्च गुणवत्तायुक्त निर्माण कार्य एवं उन्नत यात्री सुविधा की उपलब्धता पर विशेष बल देते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। निरीक्षण के क्रम में महाप्रबंधक द्वारा प्लेटफॉर्म सं.-10 पर खड़ी पटना-न्यूजलपाईगुड़ी वंदे भारत एक्सप्रेस का भी निरीक्षण किया गया तथा यात्रियों से संवाद कर उनसे फीडबैक लिये। निरीक्षण के दौरान दानापुर मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री विनोद कुमार सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

प्रयागराज मंडल में यात्रियों के लिए सुरक्षित पेयजलः 40 दिनों में जांचे गए 3,924 पानी के नमूने, सभी मानक पर खरे उतरे

बिहान भारत

प्रयागराजः उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज मंडल में यात्रियों को स्वच्छ, सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से स्टेशनों और रेल परिसरों में पानी की सतत निगरानी की जा रही है। मंडल द्वारा चलाए जा रहे विशेष जल गुणवत्ता निगरानी अभियान के तहत 26 अगस्त 2026 से 4 अक्टूबर 2026 के बीच कुल 3,924 जल नमूनों का सघन परीक्षण किया गया। राहत की बात यह रही कि सभी नमूने निर्धारित गुणवत्ता मानकों पर पूरी तरह खरे उतरे हैं।

मंडल द्वारा की गई जांच में 3,609 अवशिष्ट क्लोरीन , 307 बैक्टीरियोलॉजिकल और 8 केमिकल एनालिसिस के नमूने शामिल रहे। अवशिष्ट क्लोरीन परीक्षण के जरिए पानी में क्लोरीनीकरण के स्तर की निगरानी की जाती है, जबकि बैक्टीरियोलॉजिकल जांच से जल में सूक्ष्मजीवों की अनुपस्थिति और केमिकल एनालिसिस से आवश्यक रासायनिक संतुलन की पुष्टि होती है। इन परीक्षणों का मुख्य उद्देश्य यात्रियों को जलजनित बीमारियों से सुरक्षित रखना है।

अभियान के तहत मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर लगे पेयजल नलों, वाटर कूलरों, जल भंडारण टंकियों और पाइपलाइनों का नियमित निरीक्षण किया जा रहा है। इसके साथ ही टंकियों की तय समय-सीमा के भीतर सफाई, नलों के आसपास स्वच्छता और जलापूर्ति तंत्र के रख-रखाव पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। रेलवे प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यदि कहीं मानकों में मामूली कमी भी पाई जाती है, तो संबंधित विभागों के समन्वय से तुरंत सुधारात्मक कदम उठाए जाते हैं।

यात्रियों की सेहत और संरक्षा हमारी प्राथमिकताः डीआरएम

प्रयागराज के मंडल रेल प्रबंधक रजनीश अग्रवाल ने कहा कि यात्रियों को शुद्ध एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराना मंडल की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। पेयजल की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए नियमित सैंपलिंग और सतत निगरानी की चाक-चौबंद व्यवस्था की गई है, जिससे किसी भी स्तर पर कोताही की कोई गुंजाइश न रहे।

दक्षिण पूर्व रेलवे में 4,500 करोड़ से सुदृढ़ होंगे रेल पुलः 25 टन एक्सल लोड के अनुरूप होगा कायाकल्प, माल ढुलाई क्षमता को मिलेगी रफ्तार

बिहान भारत

कोलकाताः भारतीय रेलवे की माल ढुलाई क्षमता को मिशन-3000 एमटी के तहत बढ़ाने के उद्देश्य से दक्षिण पूर्व रेलवे (एसईआर) ने अपने अधिकार क्षेत्र में आने वाले पुलों के व्यापक उन्नयन, पुनरुद्धार और पुनर्निर्माण की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। रेलवे ने विभिन्न रेलखंडों पर स्थित पुलों के पुनर्वास, सुदृढ़ीकरण, रेट्रोफिटिंग और नए सिरे से निर्माण के लिए अब तक लगभग 4,500 करोड़ रुपये की परियोजनाओं को स्वीकृति दी है। यह पूरा कार्य रेलवे ट्रैक और पुलों को 25 टन एक्सल लोडिंग के अनुकूल बनाने के लिए किया जा रहा है, जिससे भारी मालगाड़ियों का सुरक्षित, सुगम और तीव्र परिचालन सुनिश्चित हो सके।

परियोजना के तहत मेगा और मेजर पुलों के पुराने स्टील गर्डरों को 25टी-2008 लोडिंग मानकों के अनुरूप नए स्टील गर्डरों में बदला जा रहा है। इस री-गर्डरिंग कार्य के लिए अब तक 41 पुलों को मंजूरी मिल चुकी है। वहीं, 38 प्रमुख पुलों के स्टील गर्डरों को आधुनिक बैलास्टेड डेक कम्पोजिट गर्डर में तब्दील करने की स्वीकृति दी गई है। इसके अतिरिक्त 12.2 मीटर तक के स्पैन वाले 137 पुलों में स्टील गर्डर हटाकर बैलास्टेड डेक पीएससी स्लैब लगाए जा रहे हैं, जो इंडियन रेलवे ब्रिज मैनुअल-2024 के मानकों के अनुरूप हैं।

योजना के तहत अत्यधिक व्यस्त और पुराने 20 बड़े पुलों का नए डायवर्टेड एलाइनमेंट पर पुनर्निर्माण प्रस्तावित है। इनमें हावड़ा-खड़गपुर रेलखंड पर रूपनारायण नदी पर स्थित ब्रिज संख्या 57 (डाउन, मिड एवं अप) जैसे महत्वपूर्ण मेगा पुल शामिल हैं। बड़े ढांचों के साथ-साथ रेलवे ने छोटे ढांचों के सुदृढ़ीकरण पर भी ध्यान केंद्रित किया है, जिसके तहत करीब 1,550 माइनर पुलों और 4 रेल सुरंगों के पुनर्वास व मरम्मत को हरी झंडी दी गई है।

रेलवे ने ट्रैक संरक्षा और कर्मचारियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए गर्डर पुलों पर साइड पाथवे और मैन रिफ्यूज का विस्तार भी तेज कर दिया है। दक्षिण पूर्व रेलवे के अधिकार क्षेत्र में अब तक 199 पुलों पर साइड पाथवे तैयार किए जा चुके हैं, जबकि 35 अन्य पुलों पर निर्माण कार्य प्रगति पर है। इस बड़े आधुनिकीकरण से दक्षिण पूर्व रेलवे नेटवर्क पर न केवल ट्रेनों की गति और संरक्षा बेहतर होगी, बल्कि औद्योगिक और व्यापारिक आपूर्ति श्रृंखला को भी नई ताकत मिलेगी।

मोकामा में गंगा नदी पर 2400 करोड़ का नया रेल पुल तैयारः सीआरएस निरीक्षण के बाद परिचालन का रास्ता साफ, उत्तर और दक्षिण बिहार के बीच बढ़ेगी कनेक्टिविटी

बिहान भारत

हाजीपुरः रेल संरक्षा आयुक्त (सीआरएस), पूर्वी सर्किल, कोलकाता गुरु प्रकाश द्वारा 3 एवं 4 अक्टूबर को राजेंद्रपुल-हाथीदह के बीच गंगा नदी पर नवनिर्मित दोहरी रेल लाइन और विद्युतीकरण का संरक्षा निरीक्षण सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया। सीआरएस से आवश्यक प्राधिकार मिलते ही इस नए रेल पुल पर माल एवं यात्री ट्रेनों के परिचालन का रास्ता साफ हो गया है। इस पुल के चालू होने से उत्तर और दक्षिण बिहार के बीच एक और मजबूत रेल संपर्क स्थापित हो गया है।

लगभग 2400 करोड़ रुपये की लागत से तैयार यह नया रेल पुल पुराने राजेंद्र पुल के समानांतर, पटना छोर की ओर 50 मीटर की दूरी पर निर्मित किया गया है। यह पूरा प्रोजेक्ट करीब 15.5 किलोमीटर की लंबाई में फैला है। इसमें गंगा नदी के ऊपर 1.9 किलोमीटर लंबा मुख्य पुल शामिल है, जिसमें 17 स्टील स्पैन लगाए गए हैं। इसके अलावा परियोजना के तहत 3.6 किमी लंबा रेल वायडक्ट, 8 छोटे पुल, 2 रोड ओवरब्रिज (फ्ह्इ) और 3 रेल ओवर रेल (फ्ह्फ) का निर्माण किया गया है।

परियोजना की रूपरेखा इस तरह तैयार की गई है कि पुराने पुल के एप्रोच में न्यूनतम बदलाव करना पड़े। नवनिर्मित पुल के दोनों छोर वर्तमान स्टेशनों से ही जुड़े रहेंगे। यह उत्तर दिशा में हाथीदह, टाल और रामपुर डुमरा स्टेशनों से तथा दक्षिण दिशा में राजेंद्रपुल और बरौनी स्टेशनों से सीधा जुड़ेगा।

नवनिर्मित डबल लाइन रेल पुल चालू होने के बाद भी वर्तमान पुराने राजेंद्र सेतु से परिचालन जारी रहेगा। इसके साथ ही इस रेलखंड पर कुल 3 रेलवे लाइनें उपलब्ध हो जाएंगी। इससे उत्तर-दक्षिण बिहार के अलावा पूर्वोत्तर राज्यों (नॉर्थ-ईस्ट) के लिए भी रेल कनेक्टिविटी पहले से कहीं अधिक सुदृढ़ होगी। रेलवे के अनुसार, इस क्षमता विस्तार से रेल ट्रैफिक में करीब 2.5 गुना वृद्धि होने का अनुमान है। इससे मालगाड़ियों और यात्री ट्रेनों के समय की बचत होगी, लॉजिस्टिक्स लागत घटेगी और व्यापारिक गतिविधियों को नई गति मिलेगी।

बिहान भारत की ओर से स्वात्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक **संजय कुमार** के लिए वाटिका अपार्टमेंट, भोसले गली, हरिहर सिंह रोड, बरियातू, रांची-834009 (झारखंड) दूरभाषः 7761060594, 7004767601 से प्रकाशित तथा डी बी कॉर्प लिमिटेड, प्लॉट नंबर- 535 व 1272, नियर फारेस्ट ऑफिस, ललगुटवा, रांची - 835303, झारखंड से मुद्रित। समस्त दीवानी विवाद, न्यायोचित कार्रवाई एवं दंडित परिवादो के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। **संपादक : कविता साहू** (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)। **प्रबंध संपादक : बीरेन्द्र महली** ।
Email-bihanbharat@gmail.com, bihanbharatranchinews@gmail.com